सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

मंगलवार, 07 अप्रैल, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 93, पेज 12, 3.50 रुपये www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 787 अंकों की उछाल

स्थानीय शेयर बाजार शुरुआती गिरावट से उबरते हुए लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त में रहे, और सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा। } 10

कांग्रेस ने असम की जनजातियों को वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमाल

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी चाय बागानों में रहने वाली जनजातियों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में देखती है, लेकिन उनके वास्तविक कल्याण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाती। } 12

मदुरै : नौ पुलिसकर्मियों को मुत्युदंड

कोरोनाकाल में नियम तोड़ने पर पिता-पुत्र की हिरासत में हुई थी मौत

एजेंसी

मदुरै। मदुरै की जिला अदालत ने सोमवार को सातांकुलम में हिरासत में मौत के मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिस कर्मियों को मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने कहा कि यह मामला 'दुर्लभतम' श्रेणी का है। इन पुलिसकर्मियों को जून 2020 में पी. जेयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की हिरासत में हत्या और यातना के मामले में दोषी पाया गया।

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी। लेकिन अपराध पुलिस ने किया है। अदालत ने कहा कि हिरासत में हिंसा का यह स्पष्ट उदाहरण है। साक्ष्यों से पता चला कि पिता और पुत्र को पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया। निरीक्षक एस श्रीधर ने हमले के लिए उकसाया। जबकि, अन्य कर्मी हिंसा और उसके बाद सबूतों को छिपाने में

शामिल थे। पुलिस ने जेयराज (58 वर्षीय) और बेनिक्स (31 वर्षीय) को 19 जून 2020 को हिरासत में लिया था। उन पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने का आरोप लगाया गया था। कुछ दिनों बाद उनकी कोविलपत्ती सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि पुलिस हिरासत में उन्हें क्रूर यातना दी गई थी। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर साबित किया कि सातांकुलम थाने में उन पर क्रूर हमला हुआ था। थाने में पाए गए खून के धब्बे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटें मुख्य साक्ष्य रहे। आरोपी विशेष उप-निरीक्षक पॉल्दुराई की मुकदमे के दौरान कोरोना से मौत हो गई थी। यह मामला पूरे देश में हिरासत में हिंसा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस का केंद्र बन गया था। अब सजा सुनाए जाने के बाद मामला अंतिम चरण में प्रवेश कर गया है। पीड़ितों के वकील जबा सिंह ने कहा, अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ए1 से ए9 तक सभी ...शेष पृष्ठ 10 पर

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सेंध, बैरिकेट तोड़कर घुसी कार

❍ सरकार ने घोषित किया हाई अलर्ट, तीन आरोपी गिरफ्तार ❍ यूपी के नम्बर की थी गाड़ी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सोमवार दोपहर उस वक्त बड़ी सेंध लग गई, जब एक नकाबपोश व्यक्ति एसयूवी लेकर जबरन परिसर के सीमा पर बने द्वार से अंदर घुस गया और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय के बाहर एक गुलदस्ता रखकर उसी रास्ते से निकल भी गया। इसके बाद हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने बाद में उत्तर दिल्ली से कार चालक समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया और वाहन को जब्त कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते समेत कई पुलिस दल मौके पर पहुंचे और किसी भी खतरे की आशंका को समाप्त करने के लिए इलाके की गहन छानबीन की। उन्होंने कहा कि राजधानी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के नंबर वाला यह वाहन

अपराह्न करीब दो बजे द्वार संख्या दो से विधानसभा परिसर में दाखिल हुआ। सूत्रों के अनुसार चूंकि यह मुख्य द्वार नहीं है, इसलिए विधानसभा सत्र नहीं होने की स्थिति में इसके आस-पास सुरक्षा अपेक्षाकृत कम थी। दिल्ली सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कार चालक विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और वहां ड्योढ़ी (पोर्च) के पास गुलदस्ता रखकर वापस चला गया। उन्होंने कहा कि इस घटना से सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं और अधिकारी इसे सुरक्षा चूक मान रहे हैं। घटना के तुरंत बाद विशेष पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) रवींद्र यादव घटनास्थल पर पहुंचे और जांच का निरीक्षण किया। यादव ने बताया कि पुलिस ने घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए इलाके और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। वाहन और उसमें सवार लोगों का पता लगाने के लिए पुलिस टीमें गठित की गईं और पड़ोसी राज्यों को अलर्ट भेजा गया। संदिग्ध कार की जानकारी स्थानीय पुलिस इकाइयों के साथ साझा की गई। बाद में पुलिस ने चालक समेत तीन लोगों को पकड़ लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया तीन लोगों को हिरासत में लिया ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

एके-47 रखने वाले को क्लीनचिट देने पर पुलिसकर्मी सस्पेंड

बिजनौर। एके-47 राइफल और हथगोले के कथित प्रदर्शन से जुड़े वीडियो के वायरल होने के मामले में आरोपी को क्लीन चिट देने पर एक पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि एक पुलिस क्षेत्राधिकारी को पद से हटा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि यह वीडियो पिछले साल नवंबर में सामने आया था। वीडियो में मेरठ के मवाना क्षेत्र के सथला गांव का निवासी आकिब, जो वर्तमान में दुबई में है, कथित तौर पर एके-47 राइफल और हथगोले का प्रदर्शन करता दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नांगल थाने में उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने मामला दर्ज किया था। तत्कालीन थाना प्रभारी और जांच अधिकारी सत्येंद्र सिंह ने आकिब का बयान दर्ज कर अंतिम रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें कहा गया कि वीडियो में दिखाए गए हथियार खिलौने थे। इसके आधार पर उसे क्लीन चिट मिल गई।

किडनी प्रत्यारोपण गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस ने गुर्दा प्रत्यारोपण में लिप्त गिरोह से कथित तौर पर जुड़े एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने संभावित रूप से अंतरराष्ट्रीय संबंध रखने वाले इस बड़े गिरोह का खुलासा किया था जिसमें अयोग्य चिकित्सक भी शामिल हैं। कानपुर पुलिस के आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि उन्होंने कानपुर, लखनऊ मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद के स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र लिखकर फर्जी चिकित्सकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। अब तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें दो ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन भी शामिल हैं जो सर्जरी में सहायता करने और उपकरण की व्यवस्था करने में शामिल थे।

आज का मौसम

अधिकतम : 40.06 डिसे.
न्यूनतम : 20.00 डिसे.

भीतर पढ़ें

❍ भाजपा दल नहीं संकल्प : पंकज चौधरी (पृष्ठ-02)
❍ ड्रोन शक्ति का हब बन रहा है उत्तरप्रदेश (पृष्ठ-02)
❍ रुपया 14 पैसे चढ़कर 93.04 प्रति डॉलरपर (पृष्ठ-14)
❍ रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक (पृष्ठ-14)

भाजपा देश को बना रही विकसित व आत्मनिर्भर

समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र-एक चुनाव पर सकारात्मक विचार-विमर्श जारी : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र, एक चुनाव को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो अधूरे एजेंडे बताते हुए कहा कि इन पर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है तथा सकारात्मक दिशा में प्रगति हुई है। भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि पहली बार भाजपा ने 1994 में महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था, जबकि मौजूदा भाजपा नीत केंद्र सरकार महिला आरक्षण अधिनियम को 2029 के आम चुनाव में लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण ...शेष पृष्ठ 10 पर

भाजपा की विकास यात्रा विचारधारा में निहित : योगी

जिला संवाददाता

गोरखपुर (उप्र)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन में भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर पार्टी का ध्वज फहराते हुए कहा कि भाजपा की विकास यात्रा की कहानी सत्ता नहीं, बल्कि विचारधारा में निहित है। समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए पदाधिकारियों के साथ सेल्फी के लिए उपस्थित हुए। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा की विकास यात्रा सत्ता के बारे में नहीं है, बल्कि विचारधारा के बारे में है, और यह अंत्योदय ...शेष पृष्ठ 10 पर

प.बंगाल में बदलाव की जरूरत : धामी

सीएम ने 24 परगना में किया रोड शो व जनसभा में भाजपा के लिए मांगा समर्थन

एजेंसी

देहरादून/पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनगांव में आयोजित एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की राजनीतिक दिशा पर सवाल उठाए और भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन की अपील की।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिम बंगाल आज विकास के नए मार्ग की तलाश में है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान टीएमसी शासन के दौरान बुनियादी सुविधाओं और ढांचागत विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है, जिसके कारण आम नागरिकों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे परिवर्तन का समर्थन करें और राज्य में नई विकास यात्रा का मार्ग प्रशस्त करें। सीएम धामी ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी होता है। उन्होंने डबल इंजन सरकार को विकास की गति बढ़ाने वाला मॉडल बताते हुए कहा कि उत्तराखंड में इसी तालमेल के कारण कई योजनाएं समय पर पूरी हुई हैं और उनका लाभ सीधे जनता तक पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब जनता को विकास और सुशासन को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लेना चाहिए। मुख्यमंत्री धामी ने केंद्र सरकार की ...शेष पृष्ठ 10 पर

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) द्वारा समर्थित एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से दो हथगोले एवं एक ग्लॉक पिस्तौल बरामद की है। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि हथगोलों पर पीओएफ (पाकिस्तान आयुध कारखाना) के चिह्न हैं जो सीमा पार संबंधों का संकेत देते हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सरबजीत सिंह (तरन तारन के अम्मीशाह गांव निवासी), बिक्रमजीत सिंह (अमृतसर के नांगल पन्नुवां गांव निवासी) और अमनदीप सिंह (अमृतसर की ...शेष पृष्ठ 10 पर

ईरान ने ठुकराया युद्धविराम प्रस्ताव

होर्मुज खोलने से किया इनकार, नयी शर्तों पर होगा समझौता

एजेंसी

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई की चेतावनियां मिल रही हैं, तो दूसरी ओर ईरान खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी संपत्तियों को निशाना बना रहा है। इस बीच, ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने मध्यस्थों की ओर पेश किए गए प्रस्तावों अपना जवाब तैयार कर लिया है। हालांकि, उसने यह भी कहा कि जब तक अमेरिका व इस्त्राइल हमले तेज करते रहेंगे, वह सीधी वार्ता में शामिल नहीं होगा।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका का 15 सूत्रीय प्रस्ताव अत्यधिक मांगों वाला है। हमने अपनी मांगों का एक अलग सेट तैयार कर

लिया है और उसे औपचारिक रूप दे दिया है। इस संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि इस्फहान में पायलट बचाव अभियान केवल एक छल-कपट था, जिसका मकसद ईरान के संवर्धित यूरेनियम को जब्त करना था। यह युद्धविराम विरोधी पक्ष को फिर से संगठित होने और अपनी कार्रवाई जारी रखने का मौका दे सकता है। मंत्रालय ने ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष खबर पूंजीगत व्यय बढ़ाने, संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश बनी उपलब्धि : सीतारमण

10 वर्षों के अथक प्रयास ने संकट में संभाली अर्थव्यवस्था

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि राजकोषीय सूझबूझ ने सरकार को पूंजीगत व्यय बढ़ाने और पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश दी है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक उभरती स्थिति से निपटने के लिए ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। सीतारमण ने चुनौतीपूर्ण समय में अच्छी सार्वजनिक वित्त नीति के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आर्थिक नरमी के दौर में उससे निपटने, विशेष रूप से विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की क्षमता में सुधार होता है। उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के एक कार्यक्रम में कहा कि आज भारी कर्ज और बड़े घाटे वाले कई देशों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है और उन्हें मितव्ययिता और अस्थिरता के बीच एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ रहा है। वित्त मंत्री ने कहा इसके उलट, भारत के पास राजकोषीय संसाधन हैं। पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को जारी रखने की गुंजाइश है, आरबीआई के पास ब्याज दरें कम करने की

गुंजाइश है और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह एक दशक की राजकोषीय सूझबूझ और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए ही हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किए गए और प्रमुख पेट्रोरसायन उत्पादों पर सीमा शुल्क से छूट दी गयी। एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) को घरेलू शुल्क क्षेत्र में परिचालन की अनुमति दी गयी। सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की ताकि युद्ध के बीच बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से उपभोक्ताओं को बचाया जा सके। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले के बाद से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने व्यापक जवाबी कार्वाई की। सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया। पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर यह वर्तमान में शून्य है। भारत ने दो अप्रैल को पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पोत परिवहन मार्गों में समस्याओं के बीच आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात को सीमा शुल्क से छूट दी। सीतारमण ने कहा कि यह साल पिछले ...शेष पृष्ठ 10 पर

पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित को उम्रकैद

एजेंसी

❍ राकांपा नेता की हत्या के मामले में सुनायी गयी सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता रामअवतार जग्गी की हत्या के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र और पूर्व विधायक अमित जोगी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

उच्च न्यायालय ने रामावतार जग्गी की 2003 में हुई हत्या के मामले में अमित जोगी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की पीठ ने दो अप्रैल के अपने आदेश में सुनवाई अदालत द्वारा 2007 में दिये गए फैसले को रद्द कर दिया। सुनवाई अदालत ने अमित जोगी को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय ने सुनवाई अदालत के फैसले को स्पष्ट रूप से गैर कानूनी, गलत, विकृत और रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों के विपरीत माना। आदेश की प्रति सोमवार को उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है हमारी यह सुविचारित राय है कि निचली अदालत द्वारा आरोपी-अमित जोगी को बरी करते हुए दिया गया फैसला स्पष्ट रूप से गैर-कानूनी, गलत, विकृत, रिकॉर्ड पर उपलब्ध सबूतों ...शेष पृष्ठ 10 पर

C M Y K

इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में मददगार होगी कंप्यूटर लैब: योगी

दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में मुख्यमंत्री ने किया आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन, बच्चा बाबू को किया याद, भर आईं सीएम की आंखें

विशेष संवाददाता (vol)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में आधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला पीजी कॉलेज के पूर्व शिक्षक डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृति में उनके परिवार की तरफ से बनवाई गई है। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कंप्यूटर लैब इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, शोध-अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में विद्यार्थियों के लिए काफी मददगार साबित होगी।

कार्यकम में मुख्यमंत्री ने बच्चा बाबू के नाम से चर्चित रहे डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए कंप्यूटर लैब के जरिये उनके परिवार की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रोफेसर एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ सदस्य डॉ. शाही की स्मृतियों को नमन करने के लिए आयोजित किया गया है। उनके पुत्रों की ओर से महाविद्यालय में स्थापित यह अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस कार्य के लिए सीएम ने स्वर्गीय शाही के पुत्रों अनन्य प्रताप शाही और अतिरेक शाही को हृदय से साधुवाद दिया और डॉ. शाही की स्मृतियों को नमन करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान बच्चा बाबू की गोरक्षपीठ के प्रति अगाध निष्ठा को याद कर मुख्यमंत्री काफी भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि वास्तव में व्यक्ति क्या है, हम उसके रहते हुए समझने का प्रयास नहीं करते। हम लोगों ने स्वर्गीय हरि प्रसाद शाही को नहीं देखा था, लेकिन उनके पुत्रों को और उनमें डॉ. तेज प्रताप शाही को बहुत नजदीक से कार्य करते हुए देखा है। डॉ. शाही गोरखपुर कांग्रेस के अध्यक्ष थे। केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। एक समय राज्य व केंद्र, दोनों जगह कांग्रेस सरकार थी। पर, कांग्रेस के साथ रहते हुए भी डॉ. शाही गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त थे।

गोरक्षपीठ के मूल्यों और आदर्शों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा थी। वह पूज्य महाराज ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी के साथ सदैव खड़े रहने वाले लोगों में थे। विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी वह साथ रहे। डॉ. शाही का एक संस्मरण साझा करते हुए सीएम योगी का गला रुंध गया। अश्रुपूरित नेत्रों के साथ उन्होंने कहा, मुझे याद है, जुलाई 2020 में एक दिन अचानक डॉ. शाही का फोन आया। समय लेकर वह अपने दोनों पुत्रों को लेकर मिलने आए। मैंने उनसे कहा, बच्चा बाबू इनके साथ आप गोरखपुर में भी मिल सकते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भौंचक था और लगा कि हो सकता है कि बच्चा बाबू मेरे साथ मजाक कर रहे हैं। पर, ठीक एक सप्ताह के बाद जानकारी मिली कि उनको कोरोना हो गया है। और बाद में जब उन्हें परिजन लखनऊ लेकर गए तो उनका शरीर छूट चुका था।

किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में फार्मर रजिस्ट्री बनेगी आधार: सीएम

- हर किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए रजिस्ट्री प्रक्रिया में लाएं तेजी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री को सभी कृषि एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि पंजीकृत किसानों को गेहूँ क्रय, दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खरीद के साथ-साथ बीज, उर्वरक, कृषि रक्षा रसायन, कृषि यंत्रों एवं अन्य योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से प्राप्त हो सके।

सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया को अभियान के रूप में तेजी से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष कैम्प आयोजित कर किसानों को रजिस्ट्री से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराया जाए। इस कार्य में राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वित रूप से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश के सभी कृषकों, चाहे उनकी जोत छोटी हो या बड़ी को फार्मर रजिस्ट्री के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि वे सभी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिससे प्रत्येक पात्र किसान इस प्रक्रिया से जुड़ सके और उसे योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। बैठक में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश एसपी गोयल, मुख्य ज्ञान अधिकारी, भारत सरकार राजीव चावला, प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र, प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू तथा निदेशक कृषि डॉ. पंकज त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम योगी आज 5142 करोड़ की 'ग्रेटर आगरा' योजना की देंगे सौगात

लखनऊ/आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को ताजनगरी आगरा के लोगों को एक ऐतिहासिक सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री 5142 करोड़ रुपये की लागत वाली महत्वाकांक्षी 'ग्रेटर आगरा' योजना का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह टाउनशिप के मॉडल का अवलोकन भी करेंगे। इसके साथ ही जनपद के विभिन्न विभागों की करोड़ों रुपये की अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री वृंदावन में श्रीमद् जगतगुरु द्वाराचार्य श्री मलूकनाथ जी महाराज की 452 वीं जयंती महोत्सव में भी शिरकत करेंगे और करीब एक घंटा महोत्सव में रहेंगे।

कभी तमंचों के लिए बदनाम रहा यूपी, अब बना ड्रोन शक्ति का हब

- लखनऊ में निजी कंपनी का बड़ा इनोवेशन, युवाओं ने तैयार किया दिव्यास्त्र

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। कभी अवैध हथियारों और तमंचों के लिए बदनाम रहा उत्तर प्रदेश अब नई पहचान गढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इसी बदलाव की मिसाल राजधानी लखनऊ में देखने को मिली, जहां एक प्राइवेट स्टार्टअप ने अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक विकसित की है। यह दशार्ता है कि योगी के विजन और नीतियों का असर जमीन पर दिख रहा है, जहां कभी अपराध की पहचान थी, वहीं अब डिफेंस टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स का नया युग आकार ले रहा है।

तीन युवा उद्यमियों - पवन, रविंद्र पाल सिंह और सौरभ सिंह की ओर से स्थापित कंपनी हॉवरिट ने दिव्यास्त्र एमके-1 नाम का एडवांस यूएवी तैयार किया है। यह ड्रोन आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जो निगरानी के साथ-साथ सटीक हमले करने में सक्षम है। इस ड्रोन की प्रमुख खासियत इसकी 500 किलोमीटर की रेंज, लगभग 5 घंटे की उड़ान क्षमता और एआई आधारित टारगेटिंग सिस्टम है।

यह 10,000 फीट तक उड़ सकता है और करीब 15 किलोग्राम तक पेलोड ले जाकर सटीक निशाना साध सकता है। लागत के मामले में भी यह बाजार के अन्य विकल्पों से काफी सस्ता बताया जा रहा है। स्टार्टअप के संस्थापकों का कहना है कि प्रदेश में बेहतर नीतियों और डिफेंस कॉरिडोर जैसी योजनाओं के चलते उन्हें तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिला। यही कारण है कि आज यह कंपनी भारतीय सेना के लिए ड्रोन सप्लाई करने की दिशा में काम कर रही है और उसे शुरूआती ऑर्डर भी मिल चुके हैं।

यही नहीं, कंपनी ने डिफेंस सेक्टर के लिए कई तरह के ड्रोन और यूएवी विकसित किए हैं, जिनमें निगरानी के लिए आंख ड्रोन, 20 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने वाला बाज ड्रोन, शेल (बम) गिराने वाले ड्रोन, यूएवी (जो बिना रनवे के उड़ान भरते हैं) शामिल हैं। इसके अलावा ये कंपनी डिकॉय ड्रोन (दुश्मन को भ्रमित करने के लिए) और आईएसआर (इंटेलिजेंस, सर्विलांस, रिकॉन) यूएवी भी बना रही है, जिससे यह साफ होता है कि यह स्टार्टअप सिर्फ एक ड्रोन नहीं बल्कि निगरानी, सप्लाई और स्ट्राइक तीनों के लिए एक पूरा ड्रोन सिस्टम तैयार कर रहा है। अब युद्धों में तकनीक की भूमिका निर्णायक हो गई है।

भाजपा संकल्प व राष्ट्रसेवा का आन्दोलन : पंकज

- राज्य मुख्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाजपा का 47वां स्थापना दिवस

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा केवल दल नहीं, विचार, संकल्प और राष्ट्रसेवा का आंदोलन है। श्री चौधरी सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस पर पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह तथा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पार्टी ध्वज का ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि आज का दिन केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक विचार, एक संकल्प और एक राष्ट्रनिष्ठ आंदोलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी तथा लालकृष्ण आडवाणी जी जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। यह दिन केवल एक राजनीतिक दल के जन्म का नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक वैचारिक यात्रा के प्रारंभ का पावन अवसर है। श्री चौधरी ने कहा कि जब देश आपातकाल की पीड़ा, लोकतंत्र पर हुए हमलों और निराशा के वातावरण से उबर रहा था, तब करोड़ों राष्ट्रभक्तों के संकल्प से भाजपा का उदय हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस यात्रा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उनके नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का मंत्र आज देश की नीति और नीयत दोनों का आधार बन चुका है। भाजपा सरकारों ने देश को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, अपराधीकरण, जातिवाद, तुष्टीकरण और आतंकवाद जैसी विकृतियों से मुक्त करने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा 370 की विदाई, अयोध्या में श्रीराम

जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, वक्फ कानून में बदलाव तथा अंत्योदय के संकल्प के साथ गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव पहुंचाना-ये सभी भाजपा की कथनी और करनी की एकरूपता के प्रमाण हैं। यही कारण है कि आज भाजपा देश की सबसे विश्वसनीय पार्टी बनकर उभरी है।

श्री चौधरी ने कहा कि यह कहना गर्व का विषय है कि भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने इस प्रश्न प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में यह परिवर्तन किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकताओं के दीर्घकालीन संघर्ष, जनसंपर्क और जनविश्वास का प्रतिफल है।

उन्होंने स्थापना दिवस के अवसर पर सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे संकल्प लें कि राष्ट्र सेवा में कोई कमी नहीं आने देंगे। संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वास्तविक शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है, और यही कार्यकर्ता आने वाले समय में संगठन और राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएगा। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दी ।

इस अवसर पर पार्टी के मध्यप्रदेश के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, बृजबहादुर, मानवेन्द्र सिंह, त्रयंबक त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, अनूप गुप्ता, संजय राय, सुभाष यदुवंश, राम प्रताप सिंह चौहान, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि, मीना चौबे, शंकर लोधी, अर्चना मिश्रा, अमित वाल्मीकि, बंसत त्यागी, शिव भूषण सिंह, अभिजात मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, प्रदेश सह मुख्यालय प्रभारी चौधरी लक्ष्मण सिंह, अतुल अवस्थी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, अभय प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला, हीरो बाजपेयी, आलोक अवस्थी, संजय चौधरी, आनन्द दुबे, आलोक वर्मा तथा अशोक तिवारी, वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, जिलाध्यक्ष विजय मौर्या सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी , जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कालेजों में कम नामांकन पर राज्यपाल चिंतित

- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से संबद्ध शासकीय एवं वित्तपोषित महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यो के साथ की समीक्षा बैठक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में जनभवन में सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से संबद्ध शासकीय एवं वित्तपोषित महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, एनआईआरएफ रैंकिंग एवं नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

राज्यपाल ने महाविद्यालयों में कम नामांकन पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से गांवों एवं इंटर कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को उच्च शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। साथ ही महाविद्यालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा आवश्यकतानुसार ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने समयबद्ध शैक्षणिक व्यवस्था पर बल देते हुए परीक्षाओं के परिणाम समय से घोषित करने, नियमित कक्षाएं संचालित करने तथा जून-जुलाई तक दीक्षांत समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रोजगारोन्मुखी शिक्षा, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और खेलों में भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए सीएसआर और एलुमनाई सहयोग लेने की भी बात कही।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने राज्यपाल के प्रयासों की सराहना करते हुए महाविद्यालयों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

हर गौशाला में 10 कुंतल भूसा भंडार अनिवार्य

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि राज्य में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए गोबर गैस (बायोगैस) के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोबर से तैयार बायोगैस सस्ता और पर्यावरण अनुकूल ईंधन है, जो स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिशा में सभी गौशालाओं में गोबर का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विधान भवन स्थित कार्यालय में निराश्रित गोवंश के बेहतर भरण-पोषण की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने गर्मी को देखते हुए गौशालाओं में त्रिपाल, हरा चारा, पानी, भूसा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक गौशाला में निःशुल्क बोरिंग कराई जाए, ताकि पानी की कमी न हो। साथ ही प्रदेश की हर गौशाला में न्यूनतम 10 कुंतल भूसे का आरक्षित भंडार अनिवार्य किया गया है।

प्रदेश के राजस्व संग्रह में रिकॉर्ड बढ़त, मार्च में 1020 करोड़ का इजाफा

- जीएसटी, स्टाम्प, परिवहन और खनन से प्रदेश की बढ़ी आय
- उत्तर प्रदेश बना 35 हजार करोड़ से अधिक सरप्लस वाला राज्य

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती की नई ऊंचाइयों को छू रही है, जिसका स्पष्ट असर प्रदेश के राजस्व आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। वित्तीय अनुशासन, प्रभावी नीतियों और सुदृढ़ प्रशासनिक प्रबंधन के चलते न सिर्फ मार्च 2026 में राजस्व संग्रह में 1020 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, बल्कि पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10,228 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड इजाफा हुआ है।

सोमवार को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर ताजा आंकड़े जारी करते हुए बताया कि कर एवं करेत्तर राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है, जो न केवल आर्थिक मजबूती का संकेत है बल्कि विकास कार्यों को गति देने के लिए भी सरकार को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध करा रही है। ताजा आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि राज्य अब ?35,000 करोड़ से अधिक के रेवेन्यू सरप्लस के साथ देश के अग्रणी वित्तीय रूप से सुदृढ़ राज्यों में शामिल हो चुका है। वित्त मंत्री ने बताया कि मार्च 2025 के मुकाबले मार्च 2026 में प्रदेश के मुख्य कर एवं करेत्तर राजस्व में 1020.53 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च माह में कुल 26,193.56 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि पिछले वर्ष मार्च 2025 में यह 25,173.03 करोड़ रुपये था। वहीं दूसरी तरफ, पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो मार्च तक प्रदेश को कुल 2,23,060.18 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,12,832.08 करोड़ रुपये के मुकाबले 10,228.10 करोड़ रुपये अधिक है।

माह मार्च 2026 के राजस्व मदों पर नजर डालें तो जीएसटी से 7,347.31 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष 6,785.34 करोड़ रुपये थी। वैट के तहत 4,438.82 करोड़ रुपये की आय हुई, जबकि पिछले वर्ष यह 4,472.70 करोड़ रुपये थी। आबकारी से 9,269.44 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष के 9,744.50 करोड़ रुपये से कुछ कम है। स्टाम्प एवं निबंधन के क्षेत्र में वृद्धि दर्ज करते हुए 2,728.74 करोड़ रुपये की आय हुई, जबकि पिछले वर्ष 2,617.56 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। परिवहन क्षेत्र में उल्लेखनीय उछाल के साथ 1,624.84 करोड़ रुपये की आय हुई, जो पिछले वर्ष 951.98 करोड़ रुपये थी। वहीं भू-तत्व एवं खनिकर्म से 784.41 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष 600.95 करोड़ रुपये थी।

पूरे वित्तीय वर्ष में सभी प्रमुख मदों में मजबूत प्रदर्शन : वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न मदों में प्राप्ति की बात करें तो जीएसटी से 82,547.40 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 82,535.14 करोड़ रुपये), वैट से 33,006.35 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 32,096.54 करोड़ रुपये), आबकारी से 57,722.29 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 52,574.52 करोड़ रुपये), स्टाम्प एवं निबंधन से 32,598.49 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 30,205.97 करोड़ रुपये), परिवहन से 12,764.61 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 11,043.15 करोड़ रुपये) तथा भू-तत्व एवं खनिकर्म से 4,421.04 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 4,376.76 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्ति हुई, जो प्रदेश की मजबूत वित्तीय प्रगति को दशार्ती है। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश ्रेवेन्यू सरप्लस स्टेट्ह्र की स्थिति में है और राज्य के पास ?35,000 करोड़ से अधिक का अधिशेष उपलब्ध है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मूल बजट का लगभग 81% व्यय किया जा चुका है, जो बेहतर वित्तीय प्रबंधन का संकेत है। उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपनी कार्य योजना को शीघ्र अंतिम रूप दें, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके ।

कुसम्ही जंगल में 4.84 करोड़ से बन रहा ईको पार्क

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के साथ अब इको-टूरिज्म को भी तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत गोरखपुर के कुसम्ही जंगल में इको पार्क विकसित किया जा रहा है। करीब 4.84 करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपए जारी भी कर दिए गए हैं। प्रदेश सरकार की योजना गोरखपुर को पूर्वांचल के बड़े पर्यटन हब के रूप में स्थापित करने की है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्ग स्थल में प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर पूर्वांचल का एक अहम केंद्र है, जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। जिले के कुसम्ही जंगल में अत्याधुनिक इको पार्क विकसित किया जा रहा है। गोरखपुर के कुसम्ही जंगल में विकसित हो रहे आधुनिक इको पार्क में पर्यटक सुविधाओं को भव्यता के साथ तैयार किया जाएगा। 15.58 लाख रुपए की लागत से आकर्षक प्रवेश द्वार बनाया जाएगा।

वहीं, 28.45 लाख रुपए से आधुनिक इंटरप्रिटेशन सेंटर विकसित होगा। एक करोड़ रुपए से अधिक की लागत से स्विस कॉटेज भी तैयार किए जाएंगे। पर्यटन प्रकृति के समीप रहकर आनंद उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में कई रमणीय स्थल है। ईको पार्क के स्थापित होने से पर्यटक हरियाली, के साथ शांत वन में पर्यटन का बेहतरीन अनुभव कर सकेंगे। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसके अलावा 32.77 लाख रुपए से कैफेटेरिया का उन्नयन किया जाएगा।

वहीं, 30.88 लाख रुपए की लागत से ट्री हाउस और टेंट कैंपिंग जैसी रोमांचक सुविधाएं भी जोड़ी जा रही हैं। इसके साथ ही 41.86 लाख रुपए की लागत से आधुनिक योग केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है, जहां पर्यटक शांत वातावरण में योग और ध्यान का लाभ उठा सकेंगे। इसी प्रकार, बायो टॉयलेट ब्लॉक, सुरक्षा फेंसिंग, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए सोलर सबमर्सिबल, पार्किंग और बेंच आदि सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

ज़िला स्तर पर निवेश प्रोत्साहन को मिलेगी नयी रफ़्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जिलास्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ में पाँच दिवसीय 'क्षमता-विकास कार्यशाला' का आयोजन किया है। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का शुभारंभ सोमवार को हुआ, जिसमें प्रदेश भर के जिला उद्योग केंद्रों के उद्योग उपायुक्तों, संयुक्त आयुक्तों, क्षेत्रीय प्रबंधकों और औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के नोडल अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस पहल का मुख्य लक्ष्य क्षेत्रीय एवं जिला स्तर पर निवेश प्रोत्साहन तंत्र को अधिक प्रभावी और परिणाम-केंद्रित बनाना है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों की कार्यक्षमता को बढ़ाना है। इसके जरिए उन्हें लीडरशिप, रणनीतिक सोच और संसाधनों के सही इस्तेमाल का हुनर सिखाया जाएगा, ताकि जिलों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और बेहतर बनाकर निवेशकों को हर संभव मदद दी जा सके। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने कहा कि राज्य के विकास में ज़िला स्तरीय नेतृत्व की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से आधुनिक प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अपनाने और निवेशकों को बिना किसी बाधा के सहयोग देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में अधिकारियों को परिवर्तनकारी नेतृत्व, रणनीतिक सोच, वित्तीय साक्षरता और संवाद कौशल जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। विशेष रूप से, प्रशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों के इस्तेमाल पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उद्घाटन के अवसर पर इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा, आईएम लखनऊ के डीन प्रो. संजय सिंह और प्रोग्राम निदेशक प्रो. क्षितिज अवस्थी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अभा डिप्लोमा इंजी. फेडरेशन के एनडी द्विवेदी बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

- राष्ट्रीय अधिवेशन में स्मारिका के विमोचन के साथ मांगों पर भी हुई चर्चा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। विभिन्न राज्यों के अभियंत्रण विभागों के वेतनमान, सेवा सम्बन्धी विसंगतियों एवं व्यवहारिक कठिनाईयों पर अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन में दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन एसोसिएशन कार्यालय परिसर के ऑडिटोरियम से सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में भारत वर्ष के 28 राज्यों एवं केन्द्रीय अभियंत्रण विभागों के डेलीगेट्स ने भागीदारी दर्ज कराई । अधिवेशन में तकनीकी आयोग के गठन, पूरे देश में एक समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाली इत्यादि मांग रखी गयी। अधिवेशन में स्मारिका का विमोचन किया गया।

निवर्तमान महासचिव इं. मनामोहन राजबोंग्सी को सम्मानित किया। आठवे वेतन आयोग में डिप्लोमा इंजीनियर्स संवर्ग के वेतनमान के सम्बन्ध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु विचार विमर्श हुआ।

अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ। कुल 20 पदों पर निर्वाचन हुआ। निर्वाचन में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के प्रदेश अध्यक्ष इं. एन.डी. द्विवेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर इं. जी. इन्द्रसेन रेड्डी (तेलंगाना से), इं. अरविन्द कुमार झॉ (उत्तर प्रदेश से), महामंत्री पद पर इं. मुकेश रतूड़ी (उत्तराखण्ड से), उपाध्यक्ष पद पर इं. अमर पाल राठी (दिल्ली से), इं. लाल बिहारी यादव, इं. अमर नाथ गुप्ता इं. छोटे लाल पासवान (बिहार से), इं. आर. करूनाकरन (तमिलनाडु से), इं. नागराजन (कर्नाटक से), इं. अजय सिंह यादव (उत्तर प्रदेश से), इं. दिनेश सिंह मार (राजस्थान से), इं. के. वोराह (अरूणांचल से) निर्वाचित हुए। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रथम कार्यकारिणी की बैठक इं. एन.डी. द्विवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

ज्ञात हो कि भारत के राज्यों एवं केन्द्रीय विभागों में कार्यरत 04 लाख से अधिक का इंजीनियर्स प्रतिनिधित्व करता है। सभी राज्यों के डिप्लोमा इंजीनियर्स एवं अभियंत्रण विभागों के संगठन ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स से सम्बद्ध है। लेह लद्दाख से लेकर तमिलनाडु तथा असम से लेकर गुजरात सहित सभी राज्यों के डेलीगेट्स सम्मिलित हुए।

संक्षेप

समीक्षा अधिकारी बनीं स्वाती

प्रतापगढ़। समीक्षा अधिकारी पद पर सफलता हासिल कर बेटी ने पिता के सपनों को गौरवान्वित किया है। सांगीपुर विकासखण्ड के रामनगर कोल मुस्तफाबाद निवासी स्व0 त्रियुगी नारायण पाण्डेय पुलिस विभाग में उप निरीक्षक पद से रिटायर्ड हुए थे। स्व0 त्रियुगी नारायण पाण्डेय की पुत्री स्वाती पाण्डेय ने यूपीपीएससी की परीक्षा में समीक्षा अधिकारी पद पर सफलता हासिल कर परिवार, क्षेत्र व जिले का मान बढ़ाया है। धीरज पाण्डेय, नन्हें पाण्डेय, राहुल, प्रिया पाण्डेय, ऋषभ आदि ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी साझा की।

महिला ने मारपीट व छेड़छाड़ को लेकर दी तहरीर

प्रतापगढ़। घर में घुसकर महिला के साथ अभद्रता, छेडछाड आदि की घटना को लेकर पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पांच अप्रैल को दोपहर करीब तीन बजे वह घर पर अकेली थी। इसी बीच पडोस के आधा दर्जन से अधिक लोग घर में घुस आये। आरोप है कि आरोपीगण गाली देने लगे। विरोध करने पर अभद्रता करते हुए पीड़िता को मारापीटा व उसके कपड़े फाड़ डाले तथा मोबाइल भी छीन लिया। आरोपियो ने घर के सामानों में तोड़फोड़ भी की। एसओ गौरव त्रिवेदी का कहना है कि जांच के बाद मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

इटवा-डुमरियागंज मार्ग पर भीषण हादसा, युवक की मौत

इटवा सिद्धार्थनगर-जिले के इटवा-डुमरियागंज मार्ग पर करहियां पेट्रोल पंप के पास 6 अप्रैल सोमवार दोपहर एक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के चरखवा गांव निवासी शाहआलम (18) पुत्र मोहम्मद उमर अपने साथी महफूज (26) पुत्र अहमद अली के साथ मोटरसाइकिल से इटवा जा रहे थे। करहियां पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार से उनकी मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर हो गई। इस हादसे में शाहआलम की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि मोटरसाइकिल चला रहे महफूज गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि इसी दौरान पीछे से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल भी इसकी चपेट में आ गई। इस मोटरसाइकिल पर सवार प्रदीप (20) और पार्वती (40) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल इटवा अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल महफूज को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया है। चिकित्सकों ने उनकी स्थिति गंभीर बताई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और कार को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक शाहआलम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीएसी सिस्टम बना मुसीबत

खेसरहा में सिलेंडर के लिए घंटों लाइन में लगे उपभोक्ता परेशान

जिला संवाददाता

खेसरहा बांसी सिद्धार्थनगर- जिले के बांसी तहसील अन्तर्गत खेसरहा विकास खंड क्षेत्र में रसोई गैस की उपभोक्ताओं को इन दिनों भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर वितरण में लागू डिलवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क की धीमी गति के कारण उपभोक्ताओं के लिए बड़ी बाधा बन गया है। गैस बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं के मोबाइल पर डीएसी कोड भेजा जाता है। इस कोड के सत्यापन के बाद ही सिलेंडर की डिलीवरी की जाती है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर मोबाइल नेटवर्क के चलते यह कोड समय पर नहीं पहुंच पाता या डिलीवरी के समय सत्यापित नहीं हो पाता। इस समस्या के कारण उपभोक्ताओं को एजेंसियों पर घंटों लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है। कई मामलों में डिलीवरी मैन घर तक सिलेंडर लेकर पहुंचता है, लेकिन कोड का मिलान न होने पर उसे वापस लौटना पड़ता है। इससे उपभोक्ताओं को बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। परोई निवासी राधेश्याम पांडेय ने बताया कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाता। वहीं महुलानी निवासी रामकिशुन विश्वकर्मा ने कहा कि नेटवर्क समस्या के कारण यह व्यवस्था पूरी तरह विफल साबित हो रही है और इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। वहीं, गैस एजेंसी डीलर अशोक त्रिपाठी ने बताया कि डीएसी सिस्टम पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। उन्होंने माना कि नेटवर्क समस्या के कारण कोड आने में देरी होती है, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा होती है। उन्होंने कहा कि विभाग स्तर पर समस्या के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं जल्द ही स्थिति में सुधार की उम्मीद बताया गया ।

डीएम ने करायी गेहूं की कटान

38.450 कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार का आकलन

सिद्धार्थनगर- तहसील नौगढ़ के विकास खंड नौगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनवल में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रवि फसल गेहूं की क्रॉप कटिंग कराकर उत्पादकता का आकलन किया। क्रॉप कटिंग गाटा संख्या 92 पर किसान अंजनी पत्नी गिरधारी के खेत (क्षेत्रफल 43.3 वर्ग मीटर) में कराई गई, जिसमें 16.550 किग्रा गेहूं प्राप्त हुआ। इसके आधार पर 38.450 कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार का अनुमान लगाया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्रॉप कटिंग सर्वेक्षण पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराए जाएं, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आंकलन हो सके। साथ ही उन्होंने किसानों से संवाद कर उन्नत कृषि तकनीक अपनाने, गुणवत्तायुक्त बीजों के प्रयोग, समय पर सिंचाई और संतुलित उर्वरक उपयोग की सलाह दी।

नायब तहसीलदार बनने पर अवंतिका और ज्योति का हुआ सम्मान

प्रतापगढ़। नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज में सोमवार को पीसीएस परीक्षा में नायब तहसीलदार पद पर चयनित मेधावियों का समारोहपूर्वक सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने विद्यालय के निदेशक आचार्य राम अवधेश मिश्र के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से किया। मुख्य अतिथि व विद्यालय के प्रबन्धक प्रो0 शिवाकांत ओझा ने नायब तहसीलदार के पद पर सफलता हासिल करने वाली विद्यालय की पूर्व छात्राएं अवंतिका शुक्ला व ज्योति पाण्डेय को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। प्रोफेसर ओझा ने कहा कि विद्यालय की छात्राओं को मिली सफलता से विद्यालय की नही समूचा जनपद गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि लगन व मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। वहीं अवंतिका शुक्ला व ज्योति पाण्डेय ने सफलता में विद्यालय से मिली शिक्षा अनुशासन व संस्कार को अहम ठहराया। प्रधानाचार्य महेन्द्र कुमार तिवारी ने संयोजन तथा पीएन सिंह ने संचालन एवं प्रधानाचार्य आचार्य उमाशंकर मिश्र ने आभार जताया। इस मौके पर उमेश पाल मिश्र, हर्षद शुक्ल, प्रमोद पाण्डेय, केशवराम ओझा आदि मौजूद रहे।

बेलहा सुपर स्ट्राइकर की टीम बनीं विजेता

प्रतापगढ़। बेलहा प्रीमियर लीग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में बेलहा सुपर स्ट्राइकर की टीम विजेता बनीं। आयोजन समिति की ओर से विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गयी। बेलहा प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला रविवार की देर शाम सम्पन्न हुआ। फाइनल मुकाबला बेलहा सुपर स्ट्राइकर व बेलहा राइजिंग टीम के बीच हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेलहा सुपर स्ट्राइकर की टीम ने बारह ओवर में पांच विकेट खोकर एक सौ सैतालिस रन बनाए। जबाब में बेलहा राइजिंग की टीम एक सौ इक्तीस रन की बना सकी। बेलहा सुपर स्ट्राइकर की टीम को सोलह रनों से विजेता घोषित किया गया। टीम के कप्तान आलोक सिंह को मैन ऑफ द मैच तथा धीरेन्द्र कुमार सरोज को मैन आफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। टूनार्मेण्ट के शानदार सफलता पर आयोजन समिति ने सभी के प्रति आभार जताया।

देश में ऊर्जा संकट के लिए मोदी सरकार की विदेश नीति में भटकाव अहम कारण : प्रमोद तिवारी

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने देश में उत्पन्न ऊर्जा संकट के लिए केन्द्र की मोदी सरकार की विदेश नीति में भटकाव को जिम्मेदार करार दिया है। उन्होने कहा है कि मोदी सरकार की गलत विदेश नीति और पटरी से उतरी आर्थिक नीति के कारण देश की प्रतिष्ठा हर मोर्चे पर धूमिल हो रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारत एलपीजी गैस की जरूरतों का लगभग साठ प्रतिशत से अधिक एक बड़ा हिस्सा अरब देशों से और होर्मुज जलडमरू के रास्ते से आयात किया करता है। बतौर उदाहरण उन्होने कहा कि सउदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत से देश के भीतर हर साल लाखों टन एलपीजी गैस आया करती है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि खाड़ी देशों से भारत को नब्बे प्रतिशत से अधिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होती रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि इस घरेलू आवश्यकता को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 नेहरू, इन्दिरा गांधी व अटल बिहारी वाजपेयी व डॉ0 मनमोहन सिंह ने ईरान-ईराक और खाड़ी देशों से बेहतर सम्बन्ध बनाए रखे थे। उन्होने कहा कि मौजूदा मोदी सरकार अमेरिकी दबाव में राष्ट्रीय हितों से जुड़े अन्तर्राष्ट्रीय मसलों पर भी चुप्पी साधे हुए है। सोमवार को नगर के शैल श्याम पैलेस में हुए पत्रकार सम्मेलन में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकार ने अभी पिछले एक माह पूर्व साठ रुपए प्रति सिलेण्डर एलपीजी गैस के दाम बढ़ाए थे। उन्होने कहा कि पिछले तीन माह में कामर्शियल सिलेण्डर का पांच सौ पचीस रुपए मंहगा होना चिन्ताजनक है। उन्होने सरकार के कुप्रबन्धन का जिक्र करते हुए कहा कि पहली जनवरी को देश में प्रति सिलेण्डर गैस एक सौ ग्यारह रुपए, पहली फरवरी को पचास रुपए और पहली मार्च को इक्तीस रुपए तथा सात मार्च को एक सौ पन्द्रह रुपए और पहली अप्रैल को दो सौ अठारह रुपए मंहगा हुआ है।

भाव्या बनी एक दिन की जिलाधिकारी

मिशन शक्ति अभियान फेज-5 तहत आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जिला संवाददाता

श्रावस्ती। जनपद में संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तीकरण हेतु विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में जवाहर नवोदय विद्यालय भिनगा की कक्षा-12 उत्तीर्ण मेधावी छात्रा भाव्या रस्तोगी को एक दिन के लिए जिलाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नव नियुक्त एक दिन की जिलाधिकारी भाव्या रस्तोगी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया। इस दौरान उन्होंने जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। छात्रा द्वारा निभाई गई इस भूमिका ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की एक सकारात्मक झलक प्रस्तुत की। इस अवसर पर जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि इस पहल के माध्यम से मेधावी छात्राओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव प्रदान कर उन्हें उच्च पदों पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे नई पीढ़ी में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपने भविष्य के प्रति अधिक जागरूक होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नारी सम्मान ही राष्ट्र के गौरव का आधार है। समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता को समाप्त करने के लिए जनमानस को जागरूक करना आवश्यक है। बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं, अतः उन्हें समान अवसर प्रदान कर शिक्षा एवं विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी मो. मुमताज सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रावस्ती। जिले में अपराध पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना इकौना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 4 अप्रैल को थाना इकौना में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि श्याम जी शुक्ला नाम के व्यक्ति ने उसे शादी का भरोसा दिलाया और 2 अप्रैल को सीताद्वार बुलाया। वहां से वह उसे बाइक से गिलौला क्षेत्र के जानकी नगर खुर्द में एक अधूरे मकान में ले गया, जहां उसके साथ गलत काम किया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि उसी दौरान कुछ अन्य युवक वहां पहुंचे और घटना का वीडियो बना लिया। बाद में उस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। मामले में पुलिस ने श्याम जी शुक्ला और अन्य आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी को गोविन्द पुर मोड़ से गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

नगर निकायों के कार्यों की डीएम ने की विस्तृत समीक्षा

सिद्धार्थनगर- जनपद के नगर निकायों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर निकायों में संचालित विकास कार्यों, साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण, नाली व्यवस्था तथा अन्य जनसुविधाओं की स्थिति का मूल्यांकन करना था। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों से उनके-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से सड़क निर्माण, नाली सफाई और जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दिया, ताकि बरसात के समय जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने नगर निकायों में नियमित सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही जनस्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

जनभागीदारी से टीबी मुक्त होगा श्रावस्ती : डीएम

- क्षय रोगियों को गोद लेने की पहल में सहभागी बनें और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करें : सीएमओ

जिला संवाददाता

श्रावस्ती। जिला क्षय नियंत्रण केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने 20 क्षय रोगियों को पोषण सहायता प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों से अपील की कि वे आगे आकर क्षय रोगियों को गोद लें और उन्हें पोषण सामग्री के साथ-साथ मानसिक संबल भी प्रदान करें, जिससे रोगियों के शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता मिल सके। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अशोक कुमार सिंह ने भी सभी सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे क्षय रोगियों को गोद लेने की इस पहल में सहभागी बनें और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय सलाहकार, केन्द्रीय टीबी डिवीजन, भारत सरकार डॉ. अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके बिना इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं है। इस दौरान यशोधरा महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष डॉ. अभिलाषा वर्मा ने कहा कि उनकी संस्था लगातार क्षय रोगियों के पोषण एवं सहयोग के लिए कार्य कर रही है और भविष्य में भी समय-समय पर सहायता प्रदान करती रहेगी। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. के.के. वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में बड़े औद्योगिक संस्थानों के अभाव के कारण सभी मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने सक्षम नागरिकों से निक्षय मित्र बनकर क्षय रोगियों को गोद लेने और टीबी मुक्त श्रावस्ती के लक्ष्य में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में प्रदीप सिंह रावत, रजनीकांत पांडे, पंकज सोनी, डॉ. आलोक चौधरी एवं रवि कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जननी सुरक्षा योजना की बैठक में डीएम ने आशा कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर- विकास खंड नौगढ़ एवं जोगिया में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत आशा कार्यकताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए प्रोत्साहित करना तथा मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। उन्होंने आशा कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर गर्भवती महिलाओं का समय से पंजीकरण कराएं और नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने सभी को संस्थागत प्रसव के लिए महिलाओं को जागरूक करने, प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा की देखभाल, टीकाकरण और पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी गर्भवती महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे और प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय से किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को आशा कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने तथा कम डिलीवरी कराने वाली आशाओं को चिन्हित कर समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.बी. सिंह, डीसीपीएम मान बहादुर, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, आशा संगिनी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता दर्शन में एसएसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

सिद्धार्थनगर- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 29 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 05 भूमि विवाद, 02 मारपीट, 05 पारिवारिक तथा 17 अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें शामिल रहीं। एसएसपी ने सभी प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

पूर्व एमएलसी बब्बू राजा को प्रमोद ने अर्पित की पुष्पांजलि

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी ने सोमवार की शाम कटरा स्थित रानी रामप्रिया गार्डन में पहुंचकर जिले के पूर्व विधान परिषद सदस्य आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा को पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व एमएलसी की तेरहवीं संस्कार पर पहुंचे सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि स्व0 बब्बू राजा विनम्र स्वभाव के व्यक्ति और जनता के सुख दुख में सदैव सहभागिता के लिए याद रखे जाएंगे। उन्होंने दिवंगत एमएलसी बब्बू राजा के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ला, पीसीसी सदस्य डॉ0 प्रशान्तदेव शुक्ल, कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव सुरेश कुमार सरोज, मो0 हुजैफ, मो0 वसीम, रियाज सुल्तान, अरबाज आलम, नूरआलम, देवमणि पाण्डेय आदि रहे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001: 2004, ISO 9001: 2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, (उ0प्र0)
टोल-फ्री : 1800 1800 5000 वेबसाइट : http://www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट – ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तांतरण/नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया हैः-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं का नाम	मूल आवंटी (मृतक) से आवेदक का संबंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1	स्व0 कैलाश चन्द्र मेहरोत्रा (मृतक)	भवन संख्या-एम0आई0जी0-3	नैपियर रोड योजना भाग-2	05.09.2019	श्रीमती अरूणा मेहरोत्रा-पत्नी, श्री राजीव मेहरोत्रा-पुत्र, श्री संजीव मेहरोत्रा-पुत्र एवं श्रीमती नलिनी धीर-पुत्री समस्त वारिस स्व0 कैलाश चन्द्र मेहरोत्रा	–	पत्नी/पुत्री/पुत्र
2	श्री दिनेश कुमार शुक्ला व स्व0 शिव कुमार शुक्ल	भवन संख्या-5/180	विराम खण्ड, गोमती नगर	08.11.2022	श्री दिनेश कुमार शुक्ला	श्री रजनीश कुमार शुक्ला, श्री कैलाश चन्द्र शुक्ला, श्रीमती रेनू	पुत्रगण/पुत्री-वि0
3	श्री रमा शंकर पाण्डेय पुत्र-स्व0 रघुनाथ पाण्डेय	टिनशेड चबूतरा सं0-54	सेक्टर-02, जानकीपुरम विस्तार योजना, लखनऊ	19.08.2025	शकुन्तला देवी, अभय कुमार पाण्डेय, संदीप कुमार पाण्डेय	कंचन लता पाण्डेय, हेमलता चौबे, प्रियंका उपाध्याय	पत्नी/पुत्रगण
4	श्री रमा शंकर पाण्डेय पुत्र-स्व0 रघुनाथ पाण्डेय	टिनशेड चबूतरा सं0-39	सेक्टर-02, जानकीपुरम विस्तार योजना, लखनऊ	19.08.2025	शकुन्तला देवी, अभय कुमार पाण्डेय, संदीप कुमार पाण्डेय	कंचन लता पाण्डेय, हेमलता चौबे, प्रियंका उपाध्याय	पत्नी/पुत्रगण
5	डा0 चन्द्र मोहन भागचन्दानी (मृतक)	भूखण्ड संख्या-सी-21, ई पार्क	महानगर विस्तार	19.08.2020	श्रीमती मीना भागचन्दानी-पत्नी, श्रीमती कंचन हेमराजानी-पुत्री, श्री जितेन्द्र भागचन्दानी-पुत्र एवं श्री दीपक भागचन्दानी-पुत्र समस्त वारिस स्व0 डा0 चन्द्र मोहन भागचन्दानी	–	पत्नी/पुत्री/पुत्रगण

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

समाज का आईना होती है पत्रकारिता

सीएम योगी ने दिया पत्रकारिता के विभिन्न आयामों में समन्वय पर जोर

जिला संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि पत्रकारिता समाज का आईना होती है। पत्रकारिता के विभिन्न आयामों प्रिंट, विजुअल, डिजिटल व सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विभिन्न आयामों प्रिंट, विजुअल, डिजिटल व सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। यदि किसी एक ही तथ्य को मीडिया के अलग-अलग आयाम भिन्न-भिन्न तरीके व दृष्टिकोण से प्रस्तुत करेंगे तो आम जन-मानस के सामने भ्रम की स्थिति उत्पन्न होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति मीडिया के प्रति जन-विश्वास को भी प्रभावित करेगी। इसलिए यह आवश्यक है कि मीडिया के सभी अंग समान मानक, मूल्यों व आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को आत्म-नियमन से मूल्यों व आदर्शों के साथ आगे बढ़ना है। भारत में 200 वर्ष की पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा व एक भारत-श्रेष्ठ भारत का भाव रहा है। हमें इसी भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। मीडिया में एक ऐसा भी वर्ग है, जो समाज को गुमराह करके अशांति फैलाने का कार्य करता है। हमें मीडिया के ऐसे रूप से बचने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि सोशल मीडिया तथा प्रिंट मीडिया में एक ही खबर में भिन्नता होती है, तो वह जन-मानस को विचलित करती है। यह दुविधा की स्थिति खतरनाक होती है। हमें प्रयास करना चाहिए कि ऐसी स्थिति नहीं हो। सरकार मूल्यों व आदर्शों पर आधारित पत्रकारिता के साथ सदैव खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र संवाद से चलता है। संवाद में आलोचना हो सकती है, किंतु इस आलोचना को व्यक्तिगत रंजिश नहीं मानना चाहिए। जब हम एक सूत्र की मनः स्थिति से कार्य करते हैं, तो सदैव सार्थक परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का आईना होती है। पत्रकारिता जिस दृष्टि से समाज के मुद्दों को प्रस्तुत करती है, समाज उसी दृष्टि से उसे समझता है। पत्रकारिता को जन-विश्वास प्रतीक के रूप में बने रहने के लिए सही और गलत के प्रति एक भाव में रहना चाहिए। पत्रकारिता में किसी भी मुद्दे पर दो भाव नहीं होने चाहिए, क्योंकि तब यह जन-विश्वास पर कुठाराघात करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष हिंदी पत्रकारिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि 200 वर्ष पहले हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत 30 मई 1826 को कोलकाता से हुई थी, जब जुगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड की शुरुआत की थी।

योगी ने कहा कि समाज में विघटनकारी शक्तियों की चुनौती पत्रकारिता के सामने हमेशा रही है। ये शक्तियां पत्रकारिता की स्वतंत्रता को बाधित करती रही हैं। इन बाधाओं से विचलित हुए बिना हमें इसको बढ़ाए रखना है, क्योंकि हमारी पत्रकारिता उपनिषदों के मूल्यों पर आधारित है, जहां सत्य की निश्चित विजय का भाव समाहित है।

एस्टीमेट मंगाइये , इलाज खर्च में सरकार करेगी भरपूर मदद : सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वे उच्चीकृत अस्पताल से इस्टीमेट मंगवा लें, इलाज खर्च में सरकार भरपूर आर्थिक मदद करेगी। सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। कैंसर से पीड़ित अपने परिजन के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची एक महिला से मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चीकृत सरकारी अस्पताल में मरीज को दिखाकर इस्टीमेट मंगवा लीजिए। इलाज में पूरी मदद की जाएगी।

पीएम मोदी और सीएम योगी के लिए राष्ट्र प्रथम सर्वोच्च प्राथमिकता : रविकिशन

गोरखपुर। सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि भाजपा के हर कार्यकर्ता को सशक्त राष्ट्र चाहिए। उसके लिए सनातन धर्म और बहन-बेटियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। यह कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बखूबी हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी के विजन में राष्ट्र प्रथम ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनका अपना कुछ नहीं है, सब कुछ राष्ट्र के लिए ही है। स्थापना दिवस समारोह में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जनसंघ के संस्थापकों, कार्यकताओं के सभी सपनों को देश मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरा किया गया है। स्वागत संबोधन भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिन्हा, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष पुष्पदंत जैन, नगर निगम के उप सभापति पवन त्रिपाठी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, अयोध्या से आए संत रामबालक दास, ओमप्रकाश शर्मा, अच्युतानंद शाही, इंद्रमणि उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं भाजपा के स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंघ काल से जुड़े रहे पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं को सम्मानित किया। सीएम योगी के हाथों पूर्व महानगर अध्यक्ष राधेश्याम श्रीवास्तव, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र वर्मा, हरिप्रकाश मिश्रा, सुशील गोयल, गिरधारी अग्रहरि, राजेश गुप्ता, आनंद गुप्ता को सम्मान प्राप्त हुआ।

फल मंडी स्थानांतरित होने से भीड़ में आयेगी कमी

उन्नाव। जिला उद्यान अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जनपद उन्नाव में फरहतपुर मण्डी के पास ग्राम-मकूर, अजगैन, हसनगंज, उन्नाव में गाटा सं0-1294 मि० रकबा 1.0120 हे० भूमि में नवीन फलमण्डी की स्थापना कराये जाने का प्राविधान किया गया। जिसके लिये भूमि 1.0120 हे० मण्डी समिति, उन्नाव को स्थानान्तरित कर दी गयी है। जहाँ पर बागवान अपने उत्पादित आम का क्रय व विक्रय करेगें। ग्राम-मकूर में स्थापित की जाने वाली फलमण्डी में बागवानों की सुविधा को देखते हुये जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा इन्टीग्रेटेड पैकहाउस का निर्माण हेतु 2.69 करोड़ रुपए की लागत का प्रस्ताव अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं प्रसंस्करण विभाग, उ०प्र० शासन, लखनऊ को प्रेषित किया गया है। जिसमे आम उत्पादक/निर्यातकों को आम की ग्रेडिंग, हॉट वाटर ट्रीटमेन्ट, पैकिंग आदि की सुविधाये उपलब्ध होगी साथ ही फलमण्डी फरहतपुर में जो किसानों की आम विक्रय हेतु भीड़ लगती थी नवीन फलमण्डी बनने से कृषकों की भीड़ कम हो जायेगी। कृषक अपना स्वयं आम मण्डी ले जाकर विक्रय करेगें तथा देश-विदेश में आम निर्यात करने के लिये अच्छी गुणवत्ता का आम तैयार होगा। साथ ही यह भी सूचित करना है कि विकासखण्ड-औरास, हसनगंज में तीसरी नवीन फलमण्डी स्थापित करने के लिये स्थल चयन हेतु उपजिलाधिकारी, हसनगंज को जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित कर दिया गया है। जिससे आने वाले समय में आम उत्पादकों को मलिहाबाद व अन्य स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा और बागवान कों अपने उपज का अच्छा मूल्य प्राप्त होगा।

मानसिक विक्षिप्त युवक का शव मिला

असोहा (वीओएल)। क्षेत्र के कालूखेड़ा कस्बे में मौरांवा मोहनलालगज मार्ग पर फातिमा नर्सिंग होम के पास रात ग्यारह बजे के लगभग एक युवक का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान के लिये लोगो से जानकारी की। जानकारी करने पर पता चला कि उक्त शव क्षेत्र के ही छियाटीकुर गांव के धुंनर का 28 वर्षीय पुत्र धर्मेंद्र है पुलिस की सूचना पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक पिछले तीन वर्षों से मानसिक अस्वस्थ रहता था। बिना बताये निकल जाता था और बीमारी के चलते बार बार बेहोश हो जाता था धर्मेंद्र की अभी शादी नही हुई थी। मृतक धर्मेंद्र के दो बहनें राधा रानी तथा भाई राजा व माँ सन्नो का रो रोकर बुरा हाल है। थाना अध्यक्ष फूल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है आगे की कार्यवाही रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत

असोहा, (वीओएल)। सोहरामऊ असोहा मार्ग पर गोंडियन खेडा रानीपुर तिराहा पर देर रात लगभग ग्यारह बजे दो बाइको की आमने सामने भिड़ंत हो गई टक्कर इतनी तेज थी एक बाइक सवार युवक शोहित यादव 25 पुत्र गुरुबख्श यादव निवासी सुलसामऊ थाना मोहनलाल गंज जनपद लखनऊ की मौके पर ही मृत्यु हो गई वही दूसरी बाइक सवार युवक जो थाना असोहा के रानीपुर गांव निवासी निखिल पुत्र संजय तिवारी को गम्भीर चोटे आई बाइक की टक्कर तिराहे पर रह रहे लोगो ने पुलिस तथा निखिल के परिजनों को दी सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज ले गए जहां डॉक्टरों ने सोहित यादव को मृत घोषित कर दिया वही निखिल की हालत चिंताजनक देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया परन्तु निखिल के परिजन घायल को लेकर लोकबंधु अस्पताल लखनऊ ले गए जहां अभीभी हालत चिंताजनक बनी हुई है प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक शोहित अपने मामा के गांव सोहरामऊ थाना छेत्र के हसनापुर किसी काम से आया था वही से वह वापस आपने गांव सुलसामऊ जा रहा था अभी वह गोंडियन खेडा तिराहे पर पहुंचा ही था कि विपरीत दिशा से बाइक से आ रहे निखिल सेआमने सामने भिड़ंत हो गई मृतक अपने पीछे पत्नी आरती दो वर्ष की बेटी श्रष्टि तथा एक वर्ष का बेटा सुप्रीत तथा माँ रानी देवी को रोता बिलखता छोड़ गया है थानाध्यक्ष फूल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

लोक कल्याण व राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है भाजपा : कामेश्वर सिंह

गोरखपुर। सोमवार 06 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने अपने अपने घरों में कमल झण्डा फहराया तथा बूथ समितियों के साथ बैठकें कर स्थापना काल से लेकर वर्तमान तक के कार्यों की चर्चा की गयी। रानीडीहा स्थित भाजपा कार्यालय को सजाया गया था जहाँ कमल झण्डा फहराया गया। कार्यालय पर स्थापना दिवस को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने भाजपा स्थापना काल से लेकर वर्तमान तक की संगठन की यात्रा को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा अपना 47 वाँ स्थापना दिवस मना रही है। कहा कि पार्टी की स्थापना लोक कल्याण व राष्ट्र सेवा के लिये समर्पित है। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय में कहा की स्थापना काल से ही एक कार्यपद्धति एक वैचारिक अनुष्ठान को लेकर आगे बढ़ने वाली दुनिया की एकमात्र पार्टी भाजपा है जो अपने विचारों और सिद्धान्तों से कभी समझौता नही की। उन्होंने कहा कि पार्टी के उस विशिष्ट कार्यपद्धति के कारण ही आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार दूसरी बार चल रही और आगामी 2027 में लगातार तीसरी बार बनने जा रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी ने कहा कि भाजपा स्थापना दिवस हम सभी देवतुल्य समर्पित कार्यकताओं के लिये गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता सदैव अपनी मातृभूमि के लिये काम कर देश को परम वैभव पर ले जाना ही कार्यकर्ता का एकमात्र उद्देश्य है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामन्त्री राजाराम कन्नौजिया ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राहुल श्रीवास्तव, सिद्धार्थ शंकर पाण्डेय, चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह व वंश बहादुर सिंह, पिछड़ा आयोग सदस्य डॉ आरडी सिंह, विकास सिंह, शशि प्रताप सिंह, शत्रुध्न कसौधन, छोटेलाल मौर्य, मनोज कुमार शुक्ल, डा सदानन्द शर्मा, ब्रह्मानन्द शुक्ल, गीतांजलि श्रीवास्तव, हरिकेश राम त्रिपाठी, कृष्णपाल सिंह, रतन प्रकाश दुबे, उमाशंकर निषाद, योगेश प्रताप सिंह, मनोज सिंह सैंथवार, धर्मेन्द्र कुमार मिश्र, राकेश चौधरी, सुग्रीव तिवारी, मंजू सिंह सैंथवार, चंचला शुक्ला, उपेन्द्र पासवान, बलवीर यादव, दिनेश गुप्ता, दुर्गेश दुबे नीरज, अखण्ड प्रताप शाही, राहुल तिवारी व ध्रुव श्रीवास्तव, के एम मझवार व आलोक पटवा सहित पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 23.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1.	निविदा सूचना संख्या	00312026 दिनांक 02.04.2026
2.	निविदा संख्या	01-SrDEN-I-LKO-2026-27
3.	कार्य का नाम	सहायक मण्डल इंजीनियर/मुख्यालय/लखनऊ के अधीन वरि० खण्ड अभियन्ता/कार्य/आलमबाग/पश्चिम के खण्ड में आईआरआईटीएम/लखनऊ में प्रशासनिक भवन के अग्रभाग की भारी मरम्मत का कार्य ।
4.	अनुमानित लागत	रू 2090696.54
5.	धरोहर राशि	रू 41800.00
6.	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से दो माह।
7.	निविदा डालने का प्रारंभ तिथि	09.04.2026
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	23.04.2026 15:00 बजे
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट–:1 निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1127/26

शिक्षा की अलख जगाने वाले संस्थापक के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मौरावां, उन्नाव। हिलौली ब्लाक के ग्राम सन्दाना मे सन-1967 मे शिक्षा की अलख जगाने वाले दिवंगत राधेश्याम त्रिपाठी की श्रृद्धाजंली सभा का सोमवार को आयोजन किया गया। वक्ताओं ने व्यक्तित्व और कृतीत्व का बखान करके उनके जीवन से जुड़े संस्मरणों को साझा किया। श्री सुभाष इंटर कालेज के संस्थापक सन्दाना निवासी राधेश्याम त्रिपाठी की 6 मार्च को लंबी बीमारी के चलते मौत हो गई थी। सोमवार को कालेज स्टाफ सहित क्षेत्र के संभ्रांत लोगों की उपस्थिति मे उनकी श्रृद्धाजंली सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरूआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि करके की गई। डाक्टर गणेश नारायण शुक्ला ने बताया दिवंगत श्री त्रिपाठी ने उस समय शिक्षा की अलख जगाने का वीणा उठाया था जब ग्रामीणांचल से शिक्षा कोसो दूर थी। भाजपा नेता अरुण कुमार दीक्षित ने कहा 15 किमी की परिधि मे स्कूल न होने से बच्चों को दूरस्थ स्कूल जाना पड़ता था। तब उन्होंने स्कूल की स्थापना करके क्षेत्र को शिक्षित और संस्कारित करने की शुरूआत की थी। वक्ताओं ने उनके जीवन से जुड़े कई प्रेरक संस्मरणों को साझा करके उन्हें शिक्षाविद बताया। संचालन बालशंकर त्रिपाठी ने किया। इस दौरान विद्यालय प्रबंधक मोनिका बाजपेयी, शिवकंठ त्रिपाठी, रमेश यादव, दिनेश द्विवेदी, सुरेन्द्र सिंह, गणेश प्रसाद तिवारी, वरुण मिश्रा सहित क्षेत्र के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

गेहूं की पकी खड़ी फसल में लगी आग 150 बीघा गेहूं फसल खाक

भरथना, इटावा। भरथना तहसील व विकास खंड क्षेत्र के ग्राम मकारा और ग्राम तिलियानी के मध्य क्षेत्र के डेढ़ दर्जन से अधिक किसानों के खेतों में पकी खड़ी करीब 150 बीघा गेहूं की फसल सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे अज्ञात कारणों के चलते धू-धूकर जल उठी, गेहूं की फसल में भीषण आग की लपटें देखकर ग्राम पंचायत थरी और पाली खुर्द के मजरा ग्राम तिलियानी और मकारा के अलावा ग्राम नगला चुन्नी की मडईया की किसानों में हाहाकार मच गया। और ग्रामीण किसान अपनी फसल में लगी भीषण आग बुझाने को खेतों की ओर दौड़ पड़े और आग बुझाने में जुट गए। इसी बीच अग्निकांड की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह पुलिस बल और फायरबिग्रेड कर्मी मय मशीन के घटना स्थल पर पहुंच गए ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों के सहयोग से जब तक फायर कर्मी आग पर काबू पा पाते तब तक थरी, मकारा, तिलियानी और नगला चुन्नी मडईया के डेढ़ दर्जन से अधिक किसानों की लगभग 150 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। अग्निकांड में खेतों पर गल्ला भूसा भरने पहुंचे एक ट्रैक्टर ट्राली के टायर भी जल कर खत्म हो गए। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार दिलीप कुमार लेखपाल राममनरेश आदि राजस्व विभाग की टीम ने जांच पड़ताल शुरू कर अग्नि पीड़ित किसानों के नुकसान का लेखा जोखा तैयार करने में जुट गए। अग्निकांड में आग लगने के कारणों का समाचार लिखे जाने तक पता नहीं चल सका है, बावजूद इसके पुलिस और राजस्व टीम घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

सेंगर की सजा के निलंबन के खिलाफ सीबीआई की याचिका की सुनवाई टली

उन्नाव रेप केस

नयी दिल्ली / उन्नाव। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई मई के पहले सप्ताह तक के लिए टाल दी, जिसमें 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा के निलंबन को चुनौती दी गई है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि शबरिमला मामले में पुनर्विचार याचिका पर नौ-सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा सुनवाई पूरी कर लिये जाने के बाद इस मामले की सुनवाई की जाएगी।

सेंगर की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीड़िता के पिता की कथित हिरासत में मौत से संबंधित एक अन्य मामले में याचिकाओं की सुनवाई दिल्ली उच्च न्यायालय में नहीं होने का मुद्दा उठाया और कहा कि उस मामले में सेंगर को 10 साल की सजा सुनाई गई थी।

उन्होंने कहा कि दस साल संभवतः जल्द ही पूरे होने वाले हैं और अभी तक उच्च न्यायालय में कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। मुझे (सेंगर को) इस मामले में जमानत मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीड़िता के वकील उच्च न्यायालय में सुनवाई स्थगित करवा रहे हैं।

पीड़िता के वकील महमूद प्राचा ने कहा कि उच्च न्यायालय में केवल एक बार सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की इस सहमति पर गौर किया कि सेंगर से जुड़े एक अन्य मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में सुनवाई स्थगित करने का कोई अनुरोध नहीं किया जाएगा।

शिक्षा चौपाल में शैक्षिक योजनाओं की जानकारी पर विचार मंथन

उन्नाव। विकास खंड बीघापुर के रौतापुर न्यायपंचायत में बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में शिक्षा चैपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय रिसालखेड़ा की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। चैपाल को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान से दक्ष बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने और उनकी पढ़ाई में सहयोग देने की अपील की। साथ ही शासन की विभिन्न शैक्षिक योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में एआरपी दुर्गेश कुमार शुक्ल, योगेश कुमार एवं मनीषा ने भी अपने विचार रखते हुए शिक्षा में अभिभावकों की सहभागिता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला उपाध्यक्ष गणेश शंकर गुप्ता ने किया। इस अवसर पर संजय पांडेय, दिनेश कुमार, नेहा तिवारी, रश्मि सिंह, अशोक कुमार, अमित त्रिपाठी, धनेंद्र बहादुर सिंह, प्रशांत, काली किशोर सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, नामांकन वृद्धि एवं विद्यालयों में नवाचार को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई।

डीईओ ने दिए चयनित अभ्यर्थियों को भविष्य संवारने के टिप्स

उन्नाव। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाली प्रदीप एकेडमी ने प्रतिभा सम्मान कर चयनित छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सरस्वती की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद जिला सेवा योजन अधिकारी प्रीति चन्द्रा ने माल्यार्पण, पूजन कर कार्यक्रम की शुरूवात कराई। उन्होंने ग्रामीण बैंक, क्लर्क में चयनित आठ अभ्यर्थियों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहां की। जीवन में उन्नति को बनाए रखने के लिए विनम्रता का साथ कभी नही छोड़ना है, अपने माता पिता के संघर्ष त्याग को, अपनी पृष्ठभूमि सदा ध्यान में रखें, ताकि किसी और जरूरतमंद की पीड़ा और संघर्ष का न सिर्फ सम्मान करे अपितु हरसंभव सहायता भी करें। इस दौरान निदेशक प्रदीप गौंड, अधिवक्ता अनुपम सिंह मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत ऊगू, जनपद-उन्नाव

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

website :-www.ugoonp.in E-mail:-nppmaurava@gmail.com

पत्रांक :- 19/ ई-निविदा सू./ न.पं.ऊगू /2026-27 दिनांक :- 6/04/2026

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों /फर्मों को सूचित किया जाता है कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना CM-NSY योजनान्तर्गत जारी पत्र संख्या :- 1/1281471 /2026/मु.म.न.सु.यो.ई-2032206 नगर विकास अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 26/03/2026 के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत ऊगू, उन्नाव मे निर्माण कार्यो हेतु ई-निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो हेतु निविदा डाल सकता है।

:- निविदा अपलोड एवं तकनीकी वित्तीय बिड खोलने का विवरण:-

(a)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि	7/04/2026
(b)	वेबसाइट पर आनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	7/04/2026 प्रातः 09.00 बजे से
(c)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	28/04/2026 अपरान्ह 01.00 बजे
(d)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	28/04/2026 अपरान्ह 02.00 बजे
(e)	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	तकनीकी निविदा खोलने के उपरान्त
(f)	ई-निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत ऊगू, उन्नाव

नोट :-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण/नियम व शर्ते वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है अथवा किसी भी कार्य दिवस मे कार्यावधि तक कार्यालय नगर पंचायत ऊगू, उन्नाव से सम्पर्क करते हुए प्राप्त कर सकते है ।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत ऊगू
उन्नाव

अनीता
अध्यक्ष
नगर पंचायत ऊगू, उन्नाव

संक्षेप

निजी लाइनमैन की करंट लगने से मौत

सीतापुर। सिधौली कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर गांव में सोमवार सुबह बिजली विभाग की कथित लापरवाही से एक दर्दनाक हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन पर कार्य कर रहे निजी लाइनमैन वीरू (पुत्र मोदी लाल), निवासी सतनापुर की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वीरू खंभे पर चढ़कर लाइन दुरुस्त कर रहा था, तभी अचानक बिजली सप्लाई चालू हो गई और वह करंट की चपेट में आकर खंभे से ही चिपक गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार काफी देर तक बिजली सप्लाई बंद नहीं की गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलसता रहा। ग्रामीण बच्चन प्रसाद ने आरोप लगाया कि समय रहते विभाग को सूचना देने के बावजूद सप्लाई नहीं काटी गई, जिससे उसकी जान चली गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण व परिजन इकट्ठा हो गए। आक्रोशित लोगों ने करीब चार घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद शव को खंभे से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में बिजली विभाग के एसडीओ आशुतोष गुप्ता व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का लिखित आश्वासन दिया। वहीं नायब तहसीलदार सत्यपाल सिंह ने प्रशासन की ओर से आपदा कोष से 5 लाख रुपये सहायता दिलाने की बात कही। साथ ही अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये तत्काल देने की घोषणा की गई। आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए।

अपराधी गिरफ्तार भेजा गया जेल

सीतापुर। सकरन पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान एक शातिर अपराधी को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम जालिमनगर पुल के पास चेकिंग कर रही थी, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ लिया गया। जामा तलाशी में आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम रमाकांत लोनिया निवासी जालिमनगर थाना सकरन बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके खिलाफ सीतापुर समेत राजस्थान के अलवर जिले में चोरी, राहजनी, नकबजनी, अवैध हथियार, आबकारी व हत्या के प्रयास जैसे 25 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

गेहूं के खेतों में लगी आग, फसल राख

सीतापुर। सदरपुर क्षेत्र के शिवरुखकलां गांव में रविवार दोपहर करीब एक बजे गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई, जिससे किसान राधेश्याम पुत्र बद्री की करीब पांच बीघा फसल जलकर राख हो गई। इस अग्निकांड में लगभग 40 हजार रुपये की फसल के नुकसान का अनुमान है। वहीं सदरपुर के इनायतपुर गांव में भी आग लगने से करीब पांच बीघा गेहूं की फसल नष्ट हो गई। इसमें राधे पुत्र बद्री की ढाई बीघा तथा महादेव के खेत में बटाई पर कमलेश पुत्र सकटू द्वारा बोई गई ढाई बीघा फसल जलकर खाक हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। तहसीलदार अनिल कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी प्राप्त हो गई है और स्थानीय लेखपाल से जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को दिए चार-चार लाख

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। सरैंया चलाकापुर में हुए भीषण अग्निकांड ने तीन जिंदगियां छीन लीं और कई परिवारों को बेघर कर दिया। हादसे के बाद अब प्रशासन ने पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने की पहल की है। मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

एसडीएम बीके सिंह ने बताया कि तेज आंधी के बीच लगी आग में फूलमती, ईदुरा उर्फ इंद्रा और मीनाक्षी की दर्दनाक मौत हो गई थी। रविवार देर शाम प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने गांव पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और सहायता राशि सौंपी, जबकि अन्य पीड़ितों के खातों में भी रकम भेज दी गई। इस अग्निकांड में 18 परिवारों की 21 झोपड़ियां जलकर खाक हो गई थीं। सभी प्रभावित परिवारों को तात्कालिक राहत के रूप में आर्थिक मदद, वस्त्र व घरेलू सामग्री के लिए धनराशि दी गई है। वहीं 14 बेघर परिवारों को आवास योजना में शामिल करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, ताकि उन्हें जल्द नया आशियाना मिल सके।

मासूमों की पढ़ाई न रुके: शिक्षकों ने बढ़ाया मदद का हाथ

सीतापुर। सरैंया चलाकापुर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद जहां कई परिवारों का सब कुछ जलकर खाक हो गया, वहीं नन्हे बच्चों की पढ़ाई पर भी संकट खड़ा हो गया था। ऐसे में प्राथमिक शिक्षक संघ महमूदाबाद के मंत्री ज्ञानेश मिश्र और न्याय पंचायत के शिक्षकों ने संवेदनशील पहल करते हुए बच्चों के भविष्य को संवारने का जिम्मा उठाया है। शिक्षकों ने प्राथमिक वर्ग के 17 और जूनियर वर्ग के 5 विद्यार्थियों को स्कूल बैग, यूनिफॉर्म, कॉपियां, जूते-मोजे, ज्यामेट्री बॉक्स, पेन, पेंसिल, इरेजर और शार्पनर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। मंगलवार को विद्यालय खुलते ही यह सामग्री बच्चों को वितरित कर दी जाएगी। इस पहल से पीड़ित परिवारों के चेहरों पर उम्मीद की नई किरण जगी है। वहीं ब्लॉक संसाधन केंद्र की ओर से बच्चों को पुस्तकें भी उपलब्ध करा दी गई हैं, ताकि उनकी शिक्षा बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

परिवहन विभाग का मोडिफाई ट्रकों पर शिकंजा, दो वाहन सीज, 1 लाख का जुर्माना

सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा अवैध रूप से मोडिफाई कर ढुलाई करने वाले भार वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। रविवार रात्रि 5 अप्रैल 2026 को एआरटीओ (प्रशासन) सर्वेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान तहसील सिधौली व सदर क्षेत्र के बिजवार में भूसी लदे दो ट्रकों को पकड़ा गया, जिनमें अवैध रूप से वाहन के ढांचे में परिवर्तन किया गया था। दोनों वाहनों को सीज करते हुए प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। एआरटीओ सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि बिना अनुमति वाहन के आकार में परिवर्तन करना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। ऐसे वाहनों के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी और चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

482 वाहनों का डाटा पोर्टल पर फीड

सीतापुर। परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों की सुरक्षा और निगरानी को लेकर विशेष अभियान तेज कर दिया गया है। परिवहन आयुक्त लखनऊ किंजल सिंह के निर्देश पर 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक चलाए जा रहे अभियान के तहत जनपद में पंजीकृत 732 स्कूली वाहनों में से 482 वाहनों का डाटा एकीकृत विद्यालयी वाहन अनुश्रवण पोर्टल पर फीड किया जा चुका है, एआरटीओ (प्रशासन) सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि 6 अप्रैल 2026 को 32 और वाहनों का डाटा पोर्टल पर अपलोड किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश भर के स्कूली वाहनों की निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग की टीमें विद्यालयों से संपर्क कर डाटा फीड कराने में सहयोग कर रही हैं। पोर्टल पर वाहन से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी जैसे पंजीयन, परमिट, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, चरित्र प्रमाण पत्र, सीसीटीवी कैमरा व जीपीएस डिवाइस आदि अनिवार्य रूप से दर्ज किए जा रहे हैं। साथ ही सभी विद्यालयों से विभागीय निर्देशों के अनुपालन का शपथ पत्र भी पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है, जिससे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

विद्यालय से 5 लाख से अधिक कीमत के उपकरण चोरी

मोहम्मदी खीरी। कस्बा में बिचपरी मोड़ स्थित अचीवर्स पब्लिक स्कूल से अज्ञात चोरों द्वारा कंप्यूटर बैटरी और सीसी कैमरा चोरी कर ले जाने का प्रबंधक ने आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र दिया है पुलिस ने जांच कर कार्रवाई

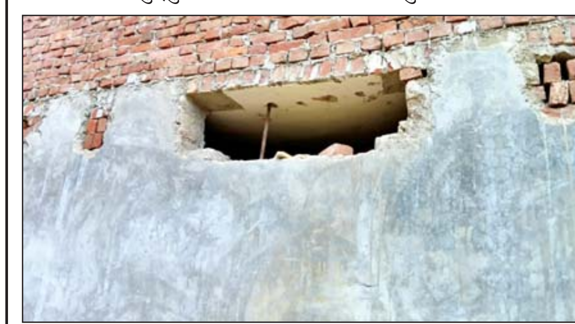

का भरोसा देकर चला कर दिया है। विद्यालय के प्रबंधक विजय मिश्रा ने पुलिस को बताया 4 अप्रैल की रात विद्यालय में अज्ञात चोरों द्वारा घुसकर पांच कंप्यूटर, बैटरी और सीसी कैमरा चोरी कर ले गए हैं जिनकी कीमत लगभग चार लाख रुपया से अधिक बताई गई है। पुलिस ने जांच में मामला सही पाए जाने पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। सीओ अरुण कुमार सिंह ने बताया चोरी की घटना संदिग्ध है जांच का कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने फसलों के नुकसान का किया स्थलीय निरीक्षण

धौरहरा खीरी। क्षेत्र में हाल ही में हुई तेज आंधी और मौसम के प्रभाव से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए एसडीएम ने गुलरिया और रेहुआ, धौरहरा गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और खेतों में खड़ी गेहूं की फसल का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई स्थानों पर गेहूं की फसल आंधी के कारण झुक गई है, प्रथम दृष्टया नुकसान को आंशिक बताया गया है। एसडीएम शशिकांत मणि ने संबंधित लेखपाल और कृषि विभाग की टीम को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। निरीक्षण के दौरान राजस्व विभाग की टीम और स्थानीय अधिकारी भी मौजूद रहे। एसडीएम शशिकांत मणि ने बताया 35 प्रतिशत से कम नुकसान पर मुआवजे का प्राविधान नही है। नुकसान उससे काफी कम हुआ है।

भाजपा का स्थापना दिवस धूमधाम से मना

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह हर्षोल्लास और उत्साह के बीच संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री नीरज वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एमएलसी भरत त्रिपाठी उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष उमाकांत मिश्र, राकेश त्रिपाठी और रामनरेश मिश्रा समेत कई वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने की। इस दौरान अतिथियों एवं वरिष्ठ नेताओं को पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। कार्यालय पर ध्वजारोहण के साथ आतिशबाजी की गई और सभी ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर खुशियां साझा कीं। अपने संबोधन में नीरज वर्मा ने कहा कि दो सांसदों से शुरू हुई भाजपा आज केंद्र और राज्यों में मजबूत सरकार चला रही है और विश्व की सबसे बड़ी कार्यकर्ता आधारित पार्टी बन चुकी है। वहीं जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि स्थापना दिवस बूथ स्तर तक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश-प्रदेश में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल हो रही हैं।

दिव्यांगों ने उठायीं समस्याएं, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। भारतीय दिव्यांग यूनियन की मासिक बैठक सोमवार को ब्लॉक कुंभी गोला में आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजन शामिल हुए और अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाई। बैठक में यूनियन पदाधिकारियों ने दिव्यांगजनों की उपेक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। तहसील अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि दिव्यांगों की समस्याएं लंबे समय से अनदेखी की जा रही हैं और प्रशासन व जनप्रतिनिधि इस ओर गंभीर नहीं हैं। दिव्यांगजनों ने बैठक में कई मांगें रखीं, जिनमें सभी पात्र लोगों के अंत्योदय राशन कार्ड बनवाने, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना व प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभ दिलाने, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना में प्राथमिकता देने, दिव्यांग बच्चों की शिक्षा निशुल्क करने तथा दिव्यांग अधिनियम 2016 को प्रभावी रूप से लागू कराने की मांग शामिल रही। पदाधिकारियों ने बताया कि 10 फरवरी को एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर नाराजगी जताते हुए यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो गोला में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बैठक में हाफिज मोहम्मद यासीन राजा, रियाजुद्दीन इदरीसी, सभासद विजयपाल गौतम, सर्वेश कुमार रघुवंशी, जाहिर, धर्मेंद्र, अमित कुमार, नरेंद्र कुमार, राहुल वर्मा, माया देवी, हुसैन, राजेश मौर्य सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे।

गायन प्रतियोगिता में गूंजे सुर, शिवम सोनी बने विजेता

- आज चैती मेले के सांस्कृतिक मंच पर पंजाबी नाइट का आयोजन सायं 7 बजे से किया जायेगा जिसमें विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। ऐतिहासिक चैती के सांस्कृतिक मंच पर आयोजित सीनियर गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी आवाज का जादू बिखेरते हुए दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम में पुराने और नए गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह संगीतमय बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उमाशंकर मिश्रा, कार्यक्रम अध्यक्ष विनय प्रकाश शुक्ला एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पूर्व सभासद विश्वनाथ राजपूत, समाजसेवी कुलदीप तिवारी, दिनेश गुप्ता, एडवोकेट नरेश सिंह भदौरिया, एडवोकेट लाल बहादुर यादव, नेशनल हॉकी प्लेयर महफूज अली, नेशनल रेफरी ताइक्वांडो शहबाज अली सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतियोगिता के अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्य अतिथि उमाशंकर मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पालिका द्वारा इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन नई प्रतिभाओं को मंच देने का कार्य कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि विश्वनाथ राजपूत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को पहचान मिलती है और उनकी प्रतिभा निखरती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत अमन कुमार की प्रस्तुति एहसान तेरा होगा मुझपर से हुई। इसके बाद पवन शुक्ला, साजन सिंह, साक्षी तिवारी, शिवांगी सक्सेना, शिवम सोनी, आशीष कुमार, गायत्री मिश्रा, कोमल भारती, अनुराग सिंह, यशवर्धन, कृष्णा, आमिर, पलक मिश्रा, स्वाती, आसी गुप्ता, अभय गुप्ता, श्लोक कुमार शुक्ला, साक्ष्य अवस्थी, निर्मल राठौर, वंश गुप्ता, रितिक, अरविंद कुमार, सौम्य अवस्थी, देवांश शर्मा, रजत, रामकिशोर राठौर सहित अनेक प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। पंजाबी सिंगर प्रीत सिंह की विशेष प्रस्तुति ने कार्यक्रम में अलग ही रंग भर दिया। सीनियर गायन प्रतियोगिता में शिवम सोनी ने प्रथम स्थान हासिल किया। शिवांगी सक्सेना द्वितीय और गायत्री मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में सभासद साहिद अंसारी, राजेश वर्मा, आशीष अवस्थी, हर्ष अवस्थी, इजरान अहमद, रज्जन खान, अनिल गुप्ता, गीता विश्वकर्मा, सूर्य प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

किसानों को दी योजनाओं की जानकारी, फार्मर रजिस्ट्री पर दिया जोर

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। वीओएल। ग्राम पंचायत भुड़वारा में ब्लॉक बांकेगंज प्रशासन के निर्देशन में जागरूकता कैंप आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कैंप में मौजूद अधिकारी आफरीन खान ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि समय पर रजिस्ट्री न कराने वाले किसान खाद, सब्सिडी और कृषि ऋण जैसी योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं। उन्होंने सभी किसानों से जल्द से जल्द रजिस्ट्री पूर्ण कराने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के जागरूकता कैंप पहले भी कई गांवों में लगाए जा चुके हैं और किसानों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। लोगों को साफ-सफाई बनाए रखने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने और मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

पारिवारिक विवाद में चली गोली, प्रशासन अलर्ट

लखीमपुर खीरी। पारिवारिक विवाद के चलते सिविल कोर्ट परिसर में अधिवक्ता द्वारा अपने निकटतम संबंधि को गोली मार दी गई, गोली मारने की घटना से सोमवार को जिले में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमा हरकत में आ गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एएसपी (पूर्वी) पवन गौतम एवं सीओ सिटी विवेक तिवारी भी मौजूद रहे। डीएम-एसपी ने प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और पुलिस टीम को निष्पक्ष व त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद दोनों अधिकारी जिला चिकित्सालय ओयल पहुंचीं, जहां घायल अधिवक्ता का इलाज चल रहा था। डीएम ने चिकित्सकों से उपचार की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान सीएमएस डॉ. आरके कोली ने बताया कि घायल को सीने के निचले हिस्से में गोली लगी है और हालत को देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। डीएम-एसपी ने अपनी मौजूदगी में एएलएस एंबुलेंस के जरिए घायल को लखनऊ रवाना कराया और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि घटना के प्रत्येक पहलू की गहन जांच कर दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अंबेडकर जयंती की तैयारियों को लेकर बसपा की बैठक संपन्न

सीतापुर। आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के आयोजन की तैयारियों को लेकर बहुजन समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक कबीर आश्रम, रेउसा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा सेउता के बसपा अध्यक्ष राममिलन भार्गव ने की। बैठक में बसपा पदाधिकारियों के साथ-साथ बामसेफ तथा बहुजन वालंटियर फोर्स के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इस दौरान राममिलन भार्गव ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि बूथ और सेक्टर स्तर के कार्यकर्ता लखनऊ स्थित गोमती नगर के अंबेडकर स्मारक पर पहुंचकर बाबासाहेब को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

कार्यालय नगर पंचायत ऊगू, जनपद-उन्नाव

पत्रांक : -/8/अ.नि.स.प्र. / न.प. ऊगू / 2026-27 दिनांकः - 06/04/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारो/फर्मों/एजेन्सियां को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना/पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त होने वाली धनराशि से नगर पंचायत, ऊगू जनपद उन्नाव मे गौशाला मे बंद गौवंशो के भरण पोषण हेतु भूसा, हरा चारा एवं चोकर की आपूर्ति कराये जाने हेतु निविदा, दिनांक-28/4/2026 को अपरान्ह 2.00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत ऊगू-उन्नाव में आमन्त्रित की जाती है। जो उसी दिन अपरान्ह 3.00 बजे कार्यालय नगर पंचायत ऊगू, उन्नाव के समक्ष ठेकेदार अथवा प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोली जायेगी। प्रत्येक निविदाओं के साथ 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगद /एफ.डी.आर. 'अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ऊगू' के नाम बन्धक करना अनिवार्य होगा। निविदा फार्म कार्यालय नगर पंचायत, ऊगू जनपद उन्नाव मे दिनांक 27/4/2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमाकर प्राप्त किये जा सकते है। यदि उक्त तिथि में कोई अवकाश होता है तो अगली तिथि में निविदाएं क्रय व डाली जायेगी।

क्र. सं.	आपूर्ति का विवरण	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत (भूसा 600.00 रु. हरा चारा 370.00 रु.व चोकर 2200.00 रु. प्रति कुन्तल भाड़ा सहित)	टेण्डर फार्म की कीमत 18 प्रतिशत GST सहित	धरोहर धनराशि (2 प्रतिशत)	आपूर्ति पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	गौशाला मे गौवंशो के भरण पोषण हेतु भूसा की आपूर्ति (वार्षिक मांग के अनुसार)	3011 कुन्तल	18,06,600.00	1800+324= 2124.00	36,123.00	01 वर्ष
2	गौशाला मे गौवंशो के भरण पोषण हेतु हरा चारा की आपूर्ति (कटा कटाया) (वार्षिक मांग के कुन्तल अनुसार)	2250 कुन्तल	8,32,500.00	800+144= 944.00	16,650.00	01 वर्ष
3	गौशाला मे गौवंशो के भरण पोषण हेतु चोकर की आपूर्ति (वार्षिक मांग के अनुसार)	360 कुन्तल	7,92,000.00	800+144= 944.00	15,840.00	01 वर्ष

नियम व शर्ते-:

1 विस्तृत जानकारी कार्यालय कार्य दिवस मे कार्यालय नगर पंचायत ऊगू से प्राप्त की जा सकती है।
2 निविदादाता को जिलाधिकारी द्वारा निर्गत हैसियत प्रमाण-पत्र एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण-पत्र निर्धारित समयावधि के अन्दर का हो तथा 100.00 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित शपथ-पत्र निविदाओ के साथ लगाना अनिवार्य होगा।
3 ठेकेदार/फर्म का जी.एस.टी. में पंजीकरण होना अनिवार्य है।
4 निविदा के साथ 2 प्रतिशत जमानत धनराशि नगद/एफ.डी.आर. जो कि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी किया गया हो को अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ऊगू-उन्नाव के नाम बन्धक करना अनिवार्य होगा ।
5 प्राप्त किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदओं को निरस्त करने का अधिकार समक्ष अधिकारी को होगा। इस सम्बंध में ठेकेदार/ फर्म का कोई दावा मान्य नही होगा ।
6 यह कि उक्त तिथि में कोई अवकाश होता है तो अगली तिथि में निविदाएं क्रय व डाली जायेगी ।
7 बिल के साथ कांटा पर्ची लगाना अनिवार्य होना ।
8 गौशाला मे बंद गौवंशो के भरण पोषण हेतु भूसा, हरा चारा एवं चोकर की आपूर्ति आवश्यकतानुसार घटायी / बढ़ायी जा सकती है।
9 उक्त आपूर्ति का भुगतान कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना /पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्ष 2026-27 में प्राप्त होने वाली अनुदान की धनराशि से बजट की उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत ऊगू
उन्नाव

अनीता
अध्यक्ष
नगर पंचायत ऊगूँ-उन्नाव

संक्षेप

तलवार व कुल्हाड़ी से हमले में युवक घायल

जौनपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मुफ्ती मोहल्ले में रविवार रात पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर दबंगों ने धारदार हथियारों एवं लाठी डंडा से जानलेवा हमला घायल कर दिया गया। उसका उपचार एवं चिकित्सकीय परीक्षण जिला अस्पताल में कराया गया। तूतीपुर मोहल्ला निवासी 30 वर्षीय करन बिंद ने बताया कि वह अपने मित्र हर्ष अग्रवाल जो कि एक मेडिकल स्टोर पर काम करता है के साथ मुफ्ती मोहल्ला की तरफ से कहीं जा रहा था, आरोप है कि लखन बिंद, कार्तिक बिंद और उसके साथियों ने उस पर हमला कर दिया। पीड़ित ने यह भी बताया कि हमलावरों ने तलवार, चाकू, कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से मारा पीटा जिसके चलते क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया जिसके चलते इलाके में तनाव का माहौल है। सूचना पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है। घायल की हालत नाजुक देखकर चिकित्सक ने वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

पांच हजार अपात्र राशन कार्ड रद्द होंगे

जौनपुर। जिले में लगभग पांच हजार अपात्र राशन कार्ड रद्द किए जाएंगे। यह कार्रवाई सत्यापन प्रक्रिया के दौरान तीन श्रेणियों में अपात्र पाए गए कार्ड धारकों पर की जा रही है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को लाभ सुनिश्चित करना है। अपात्रता के लिए पांच एकड़ भूमि का स्वामित्व, कार का स्वामित्व और अधिक आय को मुख्य आधार बनाया गया है। इस विस्तृत जांच में अब तक पांच हजार राशन कार्ड धारक अपात्र चिह्नित किए गए हैं। जिले में कुल 2077 राशन की दुकानें संचालित हैं। वर्तमान में जिले में कुल 8,33,710 राशन कार्ड धारक हैं, जिनमें 34,88,784 यूनिट शामिल हैं। इनमें 1,25,472 अंत्योदय और 7,08,238 पात्र गृहस्थी कार्ड धारक हैं। पहले जांच के लिए कोई विशिष्ट मानक नहीं था, लेकिन अब सभी कार्ड धारकों का सत्यापन ई-केवाईसी के माध्यम से किया जा रहा है। जिले की सभी 1734 ग्राम पंचायतों में चल रही जांच के दौरान अब तक 94 प्रतिशत यूनिट की ई-केवाईसी पूरी हो चुकी है। शेष यूनिटों की जांच भी जल्द पूरी कर ली जाएगी, जिससे अपात्रों की और पहचान हो सकेगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। जिला आपूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही ने बताया कि अधिक आय वाले लोगों की सूची भारत सरकार से प्राप्त हुई है। उन्होंने पुष्टि की कि जांच प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। पहले चरण में पांच हजार अपात्रों के नाम हटाए जाएंगे और उनके स्थान पर पात्र लोगों को जोड़ा जाएगा। शत प्रतिशत ई-केवाईसी भी अगले कुछ दिनों में पूरी कर ली जाएगी।

तीन बाल अपचारी भेजे गये पुलिस अभिरक्षा में

आजमगढ़। जनपद के थाना रौनापार पुलिस ने चोरी और लूट की घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया है, जबकि एक अन्य बाल अपचारी अभी फरार है। पुलिस ने इनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन, दो अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस, एक चोरी की मोटरसाइकिल और 5100 रुपये नकद बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 अप्रैल 2026 को रौनापार क्षेत्र की एक महिला ने सूचना दी थी कि उनकी दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने बिस्किट, सिगरेट और करीब 1300 रुपये नकद चोरी कर लिए। इस मामले में थाना रौनापार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान चार बाल अपचारियों के नाम सामने आए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम ने 6 अप्रैल की सुबह करीब 4:10 बजे सरजू नदी पुल, बेलहिया ढाला के पास से तीन बाल अपचारियों को पकड़ लिया, जबकि एक मौके से फरार हो गया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए बाल अपचारियों ने रौनापार, बिलरियागंज और अहरौला थाना क्षेत्रों में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। बरामदगी के आधार पर मामले में संबंधित धाराओं और आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई है। फिलहाल पुलिस फरार बाल अपचारी की तलाश में जुटी है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सशक्तीकरण विकसित भारत की नींव: सीएम

जिला संवाददाता(vol)

● सीएम ने किया नवनिर्मित दुग्ध अवशीतन केंद्र का शुभारंभ

आजमगढ़। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ सोमवार को आजमगढ़ के मीरिया गांव पहुंचे। हेलीपैड पर सीएम का हेलीकॉप्टर लैंड होने के उपरांत क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय भाजपा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था गोरखपुर के विस्तारीकरण के अंतर्गत आजमगढ़ में नवनिर्मित दुग्ध अवशीतन केंद्र का शुभारंभ किए।

सीएम ने उत्पादन केंद्र का निरीक्षण कर उसके बारे में जानकारी ली। दुग्ध प्लांट का लोकार्पण करने के बाद पास में ही जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। जनसभा में हजारों लोगों की भीड़ को मुख्यमंत्री ने संबोधित किया। मंच से उन्होंने प्रदेश के विकास की रूपरेखा खींची तो विपक्षियों को भी आड़े हाथों लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 56 हजार से अधिक महिलाओं की मेहनत से यह दुग्ध उत्पादक कंपनी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत संदेश दे रही है। सीएम ने कंपनी अध्यक्ष सहित इससे जुड़ी सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि जब एक महिला आत्मनिर्भर होती है तो पूरा परिवार और समाज सशक्त होता है। यही सशक्तीकरण विकसित भारत की नींव है। कहा कि इस मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1.70 लाख लीटर दूध का संग्रह किया जा रहा है, जिसके लिए किसानों और गौपालकों को 55 रुपये प्रति लीटर तक का उचित मूल्य दिया जा रहा है।

दूध की गुणवत्ता की गारंटी गांव स्तर पर ही जांच उपकरणों के माध्यम से की जा रही है, जिससे मिलावट की कोई गुंजाइश नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश की पांचवीं महिला दुग्ध उत्पादक कंपनी है। इससे पहले झांसी, वाराणसी, आगरा और लखनऊ में ऐसी कंपनियां सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। आने वाले समय में प्रयागराज और बरेली में भी महिला मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां स्थापित की जाएंगी, जिसके लिए बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आजमगढ़ के विकास कार्यों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ने के बाद आजमगढ़ से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज की दूरी काफी कम हो गई है। इसके साथ ही महाराजा सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय, तमसा गार्डन एन्क्लेव आवासीय योजना, एयरपोर्ट विकास, सड़क और शिक्षा से जुड़ी कई परियोजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह परियोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि 56,000 से अधिक महिलाओं के परिश्रम से यह मॉडल आत्मनिर्भरता का उदाहरण बन रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 1.70 लाख लीटर दूध का संग्रह हो रहा है और किसानों को 55 प्रति लीटर का मूल्य मिल रहा है, जिससे सीधे किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने सहकार से समृद्धि मॉडल को नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आजमगढ़ को नई पहचान मिली है। पहले जहां जिले का नाम सुनकर लोग संकोच करते थे, आज वही आजमगढ़ विकास, सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक बन रहा है। यह सब डबल इंजन सरकार और भारतीय जनता पार्टी की विकास नीति का परिणाम है। इस दौरान उन्होंने भाजपा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि भाजपा का मूल मंत्र देश प्रथम है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, किसान हित और नौजवानों को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अंत में मुख्यमंत्री ने बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़ी सभी महिलाओं के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का भरोसा जताया।

भाजपा की जड़ है जनसंघ की राष्ट्रवादी विचारधारा:सांसद

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर।भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी सम्पन्न हुई।अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की और मुख्य अतिथि राज्य सभा सदस्य श्रीमती सीमा द्विवेदी उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि ने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक दल का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, विचारधारा और समर्पण की उस यात्रा का उत्सव है, जिसने भारत की राजनीति को एक नई दिशा दी है। भाजपा की स्थापना 1980 में हुई थी, लेकिन इसकी जड़ें भारतीय जनसंघ की राष्ट्रवादी विचारधारा में गहराई तक समाई हुई हैं यह पार्टी केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक जनआंदोलन है साथियों, भाजपा ने हमेशा ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व के मूल मंत्र को अपनाया है। देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का संकल्प इस पार्टी की पहचान बन चुका है। चाहे गरीब कल्याण की योजनाएँ हों, बुनियादी ढांचे का विकास हो, या भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाने का कार्य भाजपा ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि गरीब, किसान, युवा, महिला हर वर्ग के उत्थान के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है मैं आप सभी कार्यकताओं से आह्वान करता हूँ कि हम सभी मिलकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएं, एकजुट होकर कार्य करें, और अपने जिले को विकास और संगठन के क्षेत्र में एक आदर्श जिला बनाए।विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रींसू ने कहा कि आज का दिन हमें उन महान नेताओं को भी याद करने का अवसर देता है, जिन्होंने इस पार्टी की नींव रखी और इसे मजबूत बनाया उनका त्याग, तपस्या और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है पूर्व सांसद के पी सिंह व जिलाध्यक्ष आदि ने सम्बोधित किया। संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने की। पंकज मिश्रा राज पटेल परविन्द चैहान अमित श्रीवास्तव विनय सिंह अजय सरोज नीरज मौर्य श्रीमती पुष्पा निषाद मनोरमा मौर्य रीता जायसवाल जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह प्रमोद प्रजापति अमित पाठक सिद्वार्थ राय अवनीश यादव एवं मण्डल अध्यक्ष गण आदि उपस्थित रहे।

अराजकतत्वों और नशेड़ियों के विरुद्ध करें सख्त कार्रवाई : सीओ

मीरजापुर। जिले के ड्रमंडगंज क्षेत्र के देवहट गांव में कार के भीतर गला दबाने का वीडियो वायरल होने की खबर का सीओ लालगंज अमर बहादुर ने संज्ञान लिया। सोमवार को सीओ ने देवहट गांव स्थित नेशनल हाईवे पर पहुंचकर स्थानीय लोगों व दुकानदारों से घटना के संबंध में जानकारी ली। सीओ ने मौके पर मौजूद थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन एसआइ पुनीत कुमार गुप्ता, हेड कांस्टेबल नारायण शर्मा को अभियान चलाकर अराजकतत्वों और नशेड़ियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। सीओ ने पुलिसकर्मियों को रात्रि गश्त में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके बाद सीओ ने ड्रमंडगंज स्थित इंडियन बैंक पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सीओ ने बैंक में आने जाने वाले लोगों पर पैनी नजर रखने के लिए पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया क्षेत्र के देवहट गांव स्थित नेशनल हाईवे 135 पर शनिवार की रात नशे की हालत में नेशनल हाईवे किनारे बनी नाली के ऊपर काली रंग की खड़ी एक कार के भीतर मौजूद एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का गला दबा रहा था।जिसका वीडियो बनाकर किसी ने रविवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया था।सीओ अमर बहादुर ने बताया कि नेशनल हाईवे स्थित देवहट गांव में पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी ली गई है। अराजकतत्वों और नशेड़ियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया है।

अज्ञात कारणों से खड़ी फसल में लगी आग

आजमगढ़। निजामाबाद तहसील क्षेत्र के मनपारपुर, सुराई और बड़ागांव गांव की शिवान में दोपहर करीब एक बजे अज्ञात कारणों से गेहूं की खड़ी फसल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेज हवा के चलते तेजी से खेतों में फैलने लगी। खेतों से उठती लपटों और धुएं को देखकर आस-पास के किसानों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। लोग बाल्टी, पानी और हरी डालियों की मदद से आग पर काबू पाने में जुट गए। सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और सामूहिक प्रयास से आग बुझाने में लग गए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने किसी तरह आग को फैलने से रोक लिया, लेकिन तब तक कई किसानों की गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो चुकी थी। इस घटना से किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो और अधिक खेत इसकी चपेट में आ सकते थे। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है। वहीं प्रभावित किसान अपनी जली फसल को देखकर काफी चिंतित नजर आए और प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन करने के साथ उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित हुआ सोनभद्र का लाल

दुद्धी, सोनभद्र। जब हौसले बुलंद हों तो इंसान मुकाम हासिल कर ही लेता हैं। काफी धैर्य और कठिन डगर का सफर तय करते हुए सोनभद्र जिले के एक आदिवासी लाल ने ग्राम पंचायत सचिव पद पर रहते हुए आर ओ एवं ए आर ओ की परीक्षा पास कर सचिवालय में समीक्षा अधिकारी बनने का गौरव हासिल किया हैं।उत्तर प्रदेश लोक सेवा द्वारा आयोजित समीक्षा ध्सहायक समीक्षा अधिकारी 2023 के परीक्षा के अंतिम परिणाम में सोनभद्र के लाल अयोध्या प्रसाद ने चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया हैं। आयोग द्वारा जारी अंतिम परिणाम में 313 वीं रैंक हासिल कर वह अब समीक्षा अधिकारी पद के लिए चयनित हुए हैं।

अयोध्या प्रसाद सोनभद्र जिले के दुद्धी तहसील क्षेत्र के बैरखड़ गाँव के रहने वाले हैं। इनके पिता रामधनुकी एक साधारण परिवार से हैं जिन्होंने मजदूरी करके अपने बच्चों को पढ़या लिखाया। अयोध्या प्रसाद हाई स्कूल 2008 चुनार मिजार्पुर से किया तथा इंटर 2010 वाराणसी जबकि ग्रेजुएट बीएच यू 2013 में पास किया। 2014 से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुट गए। आर ओ के पद पर चयनित होने के बाद अयोध्या प्रसाद ने सेलफोन पर हुई बातचीत में बताया कि एक साधारण परिवार के लिए उच्चे सपने देखना और धैर्य रखना काफी कठिन हैं, क्योंकि ग्रामीण परिवेश के आदिवासी बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता हैं। उन्होंने अपने माता -पिता और शुभ चिंतकों एवं मित्रों का आभार जताया जिन्होंने कठिन समय में भी साथ दिया और हौसला बढ़ाते रहें।उन्होंने कहा कि मैं आईएएस बनने का सपना लेकर घर से निकला था तब से लगातार प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि भले ही मेरा चयन आर ओ के पद पर हुआ हैं लेकिन अगला लक्ष्य आई ए एस बनकर देश की सेवा करना हैं। उन्होंने बताया कि सिविल सेवा 6 मुख्य परीक्षा में शामिल हुआ। 2024 में वन दरोगा और राजस्व लेखपाल में चयन हुआ लेकिन राजस्व लेखपाल ज्वाइवन किया और लगभग 6 माह राजस्व लेखपाल के पद सोनभद्र जिले घोरावल तहसील में कार्य किया।दिसम्बर 2024 में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर प्रयागराज जिले के मेजा ब्लॉक में ज्वाइन किया।

जन शिकायतों के निस्तारण के संबंध में बैठक

सोनभद्र। सीएम डैशबोर्ड के फ्लैगशिप कार्यक्रमों एवं जन शिकायतों के निस्तारण के संबंध में एवं प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में मंडल आयुक्त विंध्याचल मंडल एवं नोडल अधिकारी राजेश प्रकाश ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेन्सीयों के अधिशासी अभियन्ता के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि जन शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो सुनिश्चित। बैठक के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए साथ ही पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत भी जल जीवन मिशन विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए, जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है, वहां टैंकर से जलापूर्ति न कर, उसी योजना के माध्यम से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में बेंच-डेस्क एवं मरम्मत की आवश्यकता है, उनकी सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए गए। लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित एजेंसियों को सड़कों के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा ट्रामा सेंटर से मेडिकल कॉलेज यूनिट तक सड़क निर्माण हेतु शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान उन्होंने ह्यबीह्ण एवं ह्यसीह्ण ग्रेड प्राप्त विभागों को कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। बैठक में जिलाधिकारी बी0एन सिंह ने कहा कि नोडल अधिकारी/मण्डलायुक्त द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिये गये है सभी अधिकारी निर्देश का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करायेगें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, बैठक में अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ओला से बर्बाद फसल के मुआवजे के लिए डीएम को दिया पत्रक

मीरजापुर। जनपद में पिछले दिनों से हो रहा है बारिश ओलावृष्टि से किसानों की फसल बर्बाद हो गई है, जिसके कारण किसान भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। इस संदर्भ में पीड़ितों की गुहार पर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार ने जिलाधिकारी से मिलकर किसानों के गेहूं की फसल जो बरसात एवं ओला गिरने से बर्बाद हो गई है, जिससे किसानों के चेहरे पर मुस्कान गायब है और किसान चिंतित हैं, भुखमरी के कगार पर हैं, इसको लेकर जिलाधिकारी को पत्रक सौंप कर उनसे तत्काल किसानों के हित के लिए मुआवजे की मांग की है। जिला अध्यक्ष श्री दिलीप सिंह गहरवार ने कहा कि किसानों की फसल का आकलन कराकर किसानों को उचित मुआवजा राज्य सरकार व जिला प्रशासन द्वारा दिया जाए, जिससे किसानों के चेहरे पर मुस्कान आ सके और वह भुखमरी से बच सकें। जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए 72 घंटे में सभी तहसीलों से रिपोर्ट मंगाकर किसानों के हित में कार्यवाही का शासन दिया। पत्रक सौंपने वालों में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार, अभिषेक सिंह धवल, इंस्पेक्टर सिंह शिवम, राजमणि दुबे, रामराज जायसवाल, शुभम यादव, प्रमोद कुमार सिंह, राज बहादुर कसेरा, अमित कुमार सिंह आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अधिकारी मौजूद रहे।

करंट से मौत पर डॉक्टरों ने दी 5.25 लाख की क्षतिपूर्ति

जौनपुर। शहर के ट्यूलिप हार्ट एंड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में वाटर कूलर से पानी लेने के दौरान करंट लगने से महिला की मौत के मामले में लापरवाही के दोषी दो डॉक्टरों व मैनेजर ने दीवानी न्यायालय के स्थाई लोक अदालत में 5.25 लाख क्षतिपूर्ति जमा किया जो मृतका गुड़िया के पति प्रदीप कुमार गौड़ को जरिए चेक प्रदान की गई। सुइथाकला, शाहगंज निवासी प्रदीप कुमार गौड़ व उसके दो बच्चों ने स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष लालचंद गुप्ता के समक्ष ट्यूलिप हार्ट एंड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कटघरा, कोतवाली के डॉक्टर उत्पल कुमार शर्मा, डॉक्टर मोहसिन जफर तथा मैनेजर उज्जवल कुमार सिंह के खिलाफ परिवाद दाखिल किया कि उसने अपनी मां लालती देवी को इलाज के लिए 28 सितंबर 2025 से 1 अक्टूबर 2025 तक टयूलिप हॉस्पिटल में भर्ती किया था। वादी की पत्नी गुड़िया मां लालती की देखरेख हॉस्पिटल में कर रही थी। 30 सितंबर 2025 को 10रू30 बजे सुबह जब गुड़िया हॉस्पिटल में लगे वाटर कूलर से पानी लेने गई तभी वाटर कूलर में करंट लगने से गुड़िया गिर पड़ी। अस्पताल के डॉक्टर ने बिना चेक किए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। जहां ले जाने पर डॉक्टरों ने गुड़िया को मृत घोषित कर दिया। परिवादी व अन्य लोगों ने इस घटना को देखा। विपक्षीगण के घोर उपेक्षा व लापरवाही से घटना घटी। पुलिस ने भी मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल किया। विपक्षीगण तत्काल कोई इलाज की व्यवस्था किए होते तो गुड़िया की जान बच सकती थी क्योंकि हॉस्पिटल में हर प्रकार के मरीज विशेष कर हार्ट के मरीजों का इलाज होता है। मामले में विपक्षीगण 5.25 लाख बतौर क्षतिपूर्ति देने के लिए सहमत हुए। विपक्षी गण ने धनराशि चेक के जरिए कोर्ट में अदा किया जो परिवादी प्रदीप को प्रदान की गई।

सूदखोर ने लेनदार के घर पर जड़ा ताला, थाने पहुंचा मामला

जौनपुर। उधार के पैसों की वापसी में देरी होने पर एक लेनदार ने देनदार के घर पर ताला जड़ दिया। यह मामला केराकत थाना क्षेत्र के सैदखानपुर गांव का है, जो सोमवार को थाने पहुंचा। गांव निवासी शिवबदन यादव ने अपने ही पड़ोसी राम आशीष यादव से कई किश्तों में कुल 1 लाख 91 हजार 485 रुपये उधार लिए थे। शिवबदन के अनुसार उसने इसमें से 59 हजार 500 रुपये पहले ही चुकता कर दिए और बाकी रकम के लिए कुछ और समय मांगा।शिकायत के मुताबिक राम आशीष ने बकाया रकम पर पहले साढ़े चार, फिर आठ और बाद में दस प्रतिशत की दर से ब्याज जोड़ना शुरू कर दिया। इस तरह कुल रकम बढ़ाकर 3 लाख 29 हजार 50 रुपये कर दी गई और यह हिसाब व्हाट्सएप पर भेज दिया गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच व्हाट्सएप पर तीखी बहस हो गई।विवाद बढ़ने पर राम आशीष ने शिवबदन के घर पर अपना ताला लगा दिया, जिससे उसके परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को पीड़ित शिवबदन केराकत थाने पहुंचा और राम आशीष के खिलाफ लिखित तहरीर दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवाओं की प्रगति के लिए शिक्षा आवश्यक: ज्ञान प्रकाश सिंह

जौनपुर। सिरकोनी विकास खण्ड के ग्रामसभा गोधना में जय सोलंकी सेवा समिति के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं ज्ञानप्रकाश सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में ज्ञानप्रकाश सिंह ने समाज में एकता, सद्भाव एवं आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने युवाओं की प्रगति के लिए शिक्षा, रोजगार एवं नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समाज को गंभीरता से कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जनपद के 16 गांवों से आए सोलंकी परिवार के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान समाज के गौरवशाली व्यक्तित्वों का स्मरण किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। पूरा आयोजन हर्षोल्लास, पारंपरिक उत्साह एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीप्रकाश सिंह,योगेंद्र नाथ सिंह,, वंशलोचन सिंह एवं जीतेन्द्र प्रताप सिंह,राजनाथ सिंह उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सहित अनेक गणमन सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। दीपक सिंह,पंकज सिंह, वेद प्रकाश सिंह,राजन सिंह,सुनील सिंह, सुनील सिंह, सुशील सिंह,अजय सिंह,इंद्रसेन सिंह, विद्या प्रकाश सिंह, संतोष सिंह,सत्यम सिंह,विमल सिंह आदि मौजूद रहे।

खेत में महिला की मिली लाश, हत्या की आशंका

मीरजापुर। जिले के अहरौरा थाना क्षेत्रांतर्गत बेचूबीर बाबा मंदिर के पास गेंहु के खेत में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला की पहचान रेखा पत्नी संतोष कोल (32 वर्ष) निवासी ग्राम बरही थाना अहरौरा के रुप में की है। बताते चलें कि गेहूं के खेत में महिला की लाश मिलने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी है। खेत में मृत अवस्था में शव होने की सूचना प्राप्त होने पर है तत्काल पुलिस के उच्चाधिकारी व थाना अहरौरा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच की तो मृतका के शरीर पर कई चोटो के निशान का होना पाया गया। घटना स्थल का निरीक्षण फील्ड यूनिट व थाना अहरौरा पुलिस द्वारा करके घटना स्थल से भौतिक साक्ष्यों का संकलन किया गया है। घटना के सम्बन्ध मृतका के परिजनों द्वारा गांव के ही एक व्यक्ति के विरूद्ध हत्या करने का आरोप लगाकर प्रार्थना पत्र दी गयी है, प्राप्त तहरीर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। मृतका के शव को पंचायतनामा के पश्चात पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

संदिग्ध परिस्थिति में लापता हुआ युवक, परिवार में मचा हड़कंप

लालगंज, मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के कटाई (तिलॉव) गांव निवासी 35 वर्षीय युवक संदिग्ध हालात में लापता हो गया। सूचना पर पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार रामकेश सिंह पटेल शुक्रवार शाम करीब पांच बजे एक फोन कॉल आने के बाद अपनी कार लेकर घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। देर रात तक संपर्क न होने पर परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। मोबाइल फोन भी बंद मिलने पर अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी गई।बताया गया कि युवक घर से सफेद लाइनिंग की शर्ट और काली पैंट पहनकर निकला था। वह कार से गया था।पुलिस का कहना है कि युवक की तलाश के लिए टीम लगाई गई है। पिता रामचंद्र पटेल ने थाने गुमशुदा की तहरीर दिया। थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करके आसपास के क्षेत्रों में छानबीन के साथ सर्विलांस के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है।

डॉ. बृजेश महादेव को मिला ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड

सोनभद्र। जिले के चोपन ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत भरहरी के नवाचारी शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ. बृजेश कुमार सिंह महादेव को भव्या फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन में ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह जयपुर स्थित सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी के कालिंदी ऑडिटोरियम में 5 अप्रैल को आयोजित हुआ, जिसमें 15 देशों सहित लगभग 200 विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। डॉ. बृजेश महादेव वर्तमान में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी, नगवां (सोनभद्र) में वरिष्ठ शिक्षक एवं ब्लॉक स्काउट मास्टर के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें यह सम्मान शिक्षा, साहित्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान और उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया।डॉ. महादेव इससे पूर्व भी एशियन एजुकेशन अवॉर्ड, नेशनल बिल्डर्स अवॉर्ड एवं राज्य आईसीटी अवॉर्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं।वे एक प्रख्यात शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान केवल कक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि संस्थागत विकास, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण उत्थान तक विस्तृत है।उनके द्वारा एक दर्जन से अधिक पुस्तकों का लेखन एवं प्रकाशन किया जा चुका है। डॉ बृजेश महादेव सर्च लुक शोध पत्रिका, साहित्य सरोवर ई-पत्रिका एवं बैसवार दर्पण सामाजिक पत्रिका का संपादन भी कर रहे हैं।डॉ. महादेव का मानना है कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है।

1591 दिव्यांगों और 40 वरिष्ठ नागरिकों को मिले 2.17 करोड़ के सहायक उपकरण

देवरिया। आईटीआई परिसर में सोमवार को भारत सरकार की एडीआईपी (अउ्क्द्) एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में 1631 दिव्यांगजन व वरिष्ठ नागरिकों को 2.17 करोड़ रुपये की लागत के कुल 2033 सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री बी.एल. वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम के अंतर्गत मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल 192, ट्राइसाइकिल 533, व्हीलचेयर 275, हियरिंग एड 514, वॉकिंग स्टिक 354, स्मार्ट केन 109 तथा टीएलएम किट 56 सहित कुल 2033 सहायक उपकरण लाभार्थियों को प्रदान किए गए। सबका साथ-सबका विकासह्व का संकल्प धरातल पर: बी.एल. वर्मा * मुख्य अतिथि श्री बी.एल. वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह शिविर सेवा, संवेदना और संकल्प का प्रतीक है तथा दिव्यांगजनों को दया नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार के साथ मुख्यधारा में लाने का कार्य किया जा रहा है।

मंत्रियों ने किया संबोधित

जनपद के प्रभारी मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा के प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता का नया संचार करेंगे।

जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

सदर सांसद श्री शशांक मणि त्रिपाठी एवं सलेमपुर सांसद श्री रामशंकर विद्यार्थी ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि राजीव मणि, नगरपालिका बरहज की चेयरमैन श्वेता जायसवाल एवं ब्लॉक प्रमुख पथरदेवा सुब्रत शाही सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रशासनिक व्यवस्था रही चुस्त-दुरुस्त

जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने बताया कि एलिम्को (अछक्टउड) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु क्यूआर कोड एवं फोटो सत्यापन की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि 16 विकास खंडों से बसों के माध्यम से लाभार्थियों को लाया गया, जहां पेयजल, भोजन, चिकित्सा सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं मुख्य विकास अधिकारी श्री राजेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए तथा उन्हें माला पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया। सहायक उपकरण पाकर कई लाभार्थी भावुक नजर आए और उन्होंने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट झलक रहा था।

● देवरिया में सेवा और संकल्प का संगम

हर्षोल्लास से मुस्लिम जोड़ों का निकाह सम्पन्न

इटावा। स्टेशन रोड नारायण धाम में ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड इटावा यूनिट की तरफ से एक साथ एक छत के नीचे पांच मुस्लिम जोड़ों का निकाह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। शादी समारोह में मुख्य अतिथि पहुंचे अल्लामा व मौलाना हजरत सैय्यद अशरफ अशरफी मियां कछौछा शरीफ राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड की मौजूदगी में निकाह संपन्न हुआ। निकाह के बाद हजरत मौलाना अशरफ अशरफी मियां ने उन पांच जोड़ों के लिए और जिन लोगों ने शादी सम्मेलन भाग लिया और जिन लोगों ने शादी सम्मेलन में अपना सहयोग एवं योगदान दिया। उन सभी लोगों के लिए हजरत ने खुदा से दुआ मांगी और कहा कि जिन लोगों ने शादी सम्मेलन में अपना योगदान दिया उनका जीवन खुशियों भरा बना रहे और खुदा उनको हर बुरी नजर से बचाए। और उनके कारोबार में खुदा बरक्कत अता फरमाए एवं हर बीमारी, परेशानियों से उन सभी को खुदा बचाए। कार्यक्रम में पूर्व ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड इटावा यूनिट के जिलाध्यक्ष हाजी शेख शकील अहमद, जिलाउपाध्यक्ष अजहर फरीदी, प्रवक्ता मोहम्मद आमीन, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अजीम मो.अज्जम आदि इटावा यूनिट की टीम के पदाधिकारी ने अल्लामा मौलाना हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ अशरफी मियां का गलपोशी कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम का आगाज हाफिज मोहम्मद कैफ ने अपने कुरान पाक की तिलावत से किया। संचालन मशहूर शायर इंतखाब आलम रौनक इटावी ने अपने खूब खूबसूरत शायराना अंदाज में किया। इटावा, फिरोजाबाद, औरैया, भिंड आदि जनपदों से आए दूल्हा दुल्हन के साथ उनके परिवार के लोगों भी मौजूद रहे। कौमी तहफ्फुज कमेटी के संयोजक खादिम अब्बास, साजिद अली अशरफी, हाजी नूर मोहम्मद, तहसीन, जहीर मंसूरी, नगर अध्यक्ष मोहम्मद अनश, नगर अध्यक्ष बिलाल मुसानी भरथना, जसवंतनगर नगर अध्यक्ष अब्दुल्ला अशरफी, हाफिज जुल्फिकार, सैफ तैमूरी, समाजसेवी राजू गुप्ता, सपा नेता फरहान शकील, कांग्रेस नेता मोहम्मद राशिद, पत्रकार शारिब वारसी, निहाल खान, असलम खान, नाजिम खान, मुराद अली आदि समाजसेवी पत्रकार नेताओं ने शिरकत की।

फसल की कटाई मड़ाई, और धूप से बाजारों चौराहो पर पसरा सन्नाटा

भटनी (देवरिया)। नगर एवं क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज धूप के चलते जनजीवन प्रभावित होने लगा है। दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा साफ देखा जा रहा है। नगर के मुख्य बाजार के गांधी चौक, चूड़ा गली, सब्जी मंडी, रामलीला मैदान चूड़ी गली सहित नूरीगंज तक फैले बाजारों में आम दिनों की अपेक्षा काफी कम भीड़ नजर आ रही है।भीषण गर्मी और तपते धूप के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दोपहर के समय दुकानदार भी ग्राहकों के इंतजार में खाली बैठे दिखाई दे रहे हैं। बाजार में चहल-पहल कम होने से व्यापार पर भी असर पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते दोपहर में निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं, दुकानदारों ने बताया कि सुबह और शाम के समय ही थोड़ी बहुत भीड़ हो रही है, जबकि दिन में बाजार लगभग सूना पड़ जा रहा है।

भारतीय किसान क्रांति यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का में हुआ स्वागत

इटावा। लखनऊ से चलकर इटावा पहुंचने पर भारतीय किसान क्रांति यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रिषी मिश्रा का इटावा में व्यापारियों एवं किसानों ने जोर दार स्वागत किया, लखनऊ से मैनपुरी जाते समय इटावा में समृद्धि अस्पताल के पास नेशनल हाईवे पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित, युवा जिलाध्यक्ष रियाज अब्बासी के नेतृत्व में पहुंचे दर्जनों व्यापारीयों और किसानों ने फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रिषी मिश्रा ने कहा कि किसान और व्यापारी एक दूसरे के पूरक हैं, आज सबसे ज्यादा शोषण इनका ही हो रहा है। आलोक दीक्षित ने कहा कि किसान और व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इटावा में भी भारतीय किसान क्रांति यूनियन के बैनर तले एक मजबूत किसान संगठन का गठन किया जाएगा जिससे किसानों की लड़ाई मजबूती से लड़ी जायेगी।

फाजिलनगर की 7 सड़कों का होगा कायाकल्प, लगभग 5 करोड़ स्वीकृत

जिला संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा के सतत प्रयासों का परिणाम है कि विधानसभा क्षेत्र की सात महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण को ह्यत्वरित आर्थिक विकास योजनाह्व के अंतर्गत लगभग 5 करोड़ की स्वीकृति मिल गई है। शासन द्वारा पहली किस्त भी जारी कर दी गई है।

जिससे जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार पाण्डेय बरदहा से जोगिया सोमाली पट्टी जाने वाली 1.1 किमी लंबी सड़क, ग्राम सभा बेलवा कारखाना से बकुलहर जाने वाली 0.93 किमी सड़क, सीताराम चौराहे से बरवा खास टोला तक 0.57 किमी मार्ग, ग्राम सभा भेलेया से अतरडीहा तक 0.80 किमी सड़क, ग्राम सभा देवरिया वृत से अमरवा तक 0.97 किमी मार्ग, ग्राम सभा गुरवलिया में

मुख्य मार्ग से गांव तक 0.66 किमी सड़क तथा पटहेरवा-तुर्कपट्टी मार्ग से करमैनी गांव को जोड़ने वाली 1.9 किमी लंबी सड़क का निर्माण कराया जाएगा।बताया जाता है कि इन सड़कों के निर्माण की मांग क्षेत्रीय लोगों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी।

जनता की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने शासन को पत्र लिखकर पहल की। जिसके फलस्वरूप इन परियोजनाओं को स्वीकृति मिली और धनराशि भी अवमुक्त कर दी गई। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी मिलते ही ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश जायसवाल,भाजपा जिला उपाध्यक्ष पशुपतिनाथ जायसवाल,जिला मंत्री डा. कन्हैया शर्मा,बरिष्ठ भाजपा नेता इंद्रजीत कुशवाहा, ग्रामप्रधान संघ अध्यक्ष व सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, मंडल अध्यक्षगण राणाप्रताप सिंह, शेषनाथ मिश्र, अमलेश तिवारी, भाजपा नेता कुलदीप उपाध्याय, मनोज चौबे, अरविंद कुशवाहा, राना सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने खुशी जताई।

उन्होंने विधायक श्री कुशवाहा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह पहल क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी। बेहतर सड़क संपर्क से जहां एक ओर दैनिक जीवन आसान होगा, वहीं व्यापार, कृषि और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

पत्रकार से गनर ने की बदसलूकी, पीड़ित ने एसपी को पत्रक सौंपकर की कार्रवाई की मांग

कुशीनगर। रामनवमी के पावन अवसर पर आयोजित शोभा यात्रा के दौरान एक पत्रकार के साथ कथित बदसलूकी का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित पत्रकार ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर करवाई की मांग की है।

पीड़ित पत्रकार पडरौना कोतवाली क्षेत्र के बलोचहा निवासी एवं एक हिंदी दैनिक के जिला संवाददाता विनय उपाध्याय ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कुशीनगर को संबोधित प्रार्थनापत्र एएसपी को देकर आरोप लगाया है कि नगर पालिका पडरौना अध्यक्ष के सरकारी गनर ने सार्वजनिक रूप से उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और धमकी भी दी। घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में रामनवमी की शोभा यात्रा निकाली जा रही थी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

पीड़ित पत्रकार का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष से फोन पर शिकायत की, लेकिन कार्रवाई के बजाय गनर का पक्ष लिया गया। इस घटना से पत्रकार समुदाय में रोष व्याप्त है और इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताया जा रहा है। पीड़ित ने अपने लिखित शिकायत में पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि एक जिम्मेदार पत्रकार को समाज के सामने अपमानित करना न केवल व्यक्तिगत गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को भी कमजोर करता है।

इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है और स्थानीय पत्रकार संगठनों द्वारा भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की जा रही है। सभी की नजरें अब पुलिस प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अधीक्षक ने मामले में जांच के निर्देश दिए।

गैस एजेंसी पर होम डिलेवरी शुरू : 414 गैस सिलिंडर का हुआ वितरण

भटनी(देवरिया)सुमित्रा गैस ऐजेंसी द्वारा नियमित रुट चार्ट बनाकर होम डिलेवरी शुरू कर दी गयी है ।इसके बावजूद भी कुछ उपभोक्ता गैस की गोदाम पर आते जाते देखे जा रहे है ।गोदाम पर पुरी तरह से गैस का वितरण बन्द हो गया है ।अब बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं के घर गैस पहुँचाने कार्य हो रहा है ।होम डिलेवरी होने के बाद गैस गोदाम पर सुबह से ही उपभोक्ताओं का भारी हूजूम आकर कभी हंगामा तो कभी सडक जाम करने जैसा कार्य अब बन्द हो गया है । जिससे कुछ लोगो को निराशा हाथ लगी है तो कुछ लोगो को बिना दौड भाग के ही गैस घर पहुंच जा रहाहै ।जिससे प्रशासन व गैस वितरण करनेवाले ऐजेंसी के कर्मचारी व प्रोपोराईटर राहत के सांस ले रहे है

गैस उपभोक्ता के मामले में सुमित्रा इंडेन गैस सर्विस भटनी जिले में दुसरे स्थान पर है ।यहाँ लगभग 28हजार से अधिक गैस उपभोक्ता हैं ।उपभोक्ताओं के सहुलियत के लिए रोस्टर बनाकर सात वाहनो के चालको का नाम उपभोक्ताओं का नाम मोबाईल नम्बर देकर गैस भर कर गोदाम से दो दर्जन गाँवो के लिए रवाना कर गैस वितरण राजस्व विभाग के देखरेख में वितरण कराया जा रहा है ।

इस सम्बन्ध में गैस ऐजेंसी के प्रोपोराईटर पियुषजायसवाल ने बताया कि सात वाहनों से 415गैस का वितरण सोमवार कराया गया है ।बैक लाँक को धीरे.धीरे समाप्त करने का पुरा प्रयास किया जा रहा ।जिसमे उपभोक्ताओं को गैस की किल्लत से निजात मिल जाय ।गैस की आपूर्ति नियमित होती रही तो अब जल्द ही बैक लाँक भी पुरा हो जायेगा ।

यहां तो गैस किल्लत के अफवाह के कारण जो उपभोक्ता कभी गैस नही उठाते थे वे भी किसी माध्यम से गैस उठाने लगे ।जिससे ऐसे डम्प पडे उपभोक्ताओं के गैस भी अचानक उठने लगे ।

जिससे काफी समस्या उत्पन्न हो गयी ।हमारी पुरी कोशिश रहेगी कि गैस का वितरण नियमित इसी तरह से चलता रहा रहेगा ।

प्रोपोराईटर पियुष जायसवाल ने उपभोक्ताओ से बुंकिग के बाद गैस गोदाम पर गैस लेने न आने की अपील करते हुए कहा कि बुकिंग के बाद कार्यालय परडी ए सी नम्बर के साथ आकर जाँच कराकर डिलेवरी के कागजात निकाल कर लें जाय ।गैस आपके घर पहुंच जायेगा ।गोदाम पर आने की आवश्यकता नही है ।

खराब ट्रक में भिड़ा डंपर , दो भाइयों की मौत

इटावा। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में इटावा-कानपुर हाईवे पर स्थित विचारपुरा गांव के सामने शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार डंपर मोरंग से भरा डंपर हाइवे पर खड़े मिनी ट्रक में पीछे से घुस गया, जिससे मिनी ट्रक में आई खामी को ठीक कर रहे चालक परिचालक की डंपर से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार सुबह हादसा करीब 4 बजे हुआ। जोरदार धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मृतकों की पहचान औरैया जनपद के थाना कंचैसी, दिबियापुर क्षेत्र के चंद्रपुर निवासी चचेरे भाइयों के रोहित (25) पुत्र रामकृष्ण ट्रक चालक और नितिन (19) पुत्र रामकुमार शंखवार परिचालक के रूप में की गई। स्वजन ने बताया गया कि दोनों खाली ट्रक लेकर रविवार रात 9 बजे दिल्ली माल लादने जा रहे थे। लेकिन विचारपुरा के पास आगे चल रहे डंपर से टकराने के कारण यह हादसा हो गया। स्वजन के अनुसार, रोहित की शादी दो वर्ष पहले गीता से हुई थी। उसके एक बेटा देव डेढ़ वर्ष और एक बेटी 4 माह की जाह्नवी है। वहीं नितिन अविवाहित था और अपने पीछे माता-पिता, दो भाई और दो बहनों को छोड़ गया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन भी मौके पर पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी केके मिश्रा ने बताया डंपर में ट्रक घुसने से चालक परिचालक की मौत हुई है। दोनों की पहचान के बाद पोस्टमार्टम कार्यवाही के बाद शवों को स्वजन के सुपुर्द किया गया है। डंपर की तलाश की जा रही है। रोहित के पिता रामकृष्ण मजदूरी करते है। बड़ा भाई ऋषभ फांसी लगाकर एक साल पहले खत्म हो गया था। परिवार की जिम्मेदारी उसके कंधे पर ही थी।

पट् टे की भूमि पर कब्जे को लेकर पट्टा धारकों ने दिया धरना

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम रहसु जनूबी पट्टी में पट्टे पर कब्जे की मांग को लेकर चल रहे धरने के 29 वें दिन पट्टा धारकों ने अब कसया तहसील परिसर में धरना दिया और चेताया कि जबतक कब्जा प्रशासन नहीं दिलवाएगा तबतक दिन रात धरना जारी रहेगा। धरने का नेतृत्व कर रहे अविनाश गोंड और प्रियेश गोंड ने कहा कि 32 वर्ष पहले सरकार ने गांव के 177 लोगों को पट्टा दिया था लेकिन आज तक कब्जा नहीं मिला। जो पट्टा धारक मर गए उनके वारिसों का नाम भी दर्ज किए जा रहे हैं। धरने में काफी संख्या में पट्टा धारक मौजूद रहे। उधर प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि ग्राम रहसूजनूवी पट्टी तप्पा खान के सीलिंग पट्टेदारो का पट्टे के कब्जे को लेकर तहसील में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इस बाबत अपनी रिपोर्ट में बताया कि धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अविनाश गोड़ पुत्र लक्ष्मी गोड़ के प्रार्थना पत्र पर जिलाधिकारी कुशीनगर द्वारा जाँच कमेटी बनाई गई। जिसके अनुसार उक्त कमेटी में नामित उपजिलाधिकारी (न्यायिक) कसया व उपनिबन्धक कसया व नायब तहसीलदार कसया द्वारा मौके पर जा कर स्थलीय एवं अभिलेखीय जाँच की गयी। जिसका मुख्य सांराश सीलिंग पट्टा जो 24 दिसंबर 93 में हुआ उसके विरु?द्ध उपेन्द्र सिंह आदि बनाम उ०प्र०सरकार में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या- 47794/ 2002 के द्वारा 01 नवंबर 2002 को स्थगन आदेश पारित हुआ, जो वर्तमान में भी प्रभावी है साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि सीलिंग प ?ट्टा आंवटन आदेश 24 दिसंबर 93 से ही प ?ट्टेधारको का कभी कब्जा दखल नहीं रहा है। उक्त स्थगन आदेश व गठित जॉच कमेटी के रिपोर्ट से पट्टेदारो एवं धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अविनाश गोड़ व प्रियेश गोड़ को अवगत करा दिया गया कि स्थगन आदेश समाप्त होने पर कब्जा दखल दे दिया जायेगा। वर्तमान में जमीन खाली है, कोई निर्माण कार्य नही हो रहा है।

नो एंट्री के बावजूद बाजार में घुस रहे वाहन, जाम से लोग परेशान

भटनी (देवरिया) ।स्थानीय नगर के 115 नंबर रेलवे ढाला पर उपगामी सेतु निर्माण कार्य के चलते नगर के मुख्य मार्ग पर सुबह 9 बजे से सायं 6 बजे तक चार पहिया वाहनों एवं ई-रिक्शा के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। नगर प्रशासन द्वारा नो एंट्री के बोर्ड लगाए जाने के साथ ही थाने से सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी की गई है, लेकिन इसके बावजूद वाहन चालक नियमों की अनदेखी कर मुख्य बाजार में प्रवेश कर जा रहे हैं।

मौका मिलते ही चार पहिया वाहन एवं ई-रिक्शा चालक गांधी चौक से होते हुए रामलीला मैदान तक पहुंच जा रहे हैं, जिससे बाजार में आए दिन जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। इससे स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया गया है कि 115 नंबर रेलवे ढाला पर उपगामी सेतु निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही नगर पंचायत द्वारा रूट डायवर्जन लागू किया गया था। इसके तहत विकास चौक से होकर ही छोटी गाड़ियों का आवागमन निर्धारित किया गया है।

इसके बावजूद वाहन चालक अपनी आदतों में सुधार नहीं कर रहे हैं, जिससे जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है।

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि नो एंट्री प्वाइंट पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि मुख्य बाजार में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिल सके।

सूचना

सूचित हो कि मेरी पॉलिसी सं. 295396167 में मेरा घरेलू नाम विशाल कुमार राय दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड व बैंक खाता में मेरा नाम आर्यन राय दर्ज है। दोनों मेरे ही नाम हैं। **आर्यन राय पुत्र उमाशंकर राय नि.- शहीद अमिय त्रिपाठी नगर वार्ड सं.- 26 नगरपालिका परिषद कुशीनगर।**

न्यायालय सूचना

न्यायालय श्रीमान एफ.टी.सी.(डब्ल्यू) फैजाबाद।
तारीख पेशी 24.04.2026
अन्तर्गत धारा 12 घरेलू हिंसा निवारण अधि.
रीनू विश्वकर्मा ...परिवादी
बनाम
1. गुरूप्रीत सिंह पुत्र कुलदीप सिंह- पति
2. कुलदीप सिंह पुत्र अज्ञात - ससुर
3. मंजीत कौर पत्नी कुलदीप सिंह- सास
4. सर्वजीत सिंह पुत्र अज्ञात - बहनोई
5. अर्शदीप पुत्र अज्ञात - बहनोई
6. जगदीप पुत्र अज्ञात - बहनोई
7. पलविन्दर पुत्र अज्ञात - बहनोई
8. संदीप पत्नी जगदीप
9. राजवीर पत्नी पलविन्दर
10. अर्शदीप की पत्नी
11. सर्वजीत की पत्नी
समस्त निवासीगण बीरखेड़ा पो. कालीनगर पुरनपुर पीलीभीत उ.प्र.। ...विपक्षीगण

याची ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005(2005 का 43 की धारा) के अधीन आवेदन(ओं) को फाइल किया है

आपको यह कारण बताने के लिए ही क्यों न आवेदक द्वारा किये गये अनुतोष(ओ) को आपके विरूद्ध मंजूर कर दिया जाए व्यक्तिगत रूप अथवा इसे न्यायालय द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत काउंसेल के मार्फत तिथि 24.04.2026 को 10 बजे पूर्वाहन/अपराहन में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का एतद्द्वारा निर्देश दिये जाता है, जिसमें असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीये कार्यवाही करेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तिथि 20.03.2026 को दी गई।

सिविल जज जूनियर डिवीजन
एफ.टी.सी.(डब्ल्यू/ओ) फैजाबाद।

अध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने भाजपा का 47वां स्थापना दिवस मनाया

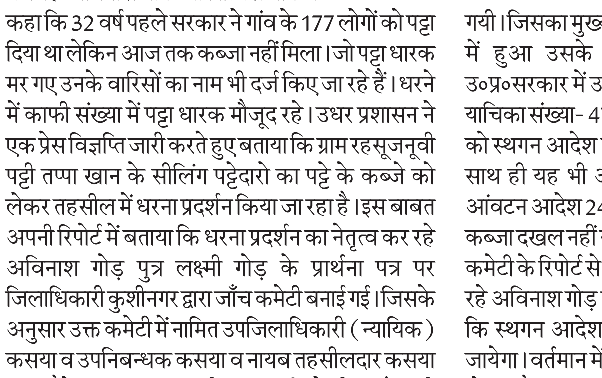

इटावा। भारतीय जनता पार्टी भाजपा का अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता की अध्यक्षता में वरिष्ठ कार्यकर्ता स्वागत-सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने पार्टी का ध्वजारोहण कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। सदर विधायक सरिता भदौरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस केवल एक राजनीतिक दल की स्थापना का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, सुशासन और भारत को विश्व में गौरव दिलाने के संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम में डॉ. रमाकांत शर्मा, राजेंद्र गुप्ता, कमलाकांत शर्मा, राजबहादुर यादव, दिवाकांत शुक्ला, रामसेवक दुबे, रामकुमार त्रिपाठी, प्रेम नारायण त्रिपाठी, सुरेश मिश्रा व रामकुमार वाजपेयी आदि को भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने अंगवस्त्र व फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। 47 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, प्रेमदास कठेरिया, पूर्व विधायक डॉ. सिद्धार्थशंकर दोहरे, निवर्तमान जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. रमाकांत शर्मा, गोपाल मोहन शर्मा आदि ने सम्बोधित किया। संचालन जिला महामंत्री जितेंद्र गौड़ ने किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री सतेंद्र राजपूत, जिलामहामंत्री हरनाथ कुशवाह, हरिकिशोर तिवारी, विनीता गुप्ता, लखना चेयरमेन गणेशशंकर पोरवाल, अनूप जाटव, आयुष राज, जिलाउपाध्यक्ष विरला शाक्य, अशोक चैबे, अमित तिवारी, बासु चैधरी, संजीव भदौरिया, यशवर्धन चैधरी, जिलामंत्री राजकमल यादव, अभिषेक मिश्रा, मधु तोमर, संजू बाबू शाक्य, प्रीति दुबे, सुरेश राजपूत, जितेंद्र पाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी रोहित शाक्य, अंकित सैनी, विमलेश शाक्य, दीपू चैहान सहित पार्टी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थिति रहें।

मुसहर समुदाय के पात्र परिवारों को पट्टा भूमि पर कराया गया कब्जा

● खड्डा तहसील में 12 मुसहर परिवारों को आवासीय पट्टा भूमि पर मिला विधिवत कब्जा
● वंचित परिवारों को अधिकार दिलाने की दिशा में प्रशासन की महत्वपूर्ण कार्यवाही

कुशीनगर। जनपद के नगर पंचायत छितौनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम/मोहल्ला कुलहा, तहसील खड्डा में निवासरत मुसहर समुदाय के परिवारों को आवासीय पट्टा भूमि पर विधिवत कब्जा दिलाने की कार्यवाही प्रशासन द्वारा सम्पन्न कराई गई ।जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निदेर्शानुसार पूर्व में आवंटित आवासीय पट्टों की जांच एवं सत्यापन उपजिलाधिकारी खड्डा के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस टीम की संयुक्त उपस्थिति में आज दिनांक 06 अप्रैल 2026 को किया गया। जांच उपरांत कुल 12 मुसहर परिवारों को उनके आवंटित पट्टा भूमि पर मौके पर ही कब्जा दिलाया गया, जिससे संबंधित परिवारों में संतोष एवं सुरक्षा की भावना स्थापित हुई। कब्जा प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में नन्हू पुत्र गुलाब मुसहर, रामबली पुत्र मोती मुसहर, चंदर पुत्र मेघू मुसहर, रामजीत पुत्र विदेशी मुसहर, नंदू पुत्र मुनेसर मुसहर, निरहारी पुत्र सुखराज मुसहर, राजधारी पुत्र सुखराज मुसहर, जगदीश पुत्र सुखराज मुसहर, बाबूलाल पुत्र सुखराज मुसहर, रामप्यारे पुत्र गुलाब मुसहर, जित्तू पुत्र नारायण मुसहर एवं लालजी पुत्र रामप्यारे मुसहर शामिल हैं।

उक्त कार्यवाही के दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम उपस्थित रही तथा शांतिपूर्ण वातावरण में सभी पात्र लाभार्थियों को भूमि पर कब्जा दिलाया गया। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो तथा पात्र परिवारों को शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र एवं वंचित वर्गों को उनके अधिकार दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भविष्य में भी ऐसे प्रकरणों में त्वरित एवं पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बच्चों द्वारा स्कूल चलो अभियान निकाली गई जागरूकता रैली

देवरिया । आज सदर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय बगहा मठिया में स्कूल चलो अभियान (प्रथम चरण) के तहत रैली निकाली गयी। रैली का शुभारंभ प्रभारी प्रधानाध्यापिका इंद्रावती देवी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया।

रैली स्कूल गेट से शुरू हुई। रैली में बच्चे नारे लगाते हुए ₹आधी रोटी खायेंगे, स्कूल पढ़ने जायेंगे₹, ।₹हर बच्चे की एक पुकार स्कूल जाना है इस बार ₹ के साथ गांव के विभिन्न गलियों से गुजरती हुई आगे बढ़ी ।

भीड़तंत्र में उलझता कानून

पश्चिम बंगाल में भयानक चुनावी हिंसा, राजनीतिक विरोधियों का कत्ल, पंचायत चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी से असहमत लोगों का जान बचाने के लिए राज्य से पलायन। बड़ी संख्या में सत्तादल के उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन, जांच अधिकारियों पर हमला और सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर काम कर रहे न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना। ये सब इस बात के ठोस प्रमाण हैं कि राज्य में प्रशासनिक मशीनरी कानून-कायदे से नहीं चल रही। इसे आसान भाषा में कार्यशील अराजकता या जंगलराज भी कहते हैं। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में ऐसा हिंसक उत्पात मचाया गया कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की नींद ही उड़ गई। वह आधी रात के बाद 2 बजे तक जागते रहे और प्रयास करते रहे कि बंधक बनाये गये 7 न्यायिक अधिकारी सुरक्षित मुक्त हो जाएं। उन अधिकारियों में 3 महिलाएं भी थीं। प्रधान न्यायाधीश ने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फोन किए। मुख्य न्यायाधीश ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक को फोन कर बंधक अधिकारियों को मुक्त कराने का आग्रह किया। उन्हें आश्वस्त किया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। देश के प्रधान न्यायाधीश का कहना है कि रात के 11 बजे तक मालदा के डीएम और एसएसपी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे। अधिकारियों को दोपहर बाद 3.30 बजे के करीब बंधक बनाया गया था। उन 8-9 घंटों के अंतराल में कोई भी अनहोनी हो सकती थी! हजारों की भीड़ उस दफ्तर के बाहर बेहद उत्तेजित और आक्रोशित थी।

पश्चिम बंगाल में न्यायिक अफसरों के साथ जो कुछ हुआ वह सीधे-सीधे जंगल राज का स्पष्ट उदाहरण है।

उनके हाथों में लाठियां, डंडे, पत्थर थे। भीड़ ने कारें तोड़ीं, उनमें आग लगाई और पथराव किए। कमोबेश यह लोकतंत्र की अभिव्यक्ति नहीं थी। यह गुंडागर्दी ही नहीं, खतरनाक जंगलराज का मंजर था। अंततः जस्टिस सूर्यकांत को मौखिक आदेश देना पड़ा और सुरक्षा बलों ने उन न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षित मुक्त कराया। सर्वोच्च अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था के पुलिस प्रमुख, क्षेत्र के पुलिस आयुक्त और जिले के डीएम, एसएसपी को कारण बताओ नोटिस जारी कर 6 अप्रैल को अदालत में ऑनलाइन पेश होने के आदेश दिए और सुनवाई के दौरान कड़ी फटकार भी लगायी है। मुख्य सचिव से संपर्क न होने, डीजीपी के द्वारा उचित कार्रवाई नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जतायी है। वैसे यह पर्याप्त नहीं है। संभव है कि कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया ऐसे ही चलती होगी, लेकिन भीड़ ने न्यायिक अधिकारियों पर जिस तरह हमला किया और उन्हें करीब 9 घंटे तक बंधक बनाये रखा, कमोबेश यह लोकतंत्र के लिए अति घातक है। न्याय और कानून-व्यवस्था का सीधा उल्लंघन है और लोकसेवकों के काम में आपराधिक अड़चन है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने भी माना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, साजिश और आपराधिक अवमानना है। हर कोई राजनीतिक भाषा बोल रहा है। दरअसल यह न्यायिक अधिकारियों पर मनोवैज्ञानिक हमला है। अब सवाल यह है कि क्या यह उन लोगों की आक्रामक प्रतिक्रिया, गुस्सा, आक्रोश है, जिनके मताधिकार छीन लिए गये? किन्हीं भी कारणों से उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गये? लिहाजा यह घटना उत्पात, हुड़दंग, हिंसा के अलावा, चुनाव आयोग के लिए एक गंभीर चुनौती भी है। आयोग को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तटस्थ और गैर-राजनीतिक तौर से पुनर्विचार करना चाहिए। संविधान ने चुनाव आयोग को शक्तियां दी हैं, तो देश के नागरिकों को भी मौलिक अधिकार दिए हैं। बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाताओं को तार्किक विसंगति श्रेणी में रखा गया था। उनमें से करीब 13 लाख मतदाताओं पर अभी अंतिम निर्णय लिया जाना है। सर्वोच्च अदालत के आदेश पर न्यायिक अधिकारी उसी जांच में जुटे रहे हैं। दरअसल सभी नागरिकों को जो मतदान करने की योग्यता रखते हैं उनका नाम मतदाता सूची में होना जरूरी है लेकिन उतना ही जरूरी यह भी है कि मतदाता सूची में एक भी ऐसा नाम न हो जो भारत का नागरिक नहीं है। इसलिए इस पर संतुलित कार्यवाही होनी चाहिए।

विचार

अपनी उन्नति और शत्रु का विनाश-यही दो नीति है। इन्हीं को अंगीकार करके कुशल पुरुष अपनी वाक् चतुरता का विस्तार करते हैं।

-माघ.

जो मूर्ख दुष्टों का साथ करता है, वह अपने हाथों से अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारता है।

-बृंद.

सबसे कठिन तीन वस्तुएं हैं- एक रहस्य को अप्रकट रखना, कष्ट को भूल जाना और अवकाश का सदुपयोग करना।

-चिलो.

विनम्रता से अच्छी कोई नीति नहीं। जहां होशियार जुबान असफल हो जाती है, वहां अच्छा व्यवहार बहुत काम कर जाता है।

-मेंगून.

चिंता से ही चिंता दूर होती है। धोखा देकर इसे रोकने का प्रयस करने से परिणाम उल्टा होता है।

-रवीन्द्र नाथ टैगोर.

आपदाओं से बचाव का करें स्थायी इंतजाम

नरेंद्र शर्मा

चिंतन

गत वर्ष बाढ़, भू-स्खलन, बादल फटने और बिजली आदि गिरने से देश में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। जिसमें सबसे ज्यादा मौतें उत्तराखंड, हिमाचल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र आदि में हुईं। अगर देश के अलग अलग राज्यों के अनुमानित नुकसान को समग्रता में देखा जाए, तो लगभग बीस हजार करोड़ रुपये का नुकसान बीते साल पूरे मानसून के दौरान 20 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का नुकसान हुआ। बारिश का पैटर्न ज्यादातर राज्यों में बहुत स्ट्रांग था और जिन राज्यों में कमजोर था, वहां बारिश न होने से कई सौ करोड़ रुपये के नुकसान का भी अनुमान था। सवाल है जब हर साल भारत में बाढ़ एक आपदा बनकर आती है, तो आजादी से अब तक करीब 78 सालों में विभिन्न सरकारों ने इससे निपटने का कोई स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किया? क्या इसकी वजह यह है कि इस मौसमी आपदा से शासन-प्रशासन में बैठे बहुत से लोगों को अच्छी खासी कमाई हो जाती है? ये लोग मालामाल हो जाते हैं? इसलिए हर साल हजारों जानें, जाने और करोड़ों अरबों रुपये का नुकसान होने के बावजूद देश में शासक प्रशासक वर्ग इस आपदा को गंभीरता से नहीं लेते? कहीं इसके पीछे राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी तो नहीं है? बाढ़ से जुड़ी योजनाएं अकसर लंबी अवधि की होती हैं और इनका चुनावों में किसी तरह का फायदा नहीं मिलता, क्योंकि बारिश के तुरंत बाद या बारिश के आसपास कभी चुनाव नहीं होते। आम चुनाव आमतौर पर या तो मार्च, अप्रैल में होते हैं या सर्दियों में और भारत में किसी भी आपदा को भुलाने के लिए 60 से 90 दिन बहुत होते हैं। इसलिए बाढ़ से जो विभीषिका पैदा होती है, जनधन की हानि होती है, उसका कोई असर चुनावों पर नहीं पड़ता और अगर चुनाव का साल न हो, तब तो बाढ़ जैसी परेशानियों के बारे में सोचा भी नहीं जाता। सवाल है क्या साल 2025 में जून और जुलाई के पहले हफ्ते में जो सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है, उसके कारण देश की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ या

> जब हर साल भारत में बाढ़ एक आपदा बनकर आती है, तो आजादी से अब तक करीब 78 सालों में विभिन्न सरकारों ने इससे निपटने का कोई स्थायी इंतजाम क्यों नहीं किया? क्या इसकी वजह यह है कि मौसमी आपदा से शासन-प्रशासन में बैठे बहुत से लोगों को अच्छी खासी कमाई हो जाती है?

नुकसान। इससे भी बड़ी बात है कि जो नुकसान हुआ होगा, क्या उसके बारे में अगली बार नुकसान न हो, ऐसा गंभीरता से सोचा जायेगा? या फिर जैसे पिछले लगभग 78 सालों से चला आ रहा है, वैसा ही रूटीन साल होगा? याद रखिए, अगर हम बाढ़ को लेकर इतना ही उदासीन रहे, तो सन 2047 तक हम भारत को विकसित बनाने का जो ख्वाब देखते हैं, वह ख्वाब ही रह सकता है। यह समस्या भले अपने अपने फायदों के कारण शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण जगहों पर बैठे लोग न समझते हों, लेकिन देश के आम लोग जो इस बाढ़ से हर साल पीड़ित होते हैं, वो बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए साल 2025 की सामान्य से बेहतर बारिश खुशियों के साथ जो समस्याओं पुलिंदा लेकर आयी थी, उसके बारे में अब गंभीरता से सोचना होगा, नहीं तो इस आपदा को लेकर हमारा यह चालू रवैय्या हमें हमेशा के लिए इसके साथ नत्थी कर देगा।

हम सब जानते हैं कि भारत आज भी मूलतः कृषि प्रधान देश है। भले हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे पायदान पर पहुंच गई हो और इस अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी सिर्फ 18.2 फीसदी हो, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की अभी भी 42 फीसदी आबादी सीधे तौर पर और करीब 10 फीसदी आबादी अप्रत्यक्ष तौर पर कृषि पर ही निर्भर है। इस तरह देखें तो खेती अभी भी आधे से ज्यादा भारतीयों की जीविका है। हमारे यहां बारिश का होना इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज भी आधे से ज्यादा खेती मानसून पर ही टिकी है और देश में पेयजल का भी 60 फीसदी से ज्यादा आधार बारिश का पानी ही है। इसके अलावा देश में जो जलविद्युत बनती है, उसके लिए भी बारिश का होना बहुत जरूरी है। इसलिए भारत जैसे देश में मानसून का जल्दी आना जैसे इस साल आया अच्छी खबर मानी जाती है। मौसम विभाग के अनुसार बीते साल जून से सितंबर के बीच 106 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। बारिश की सामान्य परिभाषा में 87 सेंटीमीटर का दीर्घकालिक औसत के 96 से 104 प्रतिशत के बीच माना जाता है।

इस बार अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। जबकि कुछ क्षेत्रों में बारिश कुछ कम भी हो सकती है, जिनमें बिहार, झारखंड़, पश्चिम बंगाल, ओड़िसा के कुछ हिस्से, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य शामिल हैं। सवाल है क्या यह औसत से ज्यादा बारिश का अनुमान खेती के लिए खुशहाली की सूचना है? इसका जवाब 'हां' में भी है और 'न' में भी। क्योंकि अनुभव बताता है कि ज्यादा बारिश अपने यहां दुधारी तलवार की तरह है। यह खेती के लिए खुशखबरी भी हो सकती है और कई बार यह खेती के लिए परेशानी का सबब भी बनती है। बीते साल करीब 10 दिन पहले मानसून सक्रिय हो गया, इसलिए जुलाई के महीने में होने वाली खरीफ फसल बुआई का रकबा पिछले साल के मुकाबले 11.3 फीसदी बढ़ गया और जून की आखिरी तारीख तक ही 26.2 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की बुआई हो चुकी थी। विशेषकर धान, सोयाबीन और तिलहनों का रकबा बढ़ा है। बुआई के साथ साथ जलाशयों, नदियों और भूमिगत जल के स्तर में तेजी से पुनर्भरण हुआ है, जिससे रबी की फसल में आम सालों की तरह सिंचाई की कम जरूरत पड़ी। यही नहीं जून और मई के महीनों में औसत से कम गर्मी पड़ी है। मध्य भारत में विशेष तौरपर तापमान 4 डिग्री तक कम रहा है, जिससे गत वर्ष भीषण गर्मी वाले दिन यानी 'नौतपा' भी बाकी सालों के मुकाबले कम गर्म रहे। इस तरह मध्य भारत को बीते साल गर्मी से किसी हद तक छुटकारा मिला था। इस साल मानसून कैसा रहेगा? कितनी गर्मी पड़ेगी इस संदर्भ में आईएमडी के अनुमान अभी आने हैं। लेकिन समय से पहले बारिश आने से सबकुछ अच्छा-अच्छा ही नहीं सोचा जा सकता।

गुजरात में बीते साल 135 फीसदी तक यानी सामान्य से 30 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। चूंकि इतनी ज्यादा बारिश महज 20 दिनों के अंतराल में हुई, इसलिए इसकी तीव्रता, बारिश के पानी का प्रवाह फसलों के लिए फायदेमंद नहीं रहा। गुजरात में ही नहीं महाराष्ट्र के पुणे और मराठवाड़ा जिले में भी ज्यादा बारिश के कारण ज्वार, बाजरा, मूंगफली जैसी फसलों का 60 से 70 फीसदी तक नुकसान हुआ। इन सब बातों को देखते हुए अगर साल 2025 में कम या ज्यादा के होने वाले नुकसानों के प्रति संवदेनशील नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में हमारे लिए यह लापरवाही बहुत भरी साबित होगी। देश में विशेषकर उत्तर और पश्चिम भारत में गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। अप्रैल के पहले हफ्ते तक गर्मी सामान्य रही है, लेकिन गर्मी, वर्षा और सर्दी कब करवट बदल ले कुछ कह नहीं सकते हैं। इसलिए सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की प्रतिकूलता से बचाव के लिए स्थायी उपाय विकसित करना होगा। अन्यथा प्राकृतिक आपदायें बड़ी जन-धन हानि का कारण बनती रहेंगी।

सोशल मीडिया

मैं उन सभी परिवारों को नमन करता हूं, जिन्होंने राजनीतिक रंजिश में अपने प्रियजनों को खोया है और जिनका विश्वास भाजपा की विकास यात्रा में आज भी अटूट है। नितिन नवीन.

भारत का डेटा भारत के लोगों का है। एआई अर्थव्यवस्था में यह हमारी सबसे बड़ी ताकत में से एक हो सकता है। एआई बनाना, कंपनियों को बढ़ाना व नौकरियां बढ़ाना। राहुल गांधी

आने वाले दिनों में असम में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू कर चार शादियों पर पूरी तरह से सरकार कानूनी पाबंदी लगायेगी। अमित शाह.

संतों का जीवन

अंतर्दृष्टि

मैं पवित्र करने वालों में वायु और शस्त्रधारियों में राम हूं। इन प्रतीकों को थोड़ा हम समझें। वायु इस जगत में सर्वाधिक स्वतंत्र है और स्वतंत्रता ही पवित्रता है। वायु कहीं बंधी नहीं है, कहीं ठहरी नहीं है, कहीं उसका लगाव नहीं है, कहीं उसकी आसक्ति नहीं है। वायु एक सतत् गति है। तो पहली बात, जहां भी लगाव होगा, वहीं अपवित्रता शुरू हो जाएगी। जहां भी आसक्ति होगी, जहां भी ठहरने का मन होगा, जहां पड़ाव मंजिल बन जाएगा, वही अपवित्रता शुरू हो जाएगी। जीवन की सारी दुर्गंध, जीवन की सारी कुरूपता, जहां-जहां हम ठहर जाते हैं और जकड़ जाते हैं, वहीं से पैदा होती है। जीवन जहां भी प्रवाह को खो देता है, गति को खो देता है और जहां ठहर जाता है, जड़ हो जाता है...। जैसे नदी बहती है, तो नदी पवित्र होती है। और डबरा बहता नहीं, अपवित्र हो जाता है। डबरे में भी वही जल है, जो नदी में है। लेकिन नदी में प्रवाह है, बहाव है, जीवन है। डबरा मृत है, कोई गति नहीं है। डबरा सड़ता है, दुर्गंधित होता है और नष्ट होता है। स्वभावतः, अपवित्र हो जाता है। कृष्ण कहते हैं, पवित्र करने वालों में मैं वायु हूं। पहली बात, पवित्रता वहीं ठहरती है, जहां प्रवाह सतत् हो। पवित्रता वहीं ठहरती है, जहां कोई लगाव, जहां कोई रुकाव, जहां कोई ठहराव न आ जाए। पवित्रता वहीं ठहरती है, जहां कोई फिक्सेशन, प्राणों का अवरुद्ध होना न हो। जिसके प्राण भी वायु की तरह हैं- कहीं ठहरे हुए नहीं, कहीं रुकते नहीं, कहीं बंधते नहीं, कहीं कोई आसक्ति निर्मित नहीं करते- वही केवल पवित्रता को उपलब्ध हो पाएगा।

प्राचीन समय से संन्यासी ने प्रवाहवत जीवन व्यतीत करने को कहा है। नदी की तरह बहते रहो। महावीर ने अपने संयासियों से कहा है कि वे तीन दिन से ज्यादा कहीं रूके नहीं। तीन दिन के पहले हट जाएं। थोड़ा सोचने जैसा है। क्योंकि तीन दिन का यह राज महावीर को कैसे पता चला होगा, कहना मुश्किल है। लेकिन आधुनिक मनोविज्ञान कहता है कि आदमी को किसी भी जगह मन के लगने में कम से कम तीन दिन से ज्यादा का समय चाहिए। आप अगर एक नए कमरे में सोने जाएंगे, तो तीन रातें आपको थोड़ी-सी बेचैनी रहेगी, चौथी रात आप ठीक से सो पाएंगे। कहीं भी किसी नई स्थिति को पुराना बना लेने के लिए कम से कम तीन दिनों की जरूरत है। कम से कम। थोड़ा ज्यादा समय भी लग सकता है। महावीर ने अपने संयासियों को कहा है कि वह तीन दिन से ज्यादा एक जगह न रुकें। इसके पहले कि कोई अपना मालूम पड़ने लगे, उसे हट जाना चाहिए। क्योंकि जहां लगा कि कोई अपना है, वहीं जंजीर निर्मित हो जाती है और जिसके प्राणों पर जंजीर पड़ जाती है, उन प्राणों में कुरूपता और दुर्गंध और सड़ांध शुरू हो जाती है।

- ओशो.

सत्ता की मलाई चाटने की कला

व्यंग्यलोक

अब आत्ममंथन से मन ऊब गया है और सत्ता की मलाई चाटने को जीब लालायित हैं। मैंने अपने मित्रों से बात की या तो सरकार गिराने की चालें चलो अथवा दल बदलो, मेरा तो इस दलदल में अब दम घुटने लगा है। पूरी तरह सूखा मरूस्थल है। कण्ठ सूखे जा रहे हैं। दबे स्वर में सभी मित्रों-सहयोगियों ने स्वीकार किया कि स्थिति बड़ी विकट है। उनकी हालत भी बड़ी खराब थी, वे भी आत्म-मंथन में यही कैवल्य प्राप्त कर सके थे। सभी सत्ता के लिए लालायित थे और गलत भी नहीं था। लम्बे समय तक निर्विघ्न सरकार चलती रहे, यह हमारे मिजाज के प्रतिकूल था। एक दिन मैंने हिम्मत करके हाईकमान से ही कहा- आत्म-मंथन के इस लम्बे दौर से तो पार्टी के संगठन पर कुप्रभाव पड़ सकता है और पार्टी टूट सकती है। इसलिए हमें आत्म-मंथन के कीचड़ से बाहर निकालिये। वे बोले-घबराओ नहीं, कीचड़ में कमल खिलता है। मैंने कहा- वह तो खिला हुआ है। गठबंधन के लोग गुलछर्रें उड़ा रहे हैं और हम मरूस्थल में पानी की चाहना में भटक रहे हैं। पार्टी हाईकमान ने मुझसे कहा- यह अनुशासनहीनता है। तुम्हारे खिलाफ कार्यवाही हो सकती है। अपनी जबान को लगाम दो और चुपचाप आत्म-मंथन में तल्लीन हो जाओ।

पूरन सरमा

मैं बोला- मेरा धैर्य जवाब दे रहा है और अब मैं ज्यादा आत्म-मंथन नहीं कर सकता। वे बोले-तुम सत्तालोलुप हो-सत्तारूढ़ दल से मिल गये हो। पार्टी से बाहर जाना चाहते हो। मैं जोरों से चिल्लाया- हाँ-हाँ मैं बाहर जाना चाहता हूँ। मुझे सत्ता चाहिए। ऐसे तो मैं डूब जाऊँगा। मैं जनसेवा करने नहीं, अपनी सेवा के लिए आया हूँ राजनीति में। इतना सुनना था कि उन्होंने मुझे पार्टी से छः वर्ष के लिए निकाल दिया तथा मेरे साथ मेरे आठ साथियों को भी। अब तो मजे हो गये। मैं नेता बन गया था। गठबंधन में कुछ दल, दलदल पैदा कर रहे थे। उनको मेरी सख्त आवश्यकता थी। मैंने भी सोचा-आत्म-मंथन किया और पाया कि समर्थन देकर यदि मंत्री पद मिलता है तो मनचाहे कार्य पूरे हो जायेंगे। मैंने समर्थन दे दिया। सरकार गिरते-गिरते बच गयी। मैं भी गिरा, लेकिन सँभल गया। वे लोग अभी भी आत्म-मंथन कर रहे हैं। लेकिन आत्म-मंथन जो मैंने किया और उससे जो निकला, वह लाभदायी था और मैं प्रसन्न था। मेरे साथ जो लोग आत्म-चिंतन कर आये थे, वे भी सुखी थे। आत्म-मंथन के दलदल से निकलकर सत्ता की मलाई क्या चाटने लगा मेरी सारी मनोकामना पूरी हो गयी। इति आत्म-चिंतन पुराण।

क्या महिलाओं को अधिक नींद की जरूरत होती है

स्वास्थ्य

डॉ.माजिद अलीम

विभिन्न अध्ययनों से यह बात स्पष्ट हुई है कि महिला पुरुषों की तुलना में औसतन अधिक नींद लेती हैं। साल 2022 में किये गये एक बड़े वैश्विक अध्ययन में जिनमें 70 हजार महिलाओं का डेटा शामिल किया गया था, इस अध्ययन के नतीजों के अनुसार हर उम्र की महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद ली थी। 40 से 44 साल की महिलाओं ने इस बात को स्वीकार किया कि वे पुरुषों की तुलना में 20 से 30 मिनट ज्यादा नींद लेती हैं। कुछ अन्य अध्ययनों के आधार पर महिला और पुरुषों के नींद की गुणवत्ता पर भी जब ध्यान दिया गया तो उसमें यह तथ्य सामने आया कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को ज्यादा गहरी और आरामदायक नींद की जरूरत होती है और वो जितना गहरी नींद लेती हैं, उतना ही उनकी कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। स्वस्थ रहने के लिए हमें कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेनी चाहिए, ऐसा कहा जाता है। लेकिन महिलाओं को इतनी नींद लेने के बावजूद भी सुबह उठते समय थकावट महसूस होती है और उन्हें लगता है कि उनकी नींद पूरी नहीं हुई और उन्हें थोड़ा और सोना चाहिए। वहीं पुरुष 7-8 घंटे की नींद से ही अच्छी तरह से काम कर लेते हैं।

अच्छी नींद क्यों जरूरी है?

अच्छी नींद हमारी कार्यक्षमता में वृद्धि करती है और हमारे दिल के स्वास्थ्य और पाचनशक्ति को दुरुस्त करने के लिए और हमारी त्वचा और बालों की गुणवत्ता में भी सुधार लाती है। अच्छी नींद लेने से चिंता और अवसाद कम होता है और घर हो या बाहर हम काम में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। क्योंकि नींद के दौरान हमारे शरीर में उत्तकों की मरम्मत और मांसपेशियों की वृद्धि होती है।

नींद की कमी के नतीजे

अगर महिलाओं को पर्याप्त नींद न मिले तो उनमें हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, दिल की बीमारियां और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। इससे उनकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर होता है। नींद की कमी से तनाव, गुस्सा, उदासी और चिंता होती है। नींद की कमी से थकान बढ़ती है और काम में मन नहीं लगता। लंबे समय तक नींद कम लेने से मासिक चक्र गड़बड़ा जाता है और प्रजनन क्षमता पर भी बुरा असर होता है। यही वजह है कि महिलाओं के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। क्योंकि इसी से उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सही रहता है।

नींद का बदलता पैटर्न

नवजात शिशु या छोटे बच्चों को शारीरिक वृद्धि के लिए अधिक नींद की जरूरत होती है और वयस्क व्यक्ति को 7 से 8 घंटे की नींद चाहिए। हालांकि उम्र के साथ नींद का पैटर्न भी बदल जाता है और धीरे-धीरे गहरी नींद के कुल घंटे कम हो जाते हैं। 40 वर्ष की आयु के बाद महिला हो या पुरुष उनकी नींद के पैटर्न में परिवर्तन हो जाते हैं। विभिन्न शोधों से भी यह बात पता चलती है कि महिलाएं चूंकि दिनभर शारीरिक श्रम ज्यादा करती हैं, अपनी दैनिक गतिविधियों से उपजी थकान मिटाने के लिए महिलाओं को पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद की जरूरत होती है। क्योंकि महिलाओं की मस्तिष्क की संरचना पुरुषों की तुलना अलग और जटिल होती है। महिलाएं एक साथ कई कार्य करने और एक ही समय में अपनी बुद्धि का कई कामों के लिए इस्तेमाल करने के लिए जानी जाती हैं। यही वजह है कि उन्हें शारीरिक और मानसिक थकान ज्यादा लगती है और पुरुषों की तुलना में उन्हें ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

इसके अलावा महिलाओं में पुरुषों की तुलना में तनाव, चिंता, अवसाद के कारण अनिंद्रा की समस्या होने की ज्यादा संभावना होती है। भले ही महिलाओं को पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद की जरूरत हो, इसके बावजूद महिलाओं में अनिंद्रा का खतरा पुरुषों की तुलना में 40 प्रतिशत ज्यादा होता है। विभिन्न अध्ययन भी इस बात का खुलासा करते हैं कि अधिक नींद लेने के बावजूद नींद में बार-बार व्यवधान और गड़बड़ी के कारण पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है, जिसकी एक वजह महिलाओं की नींद पर उनमें हार्मोन्स का बदलाव भी मायने रखता है। मासिक धर्म के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हामोनों में उतार-चढ़ाव भी महिलाओं में नींद के पैटर्न को बाधित करते हैं। इसके अलावा गर्भावस्था में हार्मोनल परिवर्तन और शरीर में होने वाले बदलावों के कारण भी उनके नींद के पैटर्न में बदलाव आ जाता है। मोनोपॉज के दौरान भी महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव उनकी नींद को प्रभावित करते हैं।

आप की बात

बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती

युवाओं के लिए उपयुक्त रोजगार का सृजन कर उनको राष्ट्र निर्माण से जोड़ना फिलहाल देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हर साल एक करोड़ से अधिक युवा कालेजों से ग्रेजुएट्स होकर निकल रहे हैं और इस लिहाज से देखा जाये तो देश की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार सृजन ही है। जहां देश की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार सृजन है, तो देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। बेशक एक युवा जब कालेज से निकलता है तो उससे उसके परिवार की, उसकी खुद की और समाज की बहुत सारी उम्मीदें होती हैं और इन उम्मीदों और दायित्वों का पूरा होना तभी संभव है जब उसके पास या तो कोई नौकरी हो अथवा व्यवसाय। किसी काम धंधे में नियोजित होकर ही व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में अपना सम्यक योगदान दे सकता है। इस संदर्भ में यह बात उत्साह बढ़ाने वाली है कि इस रोजगार कालेज से निकलने वाले युवाओं की भर्तियां बढ़ी हैं। फ्रेशर्स हायरिंग में वृद्धि यह बताती है कि धीरे-धीरे रोजगार का बाजार सुधर रहा है, नयी नौकरियां सृजित हो रही हैं। लेकिन यह जरूरी है कि अब रोजगार का स्वरूप बदल रहा है। कुछ समय पूर्व एक सर्वे में यह बात सामने आयी थी कि अगले छह-सात वर्षों में करोड़ों नौकरियां खत्म हो जायेंगी जो मुख्यतः क्लर्क, कैशियर, लिखा-पढ़ी जैसे साधारण प्रकृति के कामों से जुड़ी होंगी। इसी तरह एप आधारित गिग जॉब, एआई, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार बाजार में सुधार देखने को मिलेगा।

दरअसल प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोग से रोजगार संकुचन की जो बात कही जा रही है उसमें बहुत सचाई नहीं है। हम आईटी सेक्टर को लेकर ही देखें तो आईटी क्रांति से नयी-नयी नौकरियां पैदा हुई हैं, देश की जीडीपी और निर्यात में इजाफा हुआ है और बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके भी पैदा हुए हैं। ऐसे में जब एआई जैसी तकनीक आमतौर पर इस्तेमाल होने लगेगी, तो रोजगार का स्वरूप जरूरत बदल सकता है लेकिन रोजगार के मौके कम होने की बात सही नहीं लगती। युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुकूल स्किल्ड करना तो जरूरी होगा अन्यथा सामान्य युवा को रोजगार मिलना कठिन हो जायेगा। प्रौद्योगिकी के इस युग में रोजगार भी उन्हीं लोगों को मिलेगा जो प्रौद्योगिकी में दक्ष होंगे। इसलिए नये विकसित होते क्षेत्रों में स्किल्ड युवाओं को तैयार करने के लिए शिक्षा और बेहतर प्रशिक्षण जरूरी है।

विनोद कुमार सिंह, लखनऊ.

सामाजिक बदलाव की दिशा

भारत के साथ आजाद होने वाले अधिकांश देश आर्थिक प्रगति, नागरिकों की सुख-सुविधा, सुरक्षा, स्वास्थ्य रक्षा, रोजगार और समग्र प्रगति के मामले में बहुत आगे निकल चुके हैं। समावेशी विकास, महिला अधिकारिता, शिक्षा और बाल विकास जैसे तमाम मुद्दों पर छोटे-छोटे देश भी भारत से बहुत आगे हैं। भले ही हम आज दुनिया में महाशक्ति बनकर उभर रहे हों लेकिन फिर भी गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी आदि के मामले में भारत की स्थिति ठीक नहीं है। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर जब हम यह सोचते हैं कि आखिर कहां ऐसी कमी रही, कौन से कारण रहे जिनके चलते भारत मानव विकास, नागरिकों की समृद्धि आदि के मामले में विश्व रैकिंग में कहीं नहीं ठहरता। जिस भी खराब मुद्दे को लेते हैं चाहे वह गरीबी हो, कुपोषण हो, खराब शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा हो, वैश्विक स्तर पर जब इनके आंकड़ों का अध्ययन करते हैं, तो यह पाते हैं कि भारत अधिकांश में नंबर एक पर है। यह भारत और उसके हरेक नागरिकरों के लिए चिंता का, चिंतन का और शर्म का भी विषय है। ऐसा क्यों है कि भारत में बहुत कुछ होते हुए भी हम अपने नागरिकों को बेहतर मानवीय सुविधाएं नहीं दे पाये हैं, तो इसके पीछे एक जो सबसे ठोस कारण नजर आता है वह है शिक्षा। अच्छी शिक्षा हरेक समाज की, हरेक नागरिक की जरूरत है। शिक्षा के बिना कोई भी समाज या देश प्रगति नहीं कर सकेगा।

प्रेम प्रकाश शुक्ल, लखनऊ.

संक्षेप

बुजुर्ग महिला के घर में घुसकर जेसीबी से तोड़फोड़ का प्रयास

ललितपुर। शहर के कोतवाली क्षेत्र स्थित रामनगर में एक 88 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ दबंगों द्वारा घर में घुसकर तोडफोड़ करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना कोतवाली में दर्ज एफआईआर के अनुसार मोहल्ला रामनगर निवासी शिया दुलारी ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने घर में अकेली रह रही थीं। बीती 05 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 08.30 बजे, आरोपी नीरभ जैन व सुबोध जैन अपने अन्य साथियों के साथ उनके मकान की बाउंड्री के अंदर घुस आए और जेसीबी मशीन से खुदाई व तोडफोड़ करने लगे। पीड़िता के अनुसार, जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज कर मारपीट पर उतारू हो गए और मकान गिराने का प्रयास करते हुये जान से मारने की धमकी दी।

बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह हृदय रोग से पीड़ित हैं और आरोपियों की धमकियों से भयभीत हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 131, 351(3), 352 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

राजकीय पॉलिटेक्निक तालबेहट में 7 अप्रैल को पूल कैंपस ड्राइव

ललितपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक तालबेहट में 7 अप्रैल 2026 को एक वृहद पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है।

यह जानकारी संस्थान के प्रधानाचार्य द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। बताया गया कि इस पूल कैंपस ड्राइव में केवल राजकीय पॉलिटेक्निक तालबेहट ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के सभी पॉलिटेक्निक कॉलेजों के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकेंगे। यह अवसर विशेष रूप से डिप्लोमा पास आउट एवं फाइनल ईयर में अध्ययनरत छात्रों के लिए उपलब्ध रहेगा।

प्लेसमेंट ड्राइव में इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल ब्रांच के डिप्लोमा धारक या अंतिम वर्ष के छात्र भाग लेने के पात्र होंगे। संस्थान प्रशासन ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि पर समय से उपस्थित होने की अपील की है। यह कैंपस ड्राइव 7 अप्रैल को सुबह 9 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक तालबेहट परिसर में प्रारंभ होगी, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों के शामिल होने की संभावना है।

ट्रक ने सड़क किनारे खड़े युवक को मारी टक्कर, हालत गंभीर

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना कोतवाली में ग्राम बूचा निवासी हरदेव सिंह राजपूत ने बताया कि वह अपने भतीजे रविंद्र के साथ 28 मार्च 2026 की शाम करीब 7 बजे मोटरसाइकिल से खेत से घर लौट रहे थे। बताया गया कि एनएच-44 हाईवे पर ग्राम रोडा के पास उनका भतीजा मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी कर शौच के लिए चला गया, जबकि हरदेव सिंह वहीं खड़े थे। तभी पीछे से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने लापरवाही से चलाते हुए खड़ी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे हरदेव सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक्स-रे में पसली की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया।

हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वर्तमान में उनका इलाज ग्वालियर के बीआईएमआर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के अनुसार, ट्रक संख्या आर.जे. 11 जी.डी. 1370 का चालक हादसे के बाद वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 125 (बी), धारा 281 व 324(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

ललितपुर: 86 में से 72 योजनाओं को मिला ए ग्रेड

ललितपुर। अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री /जनपद प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को योजनाओं का स्पष्ट डाटा लेकर बैठक में प्रतिभाग करने के निर्देश दिये। बैठक में राज्यमंत्री मनोहर लाल, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, जिलाध्यक्ष हरीशचन्द्र रावत सहित अन्य उपस्थिति रही। बैठक में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग में जिले की 86 योजनाओं में से 72 योजनाओं को ए ग्रेड प्राप्त हुआ है, जिस पर प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और इसी प्रकार आगे भी कार्य करने के लिए अधिकारियों का उत्साहवर्द्धन किया। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जनपद में जिला चिकित्सालय व राजकीय मेडिकल कॉलेज स्तर पर इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब और 50 बैड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक निर्मित कराये जाने हेतु लम्बे समय से शासन में लम्बित भूमि को आपके प्रयास के फलस्वरुप उत्तर प्रदेश शासन आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के पक्ष में हस्तांतरित की गई है। इस भूमि पर इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब और 50 बैड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक बन जाने से यहां के लोगों को उपचार के लिए अन्य जनपदों में नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही प्रभारी मंत्री से पाली से बरेली बस सेवा शुरू कराने का अनुरोध किया गया, ताकि यहां का पान व्यापार फिर से समृद्ध हो सके, जिस पर प्रभारी मंत्री ने आश्वासन दिया कि शासन में इस विषय पर चर्चा करेंगे। बैठक में ऊर्जा और कृषि विभाग के कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए प्रभारी मंत्री ने दोनो विभागों के अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त की और स्पष्ट निर्देश दिये कि शासन की मंशानुसार कार्य करें, जनपद के किसानों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी रहें।

- किसानों को भरपूर बिजली और पानी की उपलब्धता के लिए प्रभारी मंत्री ने दिये अधिकारियों को निर्देश
- ऊर्जा और कृषि विभाग के कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद के किसानों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी रहें
- अतिवृष्टि के कारण प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द बीमा क्लेम दिलाये जाने पर दिया जोर

जिले के किसानों को भरपूर बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। गर्मी के मौसम को देखते हुए पूर्व से ही बार बार खराब होने वाले ट्रांसफार्मरों और तारों को बदलवाया जाए, इसके साथ ही पानी की उपलब्धता के लिए सभी सम्बंधित विभाग पूर्व से ही प्रभावी रणनीति बनाकर उस पर कार्य करें, ताकि जनपदवासियों को गर्मी के मौसम में विद्युत और पानी से सम्बंधित कोई समस्या न हो। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विगत 2 माह में झटपट पोर्टल पर कनेक्शन के लिए आये आवेदनों और लम्बित आवेदनों की सूची उपलब्ध करायी जाये, साथ ही लम्बित आवेदनों के सम्बंध में अधीनस्थों को नोटिस भी जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उपभोक्ताओं के द्वारा पेमेन्ट करने के बाद भी कनेक्शन न मिलने की अधिकतर शिकायतें आ रहीं हैं, इन उपभोक्ताओं की तहसीलवार सूची उपलब्ध कराने के साथ ही निर्धारित समय सीमा में कनेक्शन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

इसी दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा हरीशचन्द्र रावत द्वारा सुझाव दिया गया कि जिस क्षेत्र में फाल्ट होता है, कार्य होने तक केवल उसी क्षेत्र की बिजली काटी जाये, इसके साथ ही कांसीराम कॉलोनी में लॉड की समस्या के लिए नया ट्रांसफार्मर रखवाया जाए, इसके साथ ही तालबेहट के वन क्षेत्र में अवैध कटान की शिकायत की, इस पर प्रभारी मंत्री ने उक्त दोनों सुझावों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये और तालबेहट में अवैध कटान पर प्रभावी कार्यवाही कर दोषी अधिकारी/कर्मचारियों के सम्बंध में शासन से पत्राचार करने के निर्देश दिये गए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने हालही में हुई अतिवृष्टि के कारण पीड़ित किसानों को क्षतिपूर्ति राशि की समीक्षा की, जिस पर बताया गया कि अतिवृष्टि के सम्बंध प्राप्त शिकायतों के आधार पर सर्वे का कार्य चल रहा है, सर्वे पूर्ण होते ही फसल बीमा योजना का क्लेम दिलाया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिये कि किसानों को बीमा की धनराशि दिलाने के लिए प्रयास तेज किये जायें।

नमामि गंगे प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान जनप्रतिनिधियों के द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में अधिकांश शिकायतें रोड खोदकर छोड़ देने की आती हैं, महीनों तक सड़कें खुदी पड़ी रहती हैं, इस पर प्रभारी मंत्री ने जल निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जहां-जहां सड़कें खुदी पड़ी है, वहां पहले मरम्मत का कार्य कराया जाए, बाद में अन्य स्थान पर कार्य शुरू किया जाए। युवा कल्याण, सेवा योजन और क्रीड़ा विभाग की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिये कि जनपद में वृहद स्तर पर रोजगार मेला आयोजित कराया जाए, साथ ही युवाओं के लिए खेल प्रतियोगिताओं के साथ अन्य आयोजन कराये जायें।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक, मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चोहान, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे संजय मिश्र, सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद, प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज डा.मयंक शुक्ला, पीडी डीआरडीए, डीडीओ, डीसी मनरेगा, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, जल संस्थान, सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण एवं अन्य कार्यदायी विभागों के अधिशासी अभियंता, शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, महिला कल्याण, सूचना व अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विकास यात्रा सत्ता की नहीं, संस्कार और विचार की: प्रकाश द्विवेदी

बांदा। भाजपा का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ जिला कार्यालय में मनाया गया। इस दौरान पार्टी का ध्वजारोहण कर कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि अल्पसंख्यक कार्यकताओं के तप, त्याग और निष्ठा ने भाजपा को एक ऐसे वट वृक्ष में परिवर्तित किया है जो नये भारत की आकांक्षाओं का सशक्त प्रतिनिधित्व करता है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रखर राष्ट्रवादी संकल्प, पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन और अटल बिहारी बाजपेयी के नेतृत्व से प्रेरित भाजपा राष्ट्र सर्वोपरि के उस मूल भाव का प्रतीक है जिसने राजनीति की सेवा, समर्पण व जनकल्याण का माध्यम बनाया है।

सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि यह दिन उन महान विभूतियों को स्मरण करने का है जिनके तप, त्याग और तपस्या से इस संगठन की नींव रखी है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने प्रोणों की आहुति देकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन ने समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास का अधिकार दिया। जिला प्रभारी रामकिशोर साहू ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी, नाना जी देशमुख, विजयाराजे सिंधिया, लालकृष्ण आडवाणी ने संघर्ष और समर्पण से इस संगठन को वट वृक्ष की भांति खड़ा किया। उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा लेनी चाहिए। नरैनी विधायक आममणि वर्मा, पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल व जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा सेवा, समर्पण और संस्कार के संकल्प के साथ देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को निरंतर शक्ति दे रहा है। भाजपा की यह विश्वास यात्रा सत्ता की नही संस्कार की है, विस्तार की नही विचार की है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता संतोष गुप्ता, जगराम सिंह, अशोक त्रिपाठी जीतू, अखिलेश श्रीवास्तव, लवलेश सिंह, मालती बासु, चंद्रपाल कुशवाहा, वंदना गुप्ता, ममता मिश्रा, उत्तम सक्सेना, सुधीर कुशवाहा, संगीता निराला व अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा के स्थापना दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

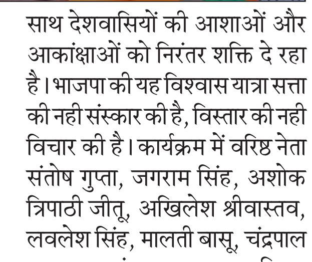

महोबा। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस पर एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा ने की तथा संचालन जिला महामंत्री श्रीप्रकाश वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही। स्थापना दिवस के अवसर पर जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है और संगठन की मजबूती ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने मंच पर उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं, पूर्व जिलाध्यक्षों तथा लोकतंत्र सेनानियों को अंगवस्त्र, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्थापना दिवस के पावन अवसर पर कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सत्येन्द्र प्रताप ने दी।

तालाब की खुदाई में भारी बंदरबांट, बिना काम भुगतान

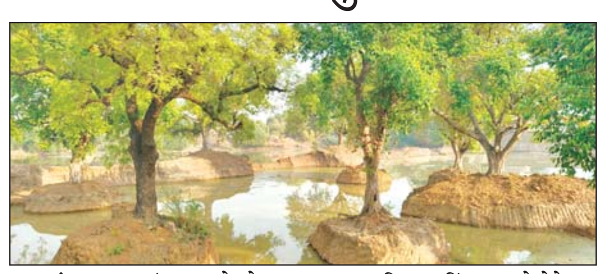

बांदा। जल संचयन को लेकर प्रदेश सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। बड़ी धनराशि से ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों, पोखरों और जल संचयन कार्यों को बढ़ावा देने के लिए भेजी जा रही है लेकिन कुछ ग्राम प्रधान सरकारी तंत्र की मिली भगत के चलते लाखों का वारा न्यारा कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला बबेरू विकास खंड के पल्हरी गांव में देखने को मिला है। यहां लघु सिंचाई विभाग पुराने तालाब की खुदाई व अन्य कार्य करवा रहा है। इस कार्य को पूरा करने के लिए विभाग को शासन से लगभग 75 लाख रुपये मिले हैं। लगभग 3 हेक्टेयर तालाब की खुदाई, सीढ़ी, इनलेट, आउटलेट व पशु घाट का निर्माण होना था लेकिन सम्बन्धित ठेकेदार ने समय से कार्य पूरा किया और न ही तय मानक के अनुसार तालाब की खुदाई की।

- बबेरू ब्लॉक के पल्हरी गांव का मामला

महज खानापूरी की नियत से जेसीबी के जरिए तालाब को ऊपर से खरोंच दिया गया है जबकि नियमतः तालाब की खुदाई कम से कम 2 से 3 मीटर होनी चाहिए थी लेकिन विभाग के अवर अभियन्ता रिंकू गुप्ता ने ठेकेदार के साथ मिलकर धन हड़पने की नियत से कम खुदाई करायी है। इतना ही नहीं मार्च के महीने में महज 30 प्रतिशत कार्य ही पूरा हुआ फिर भी अवर अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता विजय सिंह की मिलीभगत के चलते बिना काम हुए भुगतान कर दिया गया और इसके एवज में मोटा कमीशन भी ठेकेदार से ले लिया। ग्रामीणों का कहना है कि सुभाष सिंह पटेल, राकेश त्रिपाठी व एक दर्जन लोगों ने बताया कि लघु सिंचाई विभाग ने काम न करने के नाम पर ठेकेदारों से मोटी रकम लेकर करोड़ों रुपए की धांधली की है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से इस मामले पर अधिकारियों की टीम गठित कर जांच कराने की मांग की है ताकि बड़ा घोटाला उजागर हो सके। इस मामले पर सहायक अभियन्ता विजय कुमार सिंह ने कहा कि अभी काम चल रहा है, भुगतान पूरा नही हुआ, भुगतान बाकी है जबकि अवर अभियन्ता रिंकू गुप्ता का कहना है कि कार्य पूर्ण होने के बाद ही पूरा भुगतान किया गया है। अभी मैं बाहर हूं, दोनो के अलग-अलग बयानों से साफ जाहिर हो रहा है कि बड़े पैमाने पर धन का बंदरबांट हुआ है।

प्रेम प्रसंग में पति की पत्नी व भाई ने की हत्या

बांदा। प्रेम प्रसंग के चलते सोनू की हत्या करने के आरोप में सगे भाई व पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 3 अप्रैल की देर रात थाना कमासिन क्षेत्र के जामू गांव में ट्यूबवेल पर पति-पत्नी सोने गये थे। वहां पति की मृत्यु हो गयी थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फील्ड यूनिट व फॉरेंसिक टीम ने मौके का बारीकी से अवलोकन कर साक्ष्य संकलित करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मृतक सोनू की मां सरस्वती देवी की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर हत्या करने वाले मृतक सोनू की पत्नी निशा व भाई मोनू पुत्र रामबाबू निवासी ग्राम जामू थाना कमासिन को भीती तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूंछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था लेकिन इसकी जानकारी मृतक को होने पर उनके बीच कहा-सुनी हुई थी। इसी बात को लेकर दोनो ने गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने दोनो आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक भास्कर मिश्र, उप निरीक्षक रामआधार सिंह, हेड कांस्टेबल पंकज कुमार, महिला कांस्टेबल अनामिका सिंह व निर्भय यादव रहे।

ट्रेनों में चोरी करने वाले 2 गिरफ्तार लाखों के मिले जेवर

बांदा। फर्जी आईडी से उच्च श्रेणी कोच में रिजर्वेशन कराकर यात्रियों का सामान चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से बड़ी तादाद में यात्रियों के चोरी किए गये लगभग 7 लाख रुपये कीमत सोने के गहने व अन्य सामान बरामद किया है। जीआरपी थानाध्यक्ष शिवबाबू के नेतृत्व में जीआरपी, आरपीएफ व आरपीएफ क्राइम विंग झांसी टीम बीते कई दिनों से चोरी के मुकदमों में माल व आरोपियों की गिरफ्तारी के उद्देश्य से टीमें काम कर रही थीं। सोमवार को जीआरपी पुलिस टीम के अथक प्रयासों के चलते वादी अनुराग जैन पुत्र प्रवीण कुमार जैन निवासी निरालानगर थाना हसनगंज जिला लखनऊ ने चित्रकूट एक्सप्रेस से रेलवे स्टेशन जबलपुर से लखनऊ तक की यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशन बांदा के पास उसकी एक ट्राली बैग चोरी हो गयी थी। इसमें एक लेडीज घड़ी, एक जोड़ी पायल पीली धातु, सोने की चैन, नग लगा हुआ ब्रेसलेट, एक जोड़ी इयररिंग सोने की, दो सोने की अंगूठी, दो अदद ठोस झुमका सोने के, दो सोने की चूड़ी, एक मोती का माला, बाजूबंद, हार व अन्य जेवर रखे थे, इन्हे चोरों ने पार कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों में सुरेन्द्र वर्मा पुत्र स्वर्गीय शंभूनाथ वर्मा व रवि वर्मा पुत्र सुरेशचंद्र वर्मा निवासी मोहल्ला गीता नगर थाना काकादेव जिला कानपुर हैं। आरोपियों के पास से कीमती जेवर के अलावा 6 अदद रेलवे टिकट, 7 हजार 500 रुपये, 4 निर्वाचन कार्ड भी मिले हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में शिवबाबू थानाध्यक्ष जीआरपी बांदा, निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, उप निरीक्षक संदीप सिंह सेंगर, स्वाट टीम प्रभारी जीआरपी झांसी, उप निरीक्षक बृजेन्द्र सिंह सर्विलांस प्रभारी झांसी, सहायक निरीक्षक नवीन कुमार आरपीएफ क्राइम विंग झांसी व अन्य टीमें रहीं।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, 3 बाइक बरामद

बांदा। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र निवासी अभिलाष चंद्र गुप्ता व थाना मटौंध क्षेत्र के ग्राम पटना निवासी लक्ष्मीनारायण ने कोतवाली नगर में सूचना दी कि बीती 17 जनवरी व 18 जनवरी को मवई बाईपास से अज्ञात लोगों ने उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली है। सूचना के बाद कोतवाली नगर में अभियोग पंजीकृत किया गया। आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के पुलिस प्रयास कर रही थी। इसी दौरान कोतवाली देहात पुलिस ने गश्त एवं चेकिंग के दौरान आरोपी रवि पुत्र कल्लू निवासी ग्राम गुरेह कोतवाली देहात को बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस को मौके पर एक मोटरसाइकिल मिली लेकिन पूंछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर दो अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद हुईं। आरोपी ने पूंछताछ में पुलिस को बताया कि तीनो मोटरसाइकिल वह और उसके साथी आनंद सिंह ने मवई बाईपास से चोरी की थी। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष चंद्रप्रकाश तिवारी, कांस्टेबल शुभम साहू, जितेन्द्र कुमार, सचिन पटेल व माधव सिंह रहे।

केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर हुई समीक्षा बैठक

बिजनौर। सांसद नगीना लोकसभा क्षेत्र एडवोकेट चंद्रशेखर की अध्यक्षता एवं सांसद बिजनौर चंदन चैहान व सांसद मुरादाबाद रुचि वीरा की सह अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा बैठक से पूर्व सभी माननीय सांसदों का फूलों के बुके देकर सम्मान एवं स्वागत किया गया।

विकास भवन सभागार में सोमवार को आयोजित जिला विकास समन्वय लिए एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसदों द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सांसद नगीना ने स्पष्ट करते हुए कहा कि दिशा के अंतर्गत आयोजित बैठक का मुख्य उद्देश्य शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पारदर्शिता, निष्ठा और निष्पक्ष रूप से आमजन को लाभ पहुंचाना है और किसी योजना में आ रही किसी दुश्वारी को सक्षम माध्यम से हल करना है, ताकि जिले में विकास की प्रगति प्रभावित न होने पाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजन, विधवा वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित एवं पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के लिए विशेष कैंपों का आयोजन करें और शत-प्रतिशत रूप से आच्छादित करना सुनिश्चित करें। सांसद बिजनौर ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में निर्मित सड़कों की सूची उपलब्ध कराएं, जिसमें यह भी अंकित करें कि किस जन प्रतिनिधि निधि द्वारा उनका शिलान्यास अथवा लोकार्पण कराया गया है। सांसद मुरादाबाद रुचि वीरा द्वारा पूर्ति विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि शादी के अवसर पर सिलेंडर्स कोटा निर्धारित करें और सुविधाजनक रूप से उसकी उपलब्धता भी सुनिश्चित करें ताकि शादी जैसे अहम आयोजन के मौके पर आमजन को कोई असुविधा न हो। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्राइवेट नर्सिंग होम में आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों का शोषण न होने पाए उसके लिए विशेष रूप से चैकिंग अभियान चलाएं। सांसद रुचि वीरा ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों को गुलदार से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों एवं गुलदार प्रभावित ग्रामों के प्रवेश मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था एवं पिंजरे सहित अन्य आवश्यक सुरक्षात्मक व्यवस्था उपलब्ध कराएं, जिससे आमजन के जान-माल की सुरक्षा की जा सके। सांसदों द्वारा बैठक के दौरान शासन द्वारा संचालित सभी महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ उनका लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक शुरू करने से पहले सांसद चंद्रशेखर आजाद एवं परियोजना निदेशक दिनकर भारती द्वारा विकास भवन परिसर स्थित डॉक्टर बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सांसदों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिए गए निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर विधायक विधानसभा क्षेत्र चांदपुर स्वामी ओमवेश, जिलाधिकारी जसजीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुणाल रस्तोगी, परियोजना निदेशक दिनकर भारती सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डीएम ने की समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित बिजनौर भ्रमण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के संबंध में समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, प्रशासन अंशिका दीक्षित सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सोमवार को विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में बताया कि आगामी 09 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत वर्धमान डिग्री कॉलेज के मैदान में आम जनसभा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा जिले में 05 करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने उक्त कार्यक्रम के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को विभागीय परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों का अद्यतन पूर्ण विवरण तथा जिन परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है, उनकी पूरी जानकारी की सूचना जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को आज शाम तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला बिजनौर में शासकीय योजनाओं कार्यक्रम के अंतर्गत जो भी उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं, उसकी सूचना भी जिला अर्थ एवं संख्या कार्यालय को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर पालिका बिजनौर एवं आसपास की नगर पालिका, नगर पंचायत तथा नगर निकाय के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल सहित पूरे शहर में ध्यानपूर्वक सफाई व्यवस्था करना सुनिश्चित करें तथा कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल टॉयलेट तथा समुचित मात्रा में पेयजल की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कृषि, बाल एवं महिला विकास, एनआरएलएम, उद्योग, कार्यक्रम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागों के उत्पादों, जानकारियों एवं उपलब्धियों से संबंधित स्टाल लगाएं।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री के संभावित निरीक्षण के दृष्टिगत राजकीय मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल एवं अस्पताल प्रांगण स्थित स्वास्थ्य इकाइयों को अपेक्षित सफाई सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं अद्यतन अवस्था में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

संक्षेप

वायासैट ने 2026 के लिए स्पेस फॉर गुड की भारत संस्करण की घोषणा की

नई दिल्ली। वैश्विक संचार कंपनी वायासैट ने पृथ्वी पर जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को टिकाऊ स्पेस सॉल्यूशंस विकसित करने के लिए प्रेरित करने के लिए डिजाइन अपनी प्रमुख वैश्विक STEM पहल Viasat: Space for Good Challenge का वैश्विक विस्तार करने की आज घोषणा की। वर्ष 2025 के कार्यक्रम की सफलता के आधार पर अगली पुनरावृत्ति अमेरिका, ब्रिटेन एवं आयरलैंड, भारत और पहली बार ऑस्ट्रेलिया में 2026 और 2027 के दौरान की जाएगी। साथ ही, एक सफल शुरूआत के बाद वायासैटः स्पेस फॉर गुडचैलेंस ने भारत की विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग प्रतिभाओं का लाभ उठाने के लिए इस देश में वापसी की है। वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र में वापसी आवेदन खुले हैः 8 जून, ग्रैंड फाइनल्सः 27 अक्टूबर नई दिल्ली वायासैटः स्पेस फॉर गुड को दूसरे वर्ष वापस भारत लाना, इस गतिशील टेक्नोलॉजी परिदृश्य को लेकर हमारी गहरी प्रतिबद्धता दर्शाती है। पिछले वर्ष विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जो नवप्रवर्तन हमने देखा, वह वास्तव में असाधारण था और हम उम्मीद करते हैं कि इस वर्ष के प्रतिभागी भारत और विश्व के लिए सार्थक, टिकाऊ अंतरिक्ष समाधान विकसित करने के लिए डिजिटल समावेशन के हमारे मिशन में योगदान करेंगे।

बैंक ऑफ इंडिया की नयी शाखा का उद्घाटन

लखनऊ । बैंक ऑफ इंडिया, लखनऊ अंचल की नई शाखा सुशांत गोल्फ सिटी का उद्घाटन अमरेन्द्र कुमार, महाप्रबंधक, फील्ड महाप्रबंधक लखनऊ के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शाखा द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिष्ठित ग्राहकों की उपस्थिति रही।सुशांत गोल्फ सिटीह्व शाखा लखनऊ के प्रीमियम क्षेत्र में खुल रही है। इस नवीन एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त शाखा के खुलने से ग्राहकों को बेहतर, त्वरित एवं सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। उन्होंने बैंक की ग्राहक-केंद्रित सोच और क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कपड़ा मंत्रालय नेताजी नगर स्थित नये कार्यालय में स्थानांतरित हुआ

नयी दिल्ली। कपड़ा मंत्रालय सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत सोमवार को नेताजी नगर स्थित जनरल पूल ऑफिस अकोमोडेशन (जीपीओ ए) में अपने नए कार्यालय में स्थानांतरित हो गया। जीपीओ ए के ब्लॉक-3 भवन का फिलहाल कुछ मंत्रालयों द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि उद्योग भवन और शास्त्री भवन को तोड़े जाने का काम सुचारु रूप से किया जा सके। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि भारी उद्योग मंत्रालय भी इसी सप्ताह इस भवन में अपने नए दफ्तर में स्थानांतरित हो सकता है। कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, आज पूजा-अर्चना और रीति-रिवाजों के साथ कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन किया गया। यह नया परिसर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जो सार्वजनिक सेवा को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दाम 11.1 प्रतिशत तक बढ़ाये

नयी दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दामों में 11.1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी ने बताया कि नई कीमतें पांच अप्रैल 2026 से प्रभावी हो गईं। कंपनी सूचना के अनुसार बैलाडीला खदानों (छत्तीसगढ़) से उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले बायला लंप (65.5 प्रतिशत लौह अंश) के दाम में 10.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं बायला फाइंस (64 प्रतिशत लौह अंश) के दाम 11.1 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं। बायला फाइंस 10 मिलीमीटर से कम आकार का उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क उत्पाद है जो बैलाडीला क्षेत्र की खदानों से प्राप्त होता है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि पांच अप्रैल 2026 से लौह अयस्क की कीमतें इस प्रकार तय की गई हैं। बायला लंप (65.5 प्रतिशत, 10-40 मिमी) : 5,300 रुपये प्रति टन, बायला फाइंस (64 प्रतिशत, 10 मिमी से कम) 4,500 रुपये प्रति टन।

सेंसेक्स में 787 अंकों की उछाल

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त में रहे। बीएसई सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के करीब पहुंच गया।

पश्चिम एशिया में युद्धविराम के प्रयासों की रिपोर्ट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार बढ़त में रहा। कारोबारियों के अनुसार, बैंक और आईटी शेयरों में अच्छी लिवाली और रुपये में मजबूती से भी निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 787.30 अंक यानी 1.07 प्रतिशत बढ़कर 74,106.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 887.91 अंक चढ़कर 74,207.46 अंक पर पहुंच गया था। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 3207 लाभ में रहे, जबकि 1147 में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं 190 के भाव अपरिवर्तित रहें। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 255.15 अंक यानी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 22,968.25 अंक पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में संभावित युद्धविराम की खबरों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में सुधार के साथ वैश्विक जोखिम धारणा में भी सुधार हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सबसे अधिक 7.89 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस भी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएलटेक और सन फार्मा के शेयर नुकसान में रहें। घरेलू शेयर बाजारों में अच्छी तेजी देखी गई। सभी क्षेत्रों में निचले स्तर पर लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। युद्धविराम के प्रयासों की खबरों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई...जिसका बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा कि हालांकि मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका और वैश्विक व्यापार में संभावित बाधाओं की चिंताओं के कारण जोखिम लेने की प्रवृत्ति अभी भी सतर्क बनी हुई है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत टूटकर 108.3 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शुक्रवार को गुड फ्राइडे के कारण अमेरिकी और घरेलू शेयर बाजार बंद रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 9,931.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,208.41 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 185.23 अंक बढ़कर 73,319.55 अंक पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 33.70 अंक के लाभ के साथ 22,713.10 अंक पर रहा था।

रुपया 14 पैसे चढ़कर 93.04 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 14 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.04 (अस्थायी) पर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने और रुपये में अस्थिरता को कम करने के लिए उठाए गए कदमों से घरेलू मुद्रा थोड़ी संभली है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, मजबूत डॉलर और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से रुपये पर अब भी दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.13 पर खुला और कारोबार के दौरान तेजी से चढ़कर 92.79 के उच्च स्तर पर पहुंचा। अंत में रुपया 93.04 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कड़े कदमों के बाद रुपये में बृहस्पतिवार को कई साल की एक दिन की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई और यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 152 पैसे मजबूत होकर 93.18 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ था। गुड फ्राइडे के मौके पर शुक्रवार को मुद्रा व शेयर बाजार बंद थे। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.87 पर रहा। घरेलू बाजारों में सेंसेक्स 787.30 अंक चढ़कर 74,106.85 अंक पर जबकि निफ्टी 255.15 अंक की बढ़त के साथ 22,968.25 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.29 डॉलर प्रति बैरल रहा। निवेशक अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समय सीमा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये में अल्पावधि में मजबूती देखने को मिल सकती है। भले ही व्यापक रुझान वैश्विक डॉलर की नकदी, कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव और बदलती भू-राजनीतिक स्थिति की ओर झुका हुआ हो।

बिहार में पांच साल में होगा 50 लाख करोड़ का निवेश : मंत्री

पटना। बिहार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने सोमवार को कहा कि राज्य का औद्योगिक विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है और सरकार अगले पांच साल में 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर एक करोड़ रोजगार सृजित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में उद्योग- अनुकूल माहौल बनाया गया है, जिससे बिहार पूर्वी भारत के उभरते विकास केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक (बियाडा एवं आईडीए) कुंदन कुमार भी मौजूद थे। मंत्री ने बताया कि सात निश्चय3 (20252030) के तहत समृद्ध उद्योगसशक्त बिहार को प्राथमिकता देते हुए कई नई नीतियां लागू की गई हैं। सरकार ने तीन उच्चस्तरीय शीर्ष समितियों का गठन किया है और सूक्ष्म, लघु एवं मझोला उद्यम (एमएसएमई) निदेशालय तथा बिहार राज्य विपणन प्राधिकरण (बीएसएमए) की स्थापना को मंजूरी दी है। बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज (बीआईआईपीपी) 2025 लागू किया गया है।

जरूरी वस्तुओं की कीमतों में असामान्य उतार-चढ़ाव नहीं : सरकार

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने सोमवार को कहा कि जरूरी वस्तुओं की कीमतों में फिलहाल कोई असामान्य उतार-चढ़ाव नहीं देखा गया है और देशभर के थोक एवं खुदरा बाजारों में कीमतों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सरकार ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। राज्यों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त सचिव अनुपम मिश्रा ने अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग रोजाना 528 केंद्रों से 40 वस्तुओं के दाम के बारे में सूचना जुटाता है और इन्हें एक मोबाइल ऐप पर अद्यतन किया जाता है। मिश्रा ने कहा, अब तक आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कोई असामान्य उतार-चढ़ाव नहीं देखा गया है। उन्होंने कहा कि कीमतों पर नजर रखने के साथ जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने और जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के भीतर गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। दालों के बारे में मिश्रा ने कहा कि इस वर्ष उत्पादन पिछले साल से अधिक रहने का अनुमान है और सरकार के पास करीब 28 लाख टन का बफर स्टॉक है। तुअर (अरहर) और उड़द के आयात को मार्च, 2027 तक मुक्त श्रेणी में रखा गया है। प्याज, आलू और टमाटर के संबंध में उन्होंने कहा कि इनकी पैदावार पिछले साल के लगभग बराबर है और आपूर्ति पक्ष में कोई बाधा नहीं है। सरकार ने प्याज का बफर स्टॉक बनाने के लिए खरीद भी शुरू कर दी है जिससे कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा), 1955 के तहत राज्यों के पास जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्वाई करने के अधिकार हैं और केंद्र सरकार इस संबंध में लगातार राज्यों के संपर्क में है। शिकायतों की निगरानी के लिए एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक मौद्रिक नीति पर विचार करने के लिए तीन दिन चलने वाली बैठक सोमवार को शुरू हुई। यह मौजूदा वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक है।

यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच नीतिगत दर को यथावत रखने की संभावना है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का निर्णय बुधवार को घोषित किया जाएगा। आरबीआई ने फरवरी, 2025 से अब तक नीतिगत दर रेपो में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह 2019 के बाद से सबसे बड़ी कटौती है। आरबीआई ने आखिरी बार बीते साल दिसंबर रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। पिछली बैठक फरवरी में यथास्थिति बनाए रखी गयी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, एमपीसी के सदस्य पश्चिम एशिया में जारी तनाव, जिंस कीमतों में अस्थिरता और घरेलू मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति आरबीआई के चार प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य के करीब पहुंच गई है, लेकिन वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हाल में आई तेजी ने घरेलू कीमतों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने में सबसे कम रही

नयी दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही जो नए कारोबार में नरमी को दर्शाती है। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी मिली।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 रह गया। यह जनवरी 2025 के बाद से नए कारोबार एवं गतिविधियों में सबसे धीमी वृद्धि को दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। देश के सेवा क्षेत्र में मार्च में विस्तार कायम रहा लेकिन वृद्धि की गति लगातार दूसरे महीने धीमी पड़ी। मांग मजबूत बनी रही, जिसका नेतृत्व नए निर्यात ऑर्डर ने किया जो 2024 के मध्य के बाद से सबसे अधिक बढ़े। इससे सेवा प्रदाताओं की भविष्य की गतिविधियों को लेकर उम्मीदें सकारात्मक बनी रहीं। सेवा क्षेत्र में नए निर्यात ऑर्डर में हालांकि तेज वृद्धि दर्ज की गई। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। कीमतों के मोर्चे पर बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि जून 2022 के बाद से कच्चे माल की लागत में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों के अनुसार फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट (मांस) तथा सब्जियों की लागत बढ़ी है। रोजगार के संदर्भ में लगातार तीसरे महीने इसमें वृद्धि दर्ज हुई। कारोबार को लेकर बढ़ते विश्वास के कारण नौकरी सृजन की गति मजबूत रही और यह 2025 के मध्य के बाद से सबसे अधिक रही। सर्वेक्षण में कहा गया, कंपनियां उत्पादन के दृष्टिकोण को लेकर करीब पिछले 12 वर्ष की तुलना में सबसे अधिक आशावादी रहीं। यह आशावाद मांग एवं बाजार स्थितियों में सुधार की उम्मीदों पर आधारित है। कंपनियों को यह भी उम्मीद है कि विज्ञापन एवं बेहतर ग्राहक संबंध सकारात्मक परिणाम देंगे। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया समग्र पीएमआई उत्पादन सूचकांक फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 पर आ गया जो करीब साढ़े तीन वर्ष में विस्तार की सबसे धीमी दर को दर्शाता है। समग्र पीएमआई सूचकांक, तुलनीय विनिर्माण एवं सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है। भार, आधिकारिक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाता है।

डाकिट ने टियर-2 भारत में तेज डिलीवरी मॉडल को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ में वेयरहाउस लॉन्च किया

लखनऊ। हरियाणा मुख्यालय वाली तेजी से उभरती हाइपरलोकल फुलफिलमेंट और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स स्टार्टअप डाकिट टेक्नोलॉजी ने आज लखनऊ में अपने अत्याधुनिक वेयरहाउस के लॉन्च की घोषणा की। यह कंपनी के मेट्रो शहरों से आगे विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह पहल डाकिट को उन नई टेक-आधारित लॉजिस्टिक्स कंपनियों में शामिल करती है, जो टियर-2 और टियर-3 शहरों में एमएसएमई और एसएमई विक्रेताओं के लिए सेम डे और नेक्स- डे डिलीवरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही हैं। वर्तमान में, डाकिट प्रतिदिन 10,000 से अधिक ऑर्डर्स प्रोसेस कर रही है, जो इसके फुलफिलमेंट सेंटर्स के नेटवर्क के माध्यम से प्रति माह लगभग 3,00,000 ऑर्डर्स के बराबर है। लखनऊ वेयरहाउस के लॉन्च के बाद कंपनी को ऑर्डर वॉल्यूम में तेज बढ़ोतरी की उम्मीद है और निकट भविष्य में अपने नेटवर्क के जरिए लगभग 5 लाख ऑर्डर्स प्रति माह तक पहुंचने का लक्ष्य रखती है। इस विस्तार पर संस्थापक एवं सीईओ चंदन सिंह घुगत्याल ने कहा कि भारत की अगली खपत की कहानी मेट्रो शहरों में नहीं, बल्कि टियर-2और टियर-3 शहरों में लिखी जाएगी। लखनऊ में हमारा यह लॉन्च सिर्फ एक वेयरहाउस खोलना नहीं है, बल्कि भारत में तेज कॉमर्स के लिए मजबूत आधार तैयार करना है।

पेज एक का शेष

मदुरै : नौ

आरोपियों को मौत की सजा दी गई। पहले आरोपी (ए1) को 24 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश मिला। दूसरे आरोपी (ए2) को 16.30 लाख रुपये देने होंगे। कुल मिलाकर मृतक बेनिक्स की मां को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी मुआवजा नहीं देंगे तो उनकी संपत्ति जब्त कर बेच दी जाएगी और राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी। पीड़ित के परिवार के सदस्य पर्सी ने कहा, अदालत ने हमारे मामले में न्याय किया। हमने अदालत पर विश्वास रखा। अब कोई और परिवार ऐसा दुख न सहे, इसके लिए हम लंबे समय तक संघर्ष करते रहे। हमें उम्मीद है कि ऐसे हादसे भविष्य में कभी नहीं होंगे।

दिल्ली विधानसभा

गया है। कार बरामद कर ली गई है। इसी बीच, फोरेंसिक विशेषज्ञों ने विधानसभा परिसर के अंदर कथित तौर पर रखे गए गुलदस्ते की जांच की। बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्ते के दस्ते ने किसी भी विस्फोटक खतरे की संभावना को खत्म करने के लिए इलाके की गहन तलाशी ली। यह घटना ऐसे वक्त हुई है जब विधानसभा को हाल में समाप्त हुए बजट सत्र के दौरान बम संबंधी घटना हुई थी।

भाजपा देश

होगा। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी कई कठिनाइयों को सहा और कांग्रेस के शासन में उत्पीड़न का सामना किया है।

उन्होंने कहा कि कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने तो अपनी जान भी कुर्बान कर दी, जैसा कि पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में देखा गया, जहां हिंसा को एक राजनीतिक संस्कृति बना दिया गया है। मोदी ने कहा, हमारा मिशन अभी जारी है। समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र, एक चुनाव और अन्य मुद्दों पर देश में गंभीर चर्चाएं चल रही हैं और हम इन पर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है और इस दिशा में बढ़ती रहेगी। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य पूरे देश में विवाह, गोद लेने आदि के संबंध में सभी के लिए एक समान कानून बनाना है। मोदी ने कहा कि देश जानता है कि भाजपा हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रही है और ऐसा करती रहेगीअ पहले भी सकारात्मक परिणाम मिले हैं, और भविष्य में भी मिलेंगे। उन्होंने कहा ब्रिटिश काल के सैकड़ों काले कानूनों को खत्म करना, लोकतंत्र के लिए एक नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, ऐसे अनगिनत काम हैं जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का परिणाम हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां कार्यकर्ता पार्टी को अपनी मां मानते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सबसे पहले 1994 में वड़ोदरा में महिला आरक्षण का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा, हमने यह भी तय किया था कि हम हमारे पार्टी संगठन में यथासंभव महिलाओं को प्रोत्साहित करेंगे। जब हम सत्ता में आए तो हमने वादा पूरा किया। अब हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 के आम चुनाव में लागू किया जाए। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा युद्ध के समय भी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में भरोसा रखती है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब भारत हर देश से समान दूरी बनाए रखने पर गर्व करता था, लेकिन अब वह हर देश के साथ घनिष्ठ संबंध रखते हुए आगे बढ़ रहा है।

भाजपा की

से राष्ट्रोदय के संकल्प को दर्शाती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताते हुए उन्होंने कहा कि यह महज एक राजनीतिक संगठन नहीं है, बल्कि एक जीवंत वैचारिक परंपरा है जो नेताओं के जीवन मूल्यों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित राष्ट्रवादी परिवार आज एक विशाल वट वृक्ष बन गया है, जो सेवा, मूल्यों और समर्पण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ 145 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को सशक्त बना रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, निरंतरता और निस्वार्थता ने विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को गति दी है। उन्होंने कहा, राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में भाग लेने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों को बधाई। बाद में भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर मानसरोवर रामलीला मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं में समाज व देश के लिए जीने की भावना जनसंघ काल से चली आ रही है। उनका जीवन राष्ट्र प्रथम के भाव और इसकी संकल्प सिद्धि के लिए ही समर्पित रहता है। अपने संस्थापकों के सिद्धांतों, मूल्यों व आदर्शों पर चलते हुए कार्यकर्ताओं के समर्पण भाव से ही आज भाजपा देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीति पार्टी के रूप में प्रतिष्ठित हुई है।

प.बंगाल

विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाएं व्यापक बदलाव ला रही हैं, और इनका लाभ पश्चिम बंगाल तक पूरी तरह पहुंचना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में रोजगार, बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सुधार के बिना समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर इन सभी पहलुओं पर प्राथमिकता के साथ काम किया जाएगा। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने उत्तर 24 परगना जिले की विभिन्न विधानसभा सीटों से भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने बनगांव रेलवे स्टेशन से सभा स्थल तक एक भव्य रोड शो किया। रोड शो के दौरान सड़कों पर भारी भीड़ देखने को मिली।

आतंकी मॉड्यूल

इंदिरा कॉलोनी निवासी) के रूप में की गई है। यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आईएसआई द्वारा समर्थित मॉड्यूल कई राज्यों में पुलिस प्रतिष्ठानों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाने में शामिल था जिसे अब सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान करने, उन पर नजर रखने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर के सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) सुखमिंदर सिंह मान ने अभियान का ब्यौरा साझा करते हुए कहा कि खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सरबजीत सिंह और अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से हथगोले एवं एक पिस्तौल बरामद की गई।

ईरान ने

कहा, ओमान के साथ बातचीत का फोकस होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये जहाजों के सुरक्षित मार्ग के लिए एक प्रोटोकॉल बनाने पर है।

तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि जरूरत पड़ने पर तेहरान अपनी पूरी ताकत से अपने देश की रक्षा करेगा। उन्होंने अमेरिका और इस्राइल पर आरोप लगाया कि उनकी कोई रेड लाइन नहीं है और वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हैं। बगाई ने मध्यस्थों के जरिए भेजे गए अमेरिका के कथित 15-सूत्रीय सीजफायर प्रस्ताव को तर्कहीन करार दिया। उन्होंने कहा धमकियों के साथ बातचीत नहीं हो सकती है। साथ ही किसी भी समझौते को स्वीकार तभी किया जाएगा जब वे ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में होंगे

ईरान ने कहा है कि वह अस्थायी युद्ध के बदले होर्मुज स्ट्रेट खोलने को मना कर दिया है। रॉयटर्स के मुताबिक एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के प्रस्ताव की समीक्षा चल रही है, लेकिन दबाव में फैसला नहीं लिया जाएगा।अधिकारी के मुताबिक, तेहरान अस्थायी युद्धविराम के बदले कोई रियायत नहीं देगा और होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान को लगता है कि अमेरिका स्थायी युद्धविराम के लिए तैयार नहीं है, इसलिए अस्थायी डील का कोई मतलब नहीं है। अधिकारी ने पुष्टि की कि पाकिस्तान की ओर से तत्काल युद्धविराम का प्रस्ताव मिला है, जिस पर विचार किया जा रहा है। अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी और न्यायपालिका की मिजान न्यूज एजेंसी ने बताया कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के दक्षिण बुशेहर प्रांत के असलूयेह नैचुरल गैस फील्ड में मौजूद सुविधाओं को निशाना बनाकर हमले किया। साउथ पार्स पर इस्राइल के पहले के एक हमले के बाद, ईरान ने भी खाड़ी के अरब देशों में तेल और नैचुरल गैस से जुड़ी जगहों को ज्यादा निशाना बनाना शुरू कर दिया था। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर इस हफ्ते होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो बिजली संयंत्रों और पुलों पर संभावित हमले किए जा सकते हैं। ईरान के नैचुरल गैस फील्ड पर हमले के आरोप के बाद इस्राइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि असलूयेह में स्थित साउथ पार्स पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर हमला किया है। काट्ज ने कहा कि इस्राइल ने अभी-अभी ईरान की सबसे बड़ी पेट्रोकेमिकल सुविधा पर एक जोरदार हमला किया है, यह सुविधा असलूयेह में स्थित है और देश के लगभग 50 प्रतिशत पेट्रोकेमिकल उत्पादन के लिए ज़िम्मेदार एक मुख्य लक्ष्य है।

10 वर्षों के

वर्ष की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने वाला बड़ा झटका बन गया है और नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत दे रहा है। सीतारमण ने 2025 को प्रभावित करने वाली विभिन्न वैश्विक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यह वर्ष नीति निर्माताओं की शुरुआती सोच से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। उन्होंने कहा शुल्क और अन्य बाधाओं के कारण व्यापार के प्रभावित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गंभीर अनिश्चितता पैदा कर दी है। इसके चलते वैश्विक वृद्धि अनुमान में भारी गिरावट आई।

पूर्व मुख्यमंत्री

के विपरीत और बिना किसी ठोस आधार के है। सुनवाई अदालत द्वारा 31 मई, 2007 को दिये गए फैसले को रद्द करते हुए, उच्च न्यायालय ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के साथ धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने जोगी पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना नहीं भरने पर छह महीने की अतिरिक्त सजा का प्रावधान है। अपनी मुख्य टिप्पणी में उच्च न्यायालय ने कहा किसी विशेष अभियुक्त के पक्ष में कोई कृत्रिम भेद नहीं किया जा सकता, जबकि उन सभी पर एक ही सामान्य अपराध में भागीदारी का आरोप हो। जहां अभियोजन का मामला सभी अभियुक्तों के विरुद्ध साक्ष्य के एक ही समूह पर आधारित हो, वहां उसी साक्ष्य के आधार पर अन्य अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए किसी एक अभियुक्त को दोषमुक्त करना अनुमेय नहीं होगा, जब तक कि ऐसे अभियुक्त के पक्ष में दोषमुक्ति के लिए कोई सशक्त और बाध्यकारी मामला स्वतंत्र रूप से न बनता हो।

बारिश में धुला कोलकाता-पंजाब का मैच

आईपीएल : अब ओवर्स में कटौती होगी, रात 11:14 बजे तक 5-5 ओवर का गेम संभव

एजेंसी

कोलकाता। आईपीएल का 12वां मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। कोलकाता ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। कोलकाता में रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। अंपायर्स ने अब तक मैदान का निरीक्षण भी नहीं किया है। अब मैच शुरू हुआ तो ओवर्स में कटौती होगी। खेल रुकने तक केकेआर ने 3.4 ओवर में दो विकेट पर 25 रन बना लिए हैं। कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी नाबाद हैं। दूसरे ओवर में जेवियर बार्टलेट ने कैमरन ग्रीन (4 रन) और फिन एलन (6 रन) को पवेलियन भेजा। रात 9:10 बजे तक मैच शुरू नहीं हो सका, क्योंकि कोलकाता में रुक-रुककर बारिश हो रही है। अब मैच शुरू होने की स्थिति में ओवर्स में कटौती होगी। रात 11:14 बजे तक 5-5 ओवर तक मैच हो सकेगा।

फिलहाल, कोलकाता में बारिश जारी है और मैच रुका हुआ है। रात 9:10 बजे के बाद ओवर्स में कटौती की जाएगी। कोलकाता में बारिश तेज हो गई है। अब तक अंपायर्स ने मैदान का निरीक्षण भी नहीं किया है। पिछले एक घंटे से मैच रुका हुआ है। ज्यादा देर होने पर ओवर्स में कटौती की जा सकती है। कोलकाता में एक बार फिर बारिश लौट आई है। ऐसे में ग्राउंड स्टाफ ने मैदान को फिर से कवर कर दिया है। कोलकाता में बारिश रुक चुकी है। ग्राउंड स्टाफ मैदान से कवर्स हटा रहा है। मैच कुछ ही देर में शुरू हो सकता है। जेवियर बार्टलेट ने अपने पहले ओवर में दो विकेट झटके। कोलकाता में बारिश शुरू हो गई है। इस वजह से खेल को रोका गया है। मैदान को कवर कर दिया गया है। दूसरे ओवर में जेवियर बार्टलेट ने दो विकेट झटके। उन्होंने शुरूआती तीन बॉल डॉट कराई। उसके बाद चौथी बॉल पर फिन एलन (6 रन) और छठी बॉल पर कैमरन ग्रीन (4 रन) को विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह के हाथों कैच कराया। इस ओवर में महज 4 रन ही बने। पंजाब के अर्शदीप सिंह ने मैच का पहला ओवर डाला। उनके इस ओवर में दो चौके लगे। पहला चौके रहाणे ने थर्ड मैच की दिशा में लगाया। जबकि दूसरा चौका फाइन लगे की दिशा में यॉर्कर बॉल पर आया। इस ओवर से 12 रन आए। कोलकाता ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बताया कि वरुण चक्रवर्ती चोटिल हो गए हैं। सुनील नरेन भी नहीं खेल रहे हैं। नवदीप सैनी को डेब्यू कैप दी गई है। रोवमन पॉवेल को मौका दिया गया है। सोमवार को कोलकाता में सुबह के समय हल्की धुंध के साथ धूप निकल सकती है, जिससे आसमान थोड़ा धुंधला नजर आएगा।

दिन बढ़ने के साथ गर्माहट महसूस होगी, लेकिन दोपहर के बाद मौसम अचानक करवट ले सकता है और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। एक्यूवेदर के मुताबिक, बारिश की 57% आशंका है। तापमान 24 डिग्री से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय स्पिन के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में लगातार तीसरी हार झेलने वाली चेन्नई सुपर किंग्स की टीम को अपने युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और अच्छी कार्यशैली अपनाने की जरूरत है। सीएसके को रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। उसे अभी तक अपने तीनों मैच में हार मिली है और वह अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर है। अश्विन ने जिओ हॉटस्टार से कहा, मुझे यकीन है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण होगा। मुझे ठीक से नहीं पता कि शब्द कितने कठोर हो सकते हैं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इतनी युवा टीम के साथ आगे बढ़ने का सिर्फ एक ही रास्ता है और वह है अतीत को पीछे छोड़कर अपने खेल का स्तर ऊंचा करना। उन्होंने कहा, इसके लिए उसे मजबूत कार्यशैली और टीम के अंदर अच्छा माहौल तैयार करना होगा।

मुझे यकीन है कि आरसीबी से मिली इस करारी हार के बाद चेन्नई के ड्रेसिंग रूम में बेहद निराशा का माहौल होगा। भारत के पूर्व स्पिनर ने कहा कि युवा खिलाड़ियों से जवाबदेही की उम्मीद करना उचित नहीं है। अश्विन ने कहा, आरसीबी के हाथों सीएसके की हार को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। आरसीबी और सीएसके का मुकाबला आईपीएल के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा, सीएसके की टीम में कुछ कमियां हैं। उसकी टीम में कई अनुभवहीन खिलाड़ी हैं। हम उनसे जवाबदेही की उम्मीद नहीं कर सकते। वे उस उम्र में हैं जहां उन्हें मैदान पर उतरकर क्रिकेट का आनंद लेना चाहिए। आप उन पर सीएसके जैसी फ्रेंचाइजी की विरासत को आगे बढ़ाने का दबाव नहीं डाल सकते। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भारत के टी20 विश्व कप हीरो संजू सैमसन का समर्थन करते हुए कहा कि शुरुआती तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बावजूद वह वापसी करने में सफल रहेंगे। डुप्लेसी ने कहा, अगर आप सीएसके की बल्लेबाजी पर गौर करें तो वह काफी अच्छी है। कप्तान रुतुराज गायकवाड ने हमेशा खुद को साबित किया है। संजू सैमसन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप में अपने आलोचकों को गलत साबित किया। उन्होंने कहा, इसके अलावा उनके शीर्ष क्रम में आयुष म्हात्रे जैसा एक बेहद प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी है, जिसने अपने छोटे से आईपीएल करियर में अब तक असाधारण प्रदर्शन किया है। इसलिए उनके शीर्ष तीन में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस उन्हें अपने कौशल का एक साथ प्रदर्शन करना होगा। डुप्लेसी ने कहा, ऐसा हो ही नहीं सकता कि संजू सैमसन टी20 विश्व कप में तो आसानी से रन बना लें, लेकिन आईपीएल में बार-बार असफल हो जाएं। आपको बस उन पर भरोसा रखना होगा और उन्हें समय देना होगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने भी कई अन्य खिलाड़ियों की तरह इंडियन प्रीमियर लीग के विवादास्पद इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे खेल का कौशल काफी हद तक खत्म हो रहा है।

राजस्थान व मुंबई का मुकाबला आज

गुवाहाटी। पिछले मैच में हार के बाद वापसी के लिए प्रतिबद्ध मुंबई इंडियंस को उम्मीद होगी कि कप्तान हार्दिक पंड्या पूरी तरह से फिट होकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में खेलेंगे। हार्दिक अस्वस्थ होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें उनकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हार्दिक की अनुपस्थिति में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगुवाई की थी लेकिन टीम को हार्दिक के ऑलराउंड खेल की कमी महसूस हुई। हार्दिक की अनुपस्थिति के कारण टीम संयोजन में भी फेरबदल करना पड़ा। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए दीपक चाहर ने सधी हुई गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह कॉर्बिन बॉश को लाने का फैसला उल्टा पड़ गया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने जमकर रन लुटाए। इसके बाद हार्दिक ने अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे कि उनकी वापसी की संभावना मजबूत बन गई है। पहले मैच में गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर पिछले मैच में महंगे साबित हुए, वहीं हमेशा भरोसेमंद रहने वाले जसप्रीत बुमराह किफायती तो रहे हैं लेकिन इस सत्र में अभी तक विकेट नहीं ले पाए हैं। स्पिन विभाग में मिचेल सैंटनर ने अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह ग़ज़नफ़र की जगह

टीम में अपने चयन को सही साबित किया और संभावना है कि वह अपना स्थान बरकरार रखेंगे। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को हालांकि राजस्थान के शीर्ष क्रम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। राजस्थान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। राजस्थान की टीम ने अभी तक आक्रामक रवैया अपनाया है और मुंबई को उस सतर्क रहने की जरूरत होगी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी है, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने लय कायम रखी है। कप्तान रियान पराग ने अभी तक बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्वकौशल से आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने अब तक अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है, विशेषपर डेथ ओवरों में लिए गए उनके रणनीतिक फैसलों से जिसके कारण रॉयल्स ने गुजरात टाइटन्स पर रोमांचक जीत दर्ज की थी। गेंदबाजों में तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। बिश्नोई दो मैचों में पांच विकेट लिए हैं। वहीं देशपांडे ने टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए डेथ ओवरों के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया था। मुंबई की टीम अंक तालिका में अभी छठे स्थान पर है जबकि राजस्थान दूसरे स्थान पर है।

टीम इस प्रकार हैं:

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

संक्षेप

हॉकी : झारखंड ने तमिलनाडु को हराया

राजगीर। झारखंड ने 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में सोमवार को डिविजन ए के मैच में तमिलनाडु को 8-1 से हरा दिया। डिविजन ए में उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश ने भी जीत दर्ज की जबकि डिविजन बी में दिल्ली, तेलंगाना, कर्नाटक और अरूणाचल प्रदेश जीते। तमिलनाडु के खिलाफ मैच में जेसान कांडुल्ना ने दाग गोल किये जबकि संजीत भेंगरा, सुखु गुरिया, करण कुमार, सुनील भेंगरा, अर्पण पन्ना और तानी आशीष पूर्ति ने एक एक गोल किया। तमिलनाडु के लिये एकमात्र गोल संजय ने दागा।

रग्बी प्रीमियर लीग 16 जून से हैदराबाद में

नयी दिल्ली। रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) 16 से 28 जून तक हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया कर रहा है। पिछले साल पहली बार रग्बी प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया था। पहले सत्र की तरह ही इस बार भी यह प्रतियोगिता रग्बी सेवन प्रारूप में आयोजित की जाएगी। इस बार भी इसमें पिछले साल की तरह छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेगी। यह घोषणा जीएमआर स्पोर्ट्स के हाल ही में तेलंगाना सरकार के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद की गई है। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, जीवन में हम जो भी करते हैं, हमारा लक्ष्य हमेशा बेहतर करना, बेहतर बनना और बेहतर प्रदर्शन करना होता है। यही आरपीएल का मूलमंत्र रहेगा।

बल्लेबाजी में बदलाव करना आसान नहीं था : पडिक्कलब

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अपने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय अपने कंफर्ट जोन (आरामदायक दायरे) से बाहर निकलने और अपनी बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करने को दिया। देवदत्त ने आईपीएल के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन बनाने के बाद रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 50 रन बनाए।

रफ्तार व रोमांच का संगम 'यूपी प्रो हैंडबॉल लीग' 9 से

लखनऊ। लखनऊ में इन दिनों क्रिकेट के चौकों-छक्कों का खुमार सिर चढ़कर बोल रहा है। इकाना स्टेडियम में जारी आईपीएल के मैचों के रोमांच के बीच अब शहर के खेल प्रेमियों को 'यूपी प्रो हैंडबॉल लीग' के रूप में रफ्तार और रोमांच का एक नया अनुभव मिलने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश की इस पहली आधिकारिक हैंडबॉल लीग का बिगुल बज चुका है, जिसका भव्य आयोजन आगामी 9 से 14 अप्रैल 2026 तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में किया जाएगा। यूपी प्रो हैंडबॉल लीग के सीईओ डा.आनन्देश्वर पाण्डेय और संस्थापक व प्रबंध निदेशक अमित पाण्डेय ने आज प्रेस वार्ता में मैचों का कार्यक्रम जारी किया। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एसएन पाण्डेय खेल संस्थान ट्रस्ट द्वारा आदि योगी प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित लीग में प्रदेश की 6 दिग्गज टीमें दो लाख रुपये की प्राइजमनी, विजेता ट्रॉफी और गौरव के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी। लीग के सीईओ डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने प्रेस वार्ता में कहा, 'लखनऊ इस वक्त देश का स्पोर्ट्स हब बना हुआ है।

यहां आईपीएल मैचों के बीच हम प्रदेश की पहली प्रो हैंडबॉल लीग शुरू कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य हैंडबॉल को वही चमक-धमक और पेशेवर मंच देना है, जो आज क्रिकेट या कबड्डी को हासिल है। इस लीग में कुल 6 टीमें - काशी किंग्स, मथुरा ब्रज स्टार, नोएडा ब्लास्टर्स, गाजियाबाद पैंथर्स, बर्बरीक वारियर्स और गोरखपुर राउडीज चुनौती पेश करेंगी। इस लीग की विजेता टीम को 2 लाख रुपए और उपविजेता टीम को 1 लाख रुपए का नगद पुरस्कार मिलेगा।

कैंडिडेट्स शतरंज : प्रज्ञानानंदा को हर हालत में जीत की जरूरत

पाफोस (साइप्रस)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के आठवें दौर में मंगलवार को नीदरलैंड के अनीश गिरि से खेलेंगे तो उन्हें टूर्नामेंट में बने रहने के लिये हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। चेन्नई के 20 वर्ष के प्रज्ञानानंदा इस समय सात दौर के बाद 3.5 अंक लेकर गिरि के साथ तीसरे स्थान पर हैं। अब टूर्नामेंट के सात दौर के मुकाबले बचे हैं। पहले मुकाबले में गिरि को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा दूसरी जीत दर्ज नहीं कर पाये हैं। उन्हें शीर्ष पर काबिज उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने हराया जबकि पांच मुकाबले ड्रॉ रहे। सिंदारोव छह अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के फेबियानो कारूआना उनसे 1.5 अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं। चीन के वेइ यि और जर्मनी के मथियास ब्लूबाम संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं जबकि हिकारू नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। इस टूर्नामेंट के जरिये मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश के चैलेंजर तय होगा। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा की बहन आर वैशाली चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर हैं जबकि दिव्या देशमुख उनसे आधा अंक पीछे हैं।

भारत टीमें ग्रेनाडा विश्व कप में पेश करेंगी चुनौती

एजेंसी

ग्रेनाडा (स्पेन)। भारतीय निशानेबाज मंगलवार से यहां शुरू हो रहे राइफलपिस्टल विश्व कप में खुद को एक मजबूत ताकत के तौर पर साबित करने की कोशिश करेंगे जब इस प्रतियोगिता की शुरुआत 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल स्पर्धाओं से होगी। प्रतियोगिता में हालांकि अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी और उनके ऊंचे स्तर को देखते हुए भारतीय निशानेबाजों की राह आसान नहीं होगी। पिस्टल वर्ग में एशियाई खेलों की चैंपियन पलक गुलिया 25 मीटर पिस्टल के 2024 जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश नेलावल्ली के साथ जोड़ी बनाएंगी जबकि 2025 विश्व कप फाइनल्स की रजत पदक विजेता संयम और उज्ज्वल मलिक एक साथ मिलकर चुनौती पेश करेंगे। भारत की मिश्रित जोड़ियों को ओलंपिक और विश्व चैंपियन जोड़ियों की मौजूदगी में मजबूत चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिसमें चीन की टीम भी शामिल है।

चीनी की टीम ने इस साल नयी दिल्ली में हुई एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था लेकिन उन्होंने इस प्रतियोगिता के लिए दो विश्व स्तरीय जोड़ियों को मैदान में उतारा है। मौजूदा मिश्रित टीम विश्व चैंपियन हू काई और याओ कियानक्सुन तथा पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता शी यू और जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पूर्व पदक विजेता शेन यियाओ अन्य प्रतिभागियों को कड़ी चुनौती पेश करेंगे। अन्य प्रमुख जोड़ियों में तुर्की की पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता सेव्वाल इलायदा तारहान और यूसुफ डिकेच, जोराना अरुनोविक और दामिर माइकक की सर्बिया की जोड़ी, वेरोनिका मेजर और अकोस कैरोली नागी की हंगरी की जोड़ी तथा क्रिश्चियन रिट्ज और स्वेन्जा बर्गे की जर्मनी की जोड़ियां शामिल हैं। दस मीटर एयर राइफल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व सोनम मस्कर और गजानन खंडागले तथा श्रुति और अर्शदीप सिंह की जोड़ियां करेंगी।

युवा निशानेबाजों की मौजूदगी वाली भारत की मिश्रित टीमें बेहद मजबूत विरोधियों का सामना करेंगी जिनमें शेंग लिहाओ और वांग जिफेई की चीन की दुनिया की नंबर एक और मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी भी शामिल है। वहीं इस प्रतियोगिता में चीन की दूसरी जोड़ी मा सिहान और झांग कियानयिंग की है।

प्रीति ओलपिक विजेता को हराकर फाइनल में

एजेंसी

उलानबटोर (मंगोलिया)। उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई। प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया।

अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023,2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4-1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी।

❍ एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

आईपीएल छोड़ सकते है अश्विन

चेन्नई। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है कि अगर वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से खेलते हुए मानसिक रूप से परेशान करने वाले और पीड़ादायक दौर से नहीं गुजरे होते तो वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में थोड़ा और समय तक खेल सकते थे। अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने पिछले साल आईपीएल को भी अलविदा कह दिया था। इस स्टार स्पिनर ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात में कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने की दुविधा से बचाने के लिए आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया। अश्विन ने कहा, मैंने सीएसके के साथ एक निराशाजनक सत्र बिताया।

भारत बिली जीन किंग कप के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में

नयी दिल्ली। भारत 2026 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मंगलवार से यहां डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक के मुकाबलों में परिचित परिस्थितियों और घरेलू समर्थन का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश करेगा। भारत को हालांकि प्रतिभाशाली श्रीवल्ली भामिदिपति के हटने से झटका लगा है। इंडोनेशिया, कोरिया, मंगोलिया, न्यूजीलैंड और थाईलैंड की मौजूदगी में भारतीय टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी, जबकि सबसे नीचे की दो टीमें 2027 के लिए ग्रुप दो में खिसक जाएंगी। भारत का बेंगलुरु में 2025 प्लेऑफ में निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। वह तब तीन टीमों के ग्रुप जी में तीसरे स्थान पर रहा था। मेजबान टीम को स्लोवेनिया से 1-2 और नीदरलैंड से 0-3 की हार का सामना करना पड़ा, हालांकि नवोदित खिलाड़ी श्रीवल्ली और सहजा यमलपल्ली ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। भारत की तरफ से अब एकल में पूरी जिम्मेदारी सहजा और वैष्णवी अडकर पर आ गई है। अनुभवी खिलाड़ी अंकिता रैना से युगल मुकाबलों में अच्छी प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है जहां वह रुतुजा भोसले के साथ मिलकर चुनौती पेश करेंगी।

सैमसन, बुमराह को आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी

दुबई। भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को आईसीसी मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का नामांकन मिला है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद नामांकित किया गया है। वहीं टी20 विश्व कप के आखिरी कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन करके प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे संजू को बुमराह के साथ नामांकन में जगह मिली है।

बुमराह फाइनल मैच में प्लेयर आफ द मैच थे। सैमसन शुरूआती मैचों से बाहर रहे लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल की तरह रहे मैच में नाबाद 97 रन बनाये और इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में सेमीफाइनल के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन की पारी खेली। बुमराह ने फाइनल में चार ओवर में 15 रन देकर चार विकेट लिये थे। वहीं दूसरी ओर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल 2026 में संजू सैमसन के के अब तक के खराब प्रदर्शन को खास तवज्जों नहीं दी और कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है तथा रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए बेताब है। सीएसके को रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह लगातार तीसरा मैच था जिसमें सैमसन का बल्ला नहीं चला। उन्होंने अब तक तीन मैच में छह, सात और नौ रन बनाए हैं। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी (इस मामले में राजस्थान रॉयल्स) की तरफ से लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम के माहौल में ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि केरल का यह खिलाड़ी लय हासिल करने के लिए बेताब है।

उन्होंने कहा, टीम (सीएसके) में पांच या छह बदलाव हुए हैं। मैदान से इतर कुछ काम करना बाकी है ताकि टीम के आपसी संबंध और मजबूत हो सकें। लेकिन वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए बेताब हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए संजू को पीले रंग की जर्सी में अपना सफर तय करने में हमारी तरफ से पूरा समर्थन मिलेगा।

देश की सुरक्षा से समझौता करती है कांग्रेस

पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाती है : प्रधानमंत्री मोदी

असम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि एक ओर उनकी सरकार ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर कड़ा रुख अपनाया, वहीं दूसरी ओर विपक्षी कांग्रेस लगातार पड़ोसी देश के सुर में सुर मिलाती नजर आती है।

असम के बरपेटा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्षी दल पर विकास के प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण रखने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करती है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अल्पकालिक उपाय अपनाए, ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त रह सकें। लेकिन भाजपा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लेते समय दूरदर्शी सोच रखती है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 2016 में की गई सर्जिकल स्ट्राइक हो या वर्ष 2025 का ऑपरेशन सिंदूर, इस दौरान कांग्रेस हमेशा पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाती रही और उसके एजेंडे को अहमियत दी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से यह संबंध हमेशा देश पर भारी पड़ता है, और हम कभी इसकी अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने कांग्रेस पर दशकों तक वन रैंक, वन पेंशन योजना लागू न करके सेना की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। मोदी ने रैली में कहा कि भाजपा ने यह सुनिश्चित किया कि देश की रक्षा करने वालों को न्याय मिले। प्रधानमंत्री ने रैली

को संबोधित करते हुए कहा, हमने अब तक पूर्व सैन्यकर्मियों के बैंक खातों में 12.4 लाख करोड़ रुपये अंतरित किए हैं। होजाई में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने गांधी परिवार पर परिवारवादी राजनीति और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस का प्रथम परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है, जो बड़े-बड़े घोटालों में लिप्त है और फिलहाल जमानत पर बाहर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ दो काम कर सकती है - झूठ बोलना और भ्रष्टाचार में लिप्त होना। राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान वाली टिप्पणी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस मिथ्या की दुकान और अपमान का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई की ओर इशारा करते हुए कहा, असम में एक और परिवार है... और दोनों ही चुनाव से पहले झूठे वादे कर रहे हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, कांग्रेस हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में सत्ता में है... उन्होंने चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन अब तक उन्होंने क्या किया है? मोदी ने लोगों से असम में कांग्रेस के झूठे वादों के झांसे में न आने और भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाने का आग्रह किया ताकि विकास का सफर जारी रह सके। पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के कारण उत्पन्न वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार नागरिकों, विशेषकर गरीबों, मध्यम वर्ग और किसानों को इसके प्रभाव से बचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की शुरुआत से ही यह प्राथमिकता रही है कि गरीबों, मध्यम वर्ग और किसानों की पीड़ा को कम किया जाए, और यह जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि असम में अनेक बलिदानों और पिछले दस वर्षों में हस्ताक्षरित विभिन्न शांति समझौतों को लागू करने की दिशा में भाजपा के ईमानदार प्रयासों के कारण शांति स्थापित हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा, राज्य में शांति और स्थिरता ने भाजपा शासन में विकास को गति दी है। इसे जारी रखने के लिए कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य में राजग के पिछले 10 वर्षों के शासन में शांति स्थापित करने और इसकी पहचान की रक्षा करने पर जोर दिया गया।

सरकार ने लकड़ी की ब्रिकेट के निर्यात पर अंकुश लगाया

नयी दिल्ली। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच जलाऊलकड़ी के पर्यावरण-अनुकूलविकल्प मशीन से दबाकर बनाई गई बुरादे की ईंटों (लकड़ी की ब्रिकेट) के निर्यात पर सोमवार को तत्काल प्रभाव से अंकुश लगा दिया है। पहले इस उत्पाद के निर्यात पर कोई अंकुश नहीं था। अब किसी भी निर्यातक को इसे विदेश भेजने के लिए सरकार से अनुमति या लाइसेंस की आवश्यकता होगी।

दूसरी ओर, सरकार ने लकड़ी के बुरादे, लकड़ी के अपशिष्ट और कबाड़, जिनसे लट्ठे, ब्रिकेट या छोटी गोलियां बनाई जाती हैं के निर्यात पर लगी पाबंदी में ढील दी है। पहले इन वस्तुओं के निर्यात पर पूरी तरह प्रतिबंध था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, इन वस्तुओं की निर्यात नीति में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है। इसके तहत इन्हें प्रतिबंधित और मुक्त की श्रेणियों से बदलकर अब सीमित श्रेणी में डाल दिया गया है। अब इनका निर्यात केवल विशेष निर्यात अनुमति पत्र के तहत ही किया जा सकेगा। पश्चिम एशिया संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है। इससे रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पिछले महीने भारत ने खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने के चलते घरेलू उपयोग के लिए केरोसिन और होटलों के लिए कोयले के उपयोग की अस्थायी तौर पर फिर से अनुमति दी थी।

संक्षेप

नाबालिग को बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में कक्षा छह की एक छात्रा को एक कमरे में घंटों बंधक बनाकर रखे जाने और उसका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले के पांचों आरोपी फरार हैं। उसने बताया कि घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। नाबालिग पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने घटना की शिकायत पुलिस से करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पुलिस में दर्ज शिकायत में पीड़िता ने कहा कि शुक्रवार शाम अपनी बहन के साथ पास की किराने की दुकान से लौटते समय कुश नाम के एक व्यक्ति ने उसे पकड़ लिया। शिकायत के मुताबिक, जब पीड़िता ने कुश का विरोध किया तो चार नकाबपोश व्यक्ति घटनास्थल पर पहुंच गए और उसे कथित तौर पर एक कमरे तक ले जाने में कुश की मदद की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुश ने पहले उसके साथ मारपीट की और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया तथा उसे रात भर कमरे में बंधक बनाकर रखा। इसमें कहा गया है कि अगली दोपहर पीड़िता किसी तरह कमरे से भागने और अपने गांव को जाने वाली सड़क तक पहुंचने में कामयाब रही।

बांग्लादेश से संबंधों को मजबूत बनाने का भारतीय राजदूत ने दिया भरोसा

ढाका। भारत बांग्लादेश के साथ भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए तैयार है। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को यह जानकारी दी।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब भारत और बांग्लादेश फरवरी में हुए संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत के परिणामस्वरूप तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक के दौरान वर्मा और रहमान ने दोनों देशों की राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में जन-केंद्रित सहयोग पर ध्यान देते हुए द्विपक्षीय सहभागिता पर चर्चा की।

2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लें कार्यकर्ता

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से देशवासियों को पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ जोड़ने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया।

नवीन ने भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान से प्रेरणा लेकर पार्टी के प्रभाव को और अधिक बढ़ाएं, जिन्होंने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी

बनाने में योगदान दिया। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा, हम जश्न मना रहे हैं, लेकिन यह संकल्प लेने का भी अवसर है। आइए 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ें और पंचायत से लेकर संसद तक भगवा झंडा लहराने के सपने को साकार करें। नवीन ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की और पार्टी के राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को दोहराया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मैं आप सभी के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मना रहा हूं। यह केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि हम सभी के लिए संकल्प का क्षण भी है। नवीन ने पार्टी के पूर्व अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं की पुरानी पीढ़ियों को नमन करते हुए कहा कि भाजपा का विकास दशकों से चले आ रहे सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

इजराइली हमले में आईआरजीसी के खुफिया प्रमुख की हुयी मौत : काट्ज़

यरुशलतम। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सोमवार को घोषणा की कि इजराइल की वायुसेना ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के खुफिया प्रमुख माजिद खादेमी को मार दिया है।

काट्ज ने ईरानी नेताओं को एक-एक करके खत्म करने की धमकी दी। काट्ज ने इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ स्थिति का आकलन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि (ईरानी) रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नागरिकों पर गोलियां चलाते हैं और हम आतंकवादियों के सरगनाओं का खात्मा करते हैं। इजराइली मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के नेता उत्पीड़न की भावना से जीते हैं। हम उन्हें एक-एक करके मारते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि ईरान के आर्थिक आधार और मिसाइल निर्माण क्षमताओं को कमजोर करने के लिए इजराइल उसके महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले जारी रखेगा।

एलडीएफ का भाजपा के साथ गुप्त समझौता : प्रियंका

वायनाड। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने केरल में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के साथ गुप्त समझौता किया है।

उन्होंने राज्य और केंद्र, दोनों पर असहमति की आवाज को दबाने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का भी आरोप लगाया। वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा केरल के उत्तरी कन्नूर जिले के पेरावूर में विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत एक नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि एलडीएफ ने भाजपा के साथ समझौता किया है, जो अल्पसंख्यकों, खासकर ईसाई समुदाय और उनकी नन को परेशान करती है। उन्होंने आरोप लगाया, और अब, जब चुनाव में कुछ ही दिन बचे

हैं, तो यह काफी स्पष्ट है कि एलडीएफ और भाजपा के बीच एक गुप्त समझौता हुआ है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शबरिमला में हुई बड़ी चोरी के बावजूद उस पर एक भी शब्द नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि जब कभी प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई बोलता है, तो उसके खिलाफ सीबीआई, ईडी या आयकर विभाग के मामले दर्ज हो जाते हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ ऐसा एक भी मामला नहीं है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और राज्य की एलडीएफ सरकार अपने खिलाफ बोलने या सवाल पूछने वाले किसी भी व्यक्ति का दमन कर देती है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। छत्तीसगढ़ में केरल की कैथोलिक ननों पर हुए कथित हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। नयी दिल्ली में मिशनरीज ऑफ चैरिटी जैसी संस्थाओं से अपने जुड़ाव को याद करते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि वहां की ननों ने हाल में उन्हें बताया कि आजकल उन्हें अधिकारियों की ओर से कितना दबाव झेलना पड़ रहा है।

कांग्रेस ने चाय बागानों की जनजातियों का इस्तेमाल वोट बैंक के रूप में किया

असम। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी चाय बागानों में रहने वाली जनजातियों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में देखती है, लेकिन उनके वास्तविक कल्याण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाती।

असम में चाय बागानों में रहने वाली जनजातियां 19वीं शताब्दी में औपनिवेशिक काल के दौरान वर्तमान झारखंड, ओडिशा और बिहार के आदिवासी क्षेत्रों से इस क्षेत्र में लाए गए श्रमिकों की वंशज हैं। डूमडूमा

विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रूपेश गोवाला के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने इस पूर्वोत्तर राज्य में अपने शासनकाल के दौरान घुसपैठियों को शरण दी। नड्डा ने कहा, कांग्रेस ने चाय बागानों में काम करने वाली जनजातियों को हर पांच साल में वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया। इसने समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में घुसपैठियों को बुलाया और तुष्टीकरण की राजनीति के तहत यहां शरण दी तथा आधार और आयुष्मान भारत कार्ड मुहैया कराया।

इंटरटेनमेंट...

फिल्म 'भूत बंगला' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'भूत बंगला' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को पुराने दिनों की याद दिलाता है। इसमें अक्षय कुमार के साथ उनकी पुरानी कॉमेडी टीम यानी परेश रावल और राजपाल यादव भी

अक्षय, राजपाल और परेश रावल पुराने अंदाज में दिखे; हॉरर और कॉमेडी का बैलेंस नजर आया

नजर आ रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी का वैसा ही बैलेंस दिख रहा है, जिसके लिए अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी जानी जाती है।

ट्रेलर को देखकर लग रहा है कि मेकर्स ने इसे बिना किसी तामझाम के काफी सरल और मनोरंजक रखा है। फिल्म का ट्रेलर उस विंटेज स्पेस में ले जाता है, जिसमें अक्षय और प्रियदर्शन

सालों से काम करते आए हैं। ट्रेलर की लय काफी तेज और मजेदार है। इसमें कॉमेडी के साथ स्पूकी (डरावने) एलिमेंट्स का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन कुछ भी ओवरडन या जबरदस्ती नहीं लगता। फिल्म की राइटिंग काफी सहज नजर आ रही है।

ट्रेलर के आखिर तक आते-आते दर्शकों की जिज्ञासा फिल्म को लेकर काफी बढ़ जाती है। फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी कास्टिंग है।

अक्षय कुमार एक बार फिर उसी जॉनर में लौटे हैं जो उन पर सबसे ज्यादा सूट करता है। उनके साथ परेश रावल और राजपाल यादव की टाइमिंग हमेशा की तरह दिख रही है। साथ ही असरानी ने भी अपने चिर-परिचित अंदाज में कॉमेडी का तड़का लगाया है। इन दिग्गजों के अलावा फिल्म में वामिका गब्बी, तब्बू, जिशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर में क्या है खास ? टीजर में जहां सिर्फ फिल्म के टोन की झलक मिली थी, वहीं ट्रेलर कहानी की दुनिया से भी परिचित कराता है। यह पूरी कहानी बताए बिना दर्शकों को फिल्म के माहौल से जोड़ देता है।

तृषा का क्रिप्टिक पोस्ट वायरल

मुंबई। साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार थलपति विजय और एक्ट्रेस तृषा कृष्णन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दोनों के कथित रिश्ते की अफवाहों के बीच तृषा का एक क्रिप्टिक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो गया है, जिसने फैंस के बीच नई चर्चा छेड़ दी है। तृषा ने इंस्टाग्राम पर प्यार और आत्म-सम्मान से जुड़ा एक मैसेज शेयर किया, जिसमें लिखा था कि 'प्यार सबकुछ नहीं होता, लेकिन बिना प्यार के सब बेकार है। इस पोस्ट को उनके निजी जीवन से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, यह पोस्ट ऐसे समय सामने आया है जब विजय और उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम के तलाक की खबरें चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संगीता ने कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए रिश्ते में दरार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

इसी बीच विजय और तृषा को हाल ही में चेन्नई में एक हाई-प्रोफाइल शादी में साथ देखा गया। दोनों की साथ में एंट्री और मौजूदगी ने अफवाहों को और हवा दे दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो के बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों के बीच सिर्फ दोस्ती से बढ़कर कुछ है। हालांकि, इन खबरों पर अब तक न तो विजय और न ही तृषा ने कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है।

चार साल बाद अमेरिकी रैपर की वापसी, परफॉर्म दिल्ली में

मुंबई। डार्क लाइट, फॉग और स्पॉट लाइट्स के इस्तेमाल से स्टेज ऐसा दिख रहा था मानो कान्ये अंतरिक्ष में घूमती पृथ्वी पर खड़े हों। अमेरिकी रैपर और हिप-हॉप के दिग्गज कलाकार कान्ये वेस्ट ने हाल ही में लॉस एंजिलिस के सोफी स्टेडियम में घूमती हुई पृथ्वी के स्टेज पर परफॉर्म किया। इसे कॉन्सर्ट के इतिहास का सबसे शानदार सेट डिजाइन माना जा रहा है। डार्क लाइट, फॉग और स्पॉट लाइट्स के इस्तेमाल से स्टेज ऐसा दिख रहा था मानो वे अंतरिक्ष में घूमती पृथ्वी पर खड़े हों। एल्युमिनियम फ्रेम से बने स्टेज को केबल और मोटराइज्ड रिगिंग सिस्टम से लटकाया गया था। कान्सर्ट में 70 हजार दर्शक मौजूद थे।

'धुरंधर 2' की कमाई भारत में 1000 करोड़ पार

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' भारत में सबसे तेजी से 1000 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 1622 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। तीसरे वीकेंड में भी फिल्म की कमाई की रफ्तार कम नहीं हुई है। रिलीज के 16वें दिन (शुक्रवार) को फिल्म ने 23 करोड़, 17वें दिन (शनिवार) को 27 करोड़ और 18वें दिन (रविवार) को 30 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह तीसरे वीकेंड पर फिल्म ने कुल 80 करोड़ रुपए की कमाई की।

भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन अब 1041 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 1228 करोड़ रुपए हो चुका है। 'धुरंधर 2' न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी नए बेंचमार्क सेट कर रही है। फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में अब तक 394 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। यह नॉर्थ अमेरिका में 25 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। इसके अलावा जर्मनी में भी इसने 1 मिलियन यूरो से ज्यादा की कमाई कर एक

नया रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का खिताब भी अपने नाम कर लिया है। इस फिल्म की कामयाबी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने 'धुरंधर' के पहले पार्ट के ओवरसीज लाइफटाइम कलेक्शन को महज 10 दिनों में ही पीछे छोड़ दिया था।

यह सबसे तेजी से 1000 करोड़ रुपए (वर्ल्डवाइड) कमाने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने भारत में 100 करोड़ से लेकर 1000 करोड़ तक के सभी माइलस्टोन सबसे कम समय में हासिल किए हैं। साथ ही, यह अब तक की सबसे बड़ी हिंदी ओपनर और वर्ल्डवाइड सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड देने वाली फिल्म भी बन चुकी है। नॉर्थ अमेरिका में 25 मिलियन डॉलर कमाने वाली पहली भारतीय फिल्म। सबसे तेजी से 1000 करोड़ का ग्लोबल आंकड़ा पार करने वाली फिल्म। जर्मनी में 1 मिलियन यूरो का आंकड़ा छूने वाली पहली भारतीय फिल्म। 'धुरंधरः द रिवेंज' का पहला पार्ट पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुआ था।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी** (पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com